दैनिक छत्तीसगढ़ गौरव

डाक पंजीयन क्रमांक :जी2-112/सी.जी/बी.एल.पी./032/ 2023-2026

website:- chhattisgarhgaurav.in

वर्ष 25 अंक 339 पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रूपये

शुक्रवार 02 जनवरी 2026 डाक- शनिवार 03 जनवरी 2026

chhattisgarhgaurav@rediffmail.com

इंदौर स्वीट्स

नमकीन और मिठाईयों की लंबी श्रृंखला के बाद अब केशर कुल्फी और दही कचौड़ी

हमारा विश्वास हैं

एक बार खायेगें, बार-बार आयेगें...

पावर हाऊस रोड, कोरबा

फोन-222833,222733

प्रथमेश

स्विट्जरलैंड के बार में भीषण धमाका, 40 लोगों की मौत, कई घायल हुए

क्रांस मोंटाना (स्विट्जरलैंड),02 जनवरी । स्विट्जरलैंड के क्रॉन्स मोंटाना इलाके के एक बार में भीषण धमाके की खबर है। प्रारंभिक रिपोर्ट्स में बताया जा रहा है कि इस धमाके में कम से कम 40 लोग मारे गए हैं और कई घायल हुए हैं। दक्षिण-पश्चिमी स्विट्जरलैंड के वालिस कैंटन में पुलिस प्रवक्ता गैटन लैथियन ने कहा कि अज्ञात कारण से धमाका हुआ है। जिस वक्त धमाका हुआ, उस वक्त बार में नए साल का जश्न चल रहा था। स्थानीय पुलिस अधिकारियों ने कहा कि 10 लोगों की मौत हुई है और इतने ही घायल हुए हैं। पुलिस ने ये भी कहा कि वे घटना को लेकर किसी भी आतंकवादी हमले के एंगल पर जांच नहीं कर रहे हैं। हालांकि, स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स में हताहतों का आंकड़ा 40 के करीब बताया जा रहा है। पुलिस ने इलाके को सील कर दिया है और क्रान्स-मोंटाना के ऊपर नो-फ्लाई जोन घोषित कर दिया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, यह घटना वालिस के क्रॉन्स-मोंटाना में ले कॉन्स्टेलेशन बार और लाउंज में नए साल के जश्न के दौरान हुई। घटना का समय रात 1:30 बताया जा रहा है। सोशल मीडिया पर घटना के कई वीडियो सामने आए हैं, जिनमें बार में आग और धुंए को देखा जा सकता है। फिलहाल आपातकालीन बल मौके पर हैं और घटना के कारणों की जांच में जुटे हैं।

सुदर्शन चक्र जल्द बनेगा हकीकत, राजनाथ ने डीआरडीओ की क्षमता पर जताया भरोसा

नई दिल्ली,02 जनवरी (एजेंसी) । रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि डीआरडीओ अगले दशक में देश की हवाई सुरक्षा मजबूत करने के लिए हमारे जरूरी ठिकानों को एयर डिफेंस सिस्टम से लैस करने के लिए तैयार है। हमने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हवाई युद्ध में एयर डिफेंस की अहमियत देखी। मुझे भरोसा है कि डीआरडीओ जल्द ही इस लक्ष्य को पाने के लिए पूरे दिल से काम करेगा। उन्होंने भरोसा जताया कि डीआरडीओ जल्द ही रूस के एयर डिफेंस सिस्टम एस-400 की तर्ज पर स्वदेशी सुदर्शन चक्र बना लेगा। डीआरडीओ के 68वें स्थापना दिवस के मौके पर नई दिल्ली में डीआरडीओ मुख्यालय का दौरा करने के दौरान रक्षा

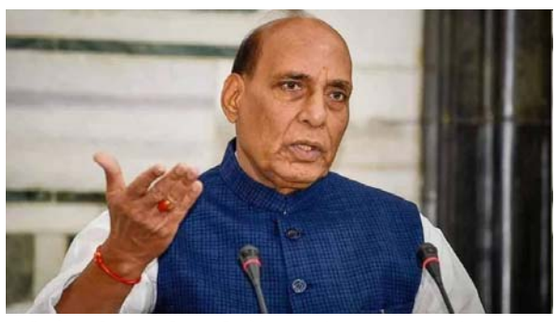

मंत्री ने वरिष्ठ अधिकारियों और वैज्ञानिकों के साथ बैठक की। उन्होंने कहा कि डीआरडीओ की हथियार प्रणालियों ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान अहम भूमिका निभाई, जो राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए संगठन की व्यावसायिकता और प्रतिबद्धता का सबूत है।

सशस्त्र बलों को आधुनिक हथियारों से लैस करके भारत की स्वदेशी क्षमताओं को मजबूत करने के लिए डीआरडीओ की तारीफ करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि ऑपरेशन के दौरान हथियारों ने बिना किसी रुकावट के काम किया, जिससे सैनिकों का हौसला बढ़ा। रक्षा मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले की प्राचीर से अपने भाषण में स्वदेशी सुदर्शन चक्र बनाने की घोषणा की थी, जिसमें डीआरडीओ अहम भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि इस पहल के तहत डीआरडीओ अगले दशक में हवाई सुरक्षा पक्का करने के लिए हमारे जरूरी ठिकानों को एयर डिफेंस सिस्टम से लैस करने के लिए तैयार है।

बीते वर्ष 3.84 लाख करोड़ के रक्षा खरीद सौदे मंजूर- रक्षा मंत्रालय ने 'सुधारों के वर्ष 2025 'में रक्षा तैयारियों को पुख्ता बनाने के लिए तीनों सेनाओं के लिए 3.84 लाख करोड़ रुपए से अधिक के खरीद सौदों को मंजूरी दी और मौजूदा वित्त वर्ष में अब तक 1.82 लाख करोड़ रुपए के पूंजीगत अनुबंधों पर हस्ताक्षर किए हैं। रक्षा मंत्रालय ने गुरुवार को बताया कि रक्षा मंत्रालय ने बीते वर्ष सेनाओं में संयुक्तता को मजबूत करने, रक्षा तैयारियों को सुदृढ़ करने, आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने और कल्याणकारी प्रणालियों में सुधार के उद्देश्य से व्यापक सुधारों के कार्यान्वयन में उल्लेखनीय प्रगति की।

शाहरुख खान के खिलाफ धर्मगुरुओं ने खोला मोर्चा, एक्टर को कहा- गद्दार

केकेआर से बांग्लादेशी खिलाड़ी हटाने की मांग

नई दिल्ली,02 जनवरी (एजेंसी) । केकेआर टीम में बांग्लादेशी खिलाड़ियों को शामिल किए जाने को लेकर टीम के मालिक शाह रुख खान के खिलाफ विरोध बढ़ता जा रहा है। पूर्व भाजपा विधायक संगीत सोम के आक्रोश जताने के एक दिन बाद गुरुवार को धर्मगुरुओं और कथावाचकों ने भी मोर्चा खोल दिया है।

सोम ने बुधवार को टीम के मालिक व बॉलीवुड अभिनेता शाह रुख खान को गद्दार कहा था। गुरुवार को नागपुर में आध्यात्मिक गुरु जगतगुरु रामभद्राचार्य ने आइपीएल 2026 के लिए बांग्लादेशी तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को टीम में शामिल करने के लिए शाह रुख की कड़ी आलोचना की।

संत ने कहा कि यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। शाह रुख का रवैया हमेशा से एक ' 'देशद्रोही'' जैसा रहा है। उन्होंने बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हो रहे हमलों की निंदा की और जोर देकर कहा कि भारतीय सरकार को ऐसी घटनाओं को बर्दाश्त नहीं

करनाचाहिए।

उधर मुंबई में श्रीमद्भागवत कथा कह रहे कथावाचक देवकीनंदन ठाकुर का कहना है कि पड़ोसी देश में अल्पसंख्यक हिंदुओं के साथ हिंसक व्यवहार किया जा रहा है। ऐसे में बांग्लादेशी खिलाड़ी को टीम में शामिल करना गलत संदेश देता है। उन्होंने शाह रुख को संबोधित करते हुए कहा कि यह मत भूलना इन्हीं भारतीयों ने तुम्हें हीरो बनाया है। जो हीरो बना सकता है, वह जीरो भी बना सकता है।

अलीगढ़ के शाही चीफ मौलाना चौधरी इफराहीम हुसैन ने कहा कि केकेआर की टीम में बांग्लादेशी खिलाड़ी को शामिल करने के निर्णय से इंसानियत शर्मसार हुई है। कोई भी व्यावसायिक या खेल संबंधी सौदा नैतिक कसौटी पर परखा जाना चाहिए। संवेदनशील दौर में बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को नौ करोड़ रुपये में खरीदे जाने की खबर ने देशभर में आक्रोश पैदा किया है। जब एक ओर बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर अत्याचार हो रहे हों ऐसे समय में इस तरह का सौदा नैतिक रूप से गलत संदेश देता है। यह निर्णय देशहित की भावना के विपरीत है। महाराष्ट्र अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष प्यारे खान ने कहा कि मेरा शाहरुख खान से आग्रह है कि अगर हमारे देश के लोग बांग्लादेश में अन्याय का सामना कर रहे हैं, तो हमें उनके खिलाड़ियों पर प्रतिबंध लगा देना चाहिए ताकि एक संदेश दिया जा सके।

वंदे भारत एक्सप्रेस में महिला टीटीई को टिकट जांच की जिम्मेदारी, इसलिए लिया गया बड़ा फैसला

बिलासपुर,02 जनवरी (एजेंसी) । साल के पहले दिन गुरुवार को वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन में बिलासपुर रेल मंडल ने एक नई व्यवस्था की है। इसके तहत टिकट जांच का जिम्मा महिला टीटीई को सौंपी गई है। दो पुरुष के साथ तीन महिला कर्मचारियों ने इस ट्रेन में नागपुर तक टिकट जांच की और वापसी में इस जिम्मेदारी का निर्वहन किया। एक और महिला टीटीई की इसमें ड्यूटी लगाने का निर्णय है।

वंदे भारत ट्रेन रेलवे की विशेष ट्रेन है। आधुनिक सुविधाओं से लैस इस ट्रेन की व्यवस्थाएं भी अन्य ट्रेनों से अलग होती हैं। यात्रियों को इसमें सफर करना खूब पसंद आता है। विशेषताओं में एक ट्रेन में टिकट जांच करने वाले टीटीई भी है, जिनके ड्रेस का रंग व डिजाइन राजधानी एक्सप्रेस की तरह होती है। टीटीई को इसी यूनिफार्म में टिकट जांच करनी होती है।

इनको पहले दिन मिली जिम्मेदारी– रेलवे ने साल के पहले दिन जिन चार महिला कर्मचारियों की टिकट जांच में

ड्यूटी लगाई, उनमें नेहा गुजर, निशा सिन्हा, प्रीति व प्रियंका यादव शामिल हैं। सभी कोर्ट टाई वाले इस यूनिफार्म को पहनकर ट्रेन में पहुंचीं। उनके हाथों में वाकी-टाकी व जांच के अन्य जरूरी साधन थे। इस ट्रेन में सफर करने वाले यात्रियों के लिए यह नया था।

तीनों टीटीई अब नियमित इस ट्रेन में ड्यूटी करेंगी। महिलाओं की ड्यूटी होने से एक लाभ यह होता है कि यात्री बेवजह विवाद नहीं करते और बिना आपत्ति के टिकट जांच भी कराते हैं।

उत्तर भारत में कड़ाके की ठंड और घने कोहरे का कहर जारी, दिल्ली-यूपी में चलेगी शीतलहर, पहाड़ों पर बर्फबारी का अलर्ट

नई दिल्ली,02 जनवरी (एजेंसी) । नया साल 2026 उत्तर भारत के लिए कड़ाके की ठंड और घने कोहरे के साथ शुरू हुआ है। भारतीय मौसम विज्ञान विभागने आज, 2 जनवरी को दिल्ली-एनसीआर, उत्तर प्रदेश, बिहार और मध्य प्रदेश के कई हिस्सों में घने से अति घना कोहरा छाए रहने की चेतावनी जारी की है, जिससे दृश्यता 50 मीटर तक गिर सकती है। जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश के ऊपरी इलाकों में भारी बर्फबारी जारी है, जबकि पंजाब, हरियाणा और दिल्ली के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश ने ठिठुरन बढ़ा दी है।

दिल्ली-एनसीआर: दिल्ली में न्यूनतम तापमान 7-9 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है। आज सुबह घने कोहरे के कारण उड़ानों और ट्रेनों

के परिचालन पर असर पड़ सकता है। शहर में शीतलहरकी स्थिति 5 जनवरी तक बनी रहने की संभावना है।

उत्तर प्रदेश और बिहार: पूर्वी उत्तर प्रदेश और बिहार में 2 जनवरी को घने कोहरे का 'येलो अलर्ट' है। बिहार के गया और यूपी के कई जिलों में सुबह दृश्यता काफी कम रहने की संभावना है।

मध्य प्रदेश: मध्य प्रदेश के उत्तरी हिस्सों में 2 और 3 जनवरी को छिटपुट इलाकों में घना कोहरा देखा जा सकता है। तापमान में 2-3 डिग्री की गिरावट दर्ज की जा सकती है।

हिमाचल और कश्मीर: कश्मीर के गुलमर्ग और पहलगाम जैसे इलाकों में बर्फबारी से सैलानी खुश हैं, लेकिन मैदानी इलाकों में कड़ाके की सर्दी है। हिमाचल प्रदेश में 5 जनवरी तक घना कोहरा और शीत दिवस (ष्टश्वद्यस्र ष्ठड्ड4) की स्थिति बनी रहेगी।

राजस्थान में गुरुवार को ओलावृष्टि और बिजली गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। यह हादसा चूरू जिले के सादुलशहर में एक मकान पर बिजली गिरने से हुआ। भारी बारिश के कारण तेज ठंडक से लोगों का हाल-बेहाल है। शीतलहर से जनजीवन अस्तव्यस्त हो गया।

नए साल के पहले दिन बीकानेर, चित्तौडगढ़, अजमेर एवं चूरू जिलों में तेज बारिश से ठंडक और बढ़ गई है। बुधवार रात से प्रदेश के कई जिलों में बारिश के बीच ओलावृष्टि और कड़ाके की सर्दी का दौर जारी है। गुरुवार को प्रदेश के अधिकांश जिलों में कोहरा छाया रहा।

इंदौर में दूषित पानी से हाहाकार, अब तक 14 लोगों की मौत, 100 से ज्यादा की हालत गंभीर

इंदौर ,02 जनवरी (एजेंसी) । देश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर में दूषित पानी से मौतों का मामला लगातार बढ़ता जा रहा है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक अब तक दूषित पानी की वजह से सात मौतें हो चुकी हैं, लेकिन स्थानीय आंकड़े कुछ और ही हकीकत बयां कर रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इंदौर के भागीरथपुरा इलाके में उल्टी, दस्त और डायरिया की वजह से छह महीने के बच्चे समेत कुल 14 लोगों की जान जा चुकी है। दूषित पानी को पीने की वजह से 1300 से ज्यादा लोग अभी भी बीमार हैं, जबकि 100 से ज्यादा लोग अलग-अलग अस्पतालों में जिंदगी और मौत के बीच जंग लड़ रहे हैं।

मामले की गंभीरता और इस घटना में होने वाली मौतों को देखते हुए मध्य प्रदेश हाई कोर्ट की इंदौर पीठ ने सख्त रुख अपनाया है। दो जनहित याचिकाओं की सुनवाई के बाद कोर्ट ने सरकार से स्टेटस रिपोर्ट तलब की है। कोर्ट ने नगर निगम और राज्य सरकार को शुक्रवार तक विस्तृत स्टेटस रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए हैं। सरकार ने इस मामले पर कार्रवाई करते हुए अब तक नगर निगम के दो अधिकारियों को निलंबित कर दिया है जबकि एक अधिकारी को बर्खास्त कर दिया गया है। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने मामले की जांच के लिए एक कमिटी का गठन किया है और कहा है कि रिपोर्ट मिलने के बाद दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। वहीं महात्मा गांधी मेमोरियल मेडिकल कॉलेज की लैब में जांचे गए पानी के नमूनों की रिपोर्ट गुरुवार को स्वास्थ्य विभाग को मिल गई है।

धान तस्करी के अंतरराज्यीय संगठित गिरोह का राजफाश, 9 लोगों के खिलाफ कार्रवाई

अंबिकापुर,02 जनवरी (एजेंसी) । तीन राज्यों की सीमा से लगे बलरामपुर जिले में धान तस्करी के एक संगठित अंतरराज्यीय गिरोह का राजस्व एवं पुलिस बल ने राजफाश किया है। प्रकरण में कुल नौ लोगों के विरुद्ध अपराधिक प्रकरण दर्ज कर कार्रवाई की गई है। इनमें से चार लोगों को न्यायालय के आदेश पर जेल भेज दिया गया है। इसके पहले भी किसानों के नाम पर समर्थन मूल्य पर धान बिक्री करने वाले पिता-पुत्र को न्यायालय के आदेश पर जेल भेजा गया था। उनके पास के किसानों से जुड़े दस्तावेज तथा हस्ताक्षरित चेक जब्त किए गए थे।

अंतरराज्यीय धान तस्करी गिरोह को राजफाश करने का

सुराग एक पिकअप की जब्ती से मिला। पिक अप वाहन क्रमांक यूपी 64 सीटी 0199 को पकड़ा गया, जिसमें अवैध रूप से धान का परिवहन किया जा रहा था। पकड़े गए वाहन और उससे जुड़े व्यक्तियों से पूछताछ में उत्तर प्रदेश व छत्तीसगढ़ के कुल नौ लोगों की संलिप्तता सामने आई है।

इनमें उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले के थाना बभनी क्षेत्र अंतर्गत सागोबांध निवासी श्रवण कुमार (25), कृष्ण मोहन कुमार (19), विनय कुमार गुप्ता (20), राजदेव गुप्ता (34), राधेश्याम गुप्ता (30), सत्यदेव गुप्ता (50) और मनोज कुमार (21) शामिल हैं। वहीं छत्तीसगढ़ के थाना सनावल क्षेत्र के त्रिशुली निवासी विकाश (21) तथा जिला बलरामपुर-रामानुजगंज के पचावल निवासी विंध्याचल गुप्ता (42) की भी भूमिका पाई गई है।

धान तस्करी में मुख्य भूमिका पाए जाने पर श्रवण कुमार, कृष्ण मोहन कुमार और विकास कुमार के विरुद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है। वहीं इस अवैध कार्य में सहयोग करने वाले विनय गुप्ता, राजदेव गुप्ता, राधेश्याम गुप्ता और मनोज गुप्ता को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 170, 126 और 135(3) के तहत कार्रवाई करते हुए जेल भेज दिया गया है।

मुंबई, हावड़ा, पुणे, अहमदाबाद की ट्रेनों की लेटलतीफी से छत्तीसगढ़ के यात्री परेशान

रायपुर,02 जनवरी (एजेंसी) । देश के सबसे पुराने रेल रूटों में से एक हावड़ा और मुंबई के बीच रेलगाड़ियां रेंग रही हैं। हालत ऐसी हो गई है कि इस रूट पर चलने वाली सभी आठ गाड़ियां औसतन पांच से आठ घंटे की देरी से चल रही हैं। कभी-कभी तो यह देरी 12-12 घंटे की हो जा रही है। गुरुवार को भी छत्रपति शिवाजी टर्मिनस-हावड़ा के बीच चलने वाली दुरंतो एक्सप्रेस 13 घंटे देरी से चली। यही हाल इस रूट की अन्य ट्रेनों का भी है।

ट्रेनों की लेटलतीफी के कारण राजधानी से मुंबई, हावड़ा, पुणे, अहमदाबाद जैसे शहरों के लिए जाने वाले यात्री परेशान हो रहे हैं। रेलवे सूत्रों के

अनुसार रायगढ़ से आगे ईब और झारसुगुड़ा के बीच चौथी रेल लाइन के निर्माण और शुरू होने में देरी के कारण ट्रेनों की समय सारिणी प्रभावित हुई हैं।

ईब से लेकर झारसुगुड़ा के बीच चौथी लाइन शुरू हो तो बने काम-रेलवे सूत्रों के अनुसार बिलासपुर से झारसुगड़ा के बीच 206 किलोमीटर के रेलखंड पर अगस्त तक 150 किलोमीटर चौथी लाइन का काम पूरा हो गया था। ईब से लेकर झारसुगुड़ा के बीच चौथी लाइन का काम पूरा होने, उसे सुरक्षा आयुक्त की मंजूरी मिलने और संचालन शुरू होने से इस रूट पर ट्रेनों की समय सारिणी सुधरेगी। जब तक ऐसा नहीं होता है, तब तक यात्रियों को परेशानी उठानी पड़ेगी।

वाह वाह

०० काका को रात में 12 बजे एक लड़की का फोन आता है...!

काका- हेलो कौन...?

लड़की- हम तेरे बिन अब रह नहीं सकते, तेरे बिना क्या वजूद मेरा...!

काका (खुश होकर) - कौन हैं आप...?

लड़की- तुझसे जुदा अगर हो जायेंगे तो खुद से भी हो जाएंगे जुदा..!

खुशी के मारे काका की आंखों में पानी आ गया, वो बोले- तुम सच में मुझसे शादी करोगी...?

लड़की- इस गाने को अपनी कॉलर ट्यून बनाने के लिए 8 दबाएं...!

राजभाषा संसदीय समिति के निरीक्षण में क्षेत्रीय पत्र सूचना कार्यालय रायपुर को संतोषजनक कार्य का प्रमाणपत्र

रायपुर,02 जनवरी (एजेंसी)। राजभाषा हिंदी के प्रभावी कार्यान्वयन और निर्धारित मानकों के अनुरूप कार्य करने के लिए पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी), क्षेत्रीय कार्यालय, रायपुर को राजभाषा संसदीय समिति के निरीक्षण के उपरांत संतोषजनक कार्य करने का प्रमाणपत्र प्रदान किया गया है। यह उपलब्धि पत्र सूचना कार्यालय द्वारा भारत सरकार की राजभाषा नीति के सफल क्रियान्वयन, हिंदी के व्यापक प्रयोग तथा सरकारी संचार को जनसामान्य के लिए अधिक सहज एवं प्रभावी बनाने के सतत प्रयासों का परिणाम है।

राजभाषा संसदीय समिति द्वारा किए गए इस निरीक्षण के दौरान पत्र सूचना कार्यालय में राजभाषा हिंदी के प्रयोग की समग्र समीक्षा की गई। समिति ने कार्यालयीन पत्राचार, प्रशासनिक एवं तकनीकी कार्यों, प्रेस विज्ञप्तियों, प्रकाशनों, डिजिटल एवं सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर हिंदी के प्रयोग, द्विभाषी व्यवस्था के अनुपालन तथा राजभाषा अधिनियम एवं नियमों के पालन की विस्तार से जांच की। निरीक्षण के उपरांत समिति ने यह पाया कि पत्र सूचना कार्यालय द्वारा राजभाषा से संबंधित सभी निर्देशों का गंभीरता एवं प्रतिबद्धता के साथ पालन किया जा रहा है।

इस अवसर पर रायपुर में आयोजित संसदीय राजभाषा दूसरी उपसमिति की समीक्षा बैठक में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की ओर से संयुक्त सचिव आर. के. जेना तथा उप निदेशक तरुण कुमार उपस्थित रहे। पत्र सूचना कार्यालय, रायपुर की ओर से अपर महानिदेशक डॉ. संजय रॉय तथा उपनिदेशक रमेश जायभाये ने बैठक में सहभागिता की। पत्र सूचना कार्यालय मुख्यालय, नई दिल्ली की ओर से राजभाषा का कार्यभार संभाल रहीं उपनिदेशक श्रीमती रेखा रानी सूर्य बैठक में उपस्थित रहीं।

अपर महानिदेशक डॉ. संजय रॉय ने बताया कि राजभाषा हिंदी केवल एक औपचारिक दायित्व नहीं, बल्कि जनसंचार का सशक्त माध्यम है। पत्र सूचना कार्यालय का प्रयास है कि केंद्र सरकार की योजनाओं, नीतियों और कार्यक्रमों से संबंधित सूचनाएं सरल, सहज और प्रभावी हिंदी में अधिकतम लोगों तक पहुंचें।

उपनिदेशक श्री रमेश जायभाये ने राजभाषा के प्रभावी उपयोग के लिए कार्यालय द्वारा किए जा रहे सतत प्रयासों एवं नवाचारों की जानकारी दी।

संयुक्त सचिव आर. के. जेना ने पत्र सूचना कार्यालय द्वारा राजभाषा के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि राजभाषा के सफल कार्यान्वयन में पीआईबी की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है और यह कार्यालय सरकारी संचार को जनोन्मुखी बनाने में प्रभावी योगदान दे रहा है।

इस निरीक्षण से पूर्व राजभाषा संसदीय समिति को सौंपे जाने वाले अभिलेखों एवं रिपोर्ट तैयार करने में पत्र सूचना कार्यालय मुख्यालय, नई दिल्ली से श्री प्रदीप कुमार, सहायक निदेशक, एवं श्री राजीव कुमार कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी का महत्वपूर्ण सहयोग रहा। वहीं पत्र सूचना कार्यालय, रायपुर के कार्यालय से आशुलिपिक श्री परमानंद साहू ने भी राजभाषा से संबंधित दस्तावेजों एवं रिपोर्ट तैयार करने में सहयोग प्रदान किया। निरीक्षण एवं बैठक के उपरांत राजभाषा संसदीय समिति द्वारा संतोषजनक कार्य का प्रमाणपत्र प्रदान किए जाने पर पत्र सूचना कार्यालय मुख्यालय, नई दिल्ली की ओर से राजभाषा का कार्यभार संभाल रहीं उपनिदेशक श्रीमती रेखा रानी सूर्य ने प्रसन्नता व्यक्त की और इसे संगठन के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के सामूहिक प्रयासों का परिणाम बताया।

राजभाषा संसदीय समिति से प्राप्त यह प्रमाणपत्र पत्र सूचना कार्यालय के लिए गौरव का विषय है और यह उपलब्धि भविष्य में भी राजभाषा हिंदी के अधिक व्यापक, सशक्त और प्रभावी प्रयोग के लिए प्रेरणा प्रदान करती रहेगी।

पूजन-वंदन व पर्यावरण संरक्षण के संकल्प के साथ नववर्ष अभिनंदन

कोरबा (छ.ग.गौरव)। गुरुवार को जहां हर किसी ने अपनी-अपनी प्लानिंग के साथ न्यू ईयर सेलिब्रेट किया, कमला नेहरु महाविद्यालय में एक नई परंपरा की शुरुआत कर एक नए अंदाज में नववर्ष का स्वागत किया गया। एक जनवरी की सुबह प्रवेश द्वार पर स्थित मंदिर में सर्वप्रथम मां सरस्वती का पूजन-वंदन किया गया। प्रथम पूज्य गणपति व देवों की आराधना करते हुए भक्ति गीत गाए गए। उसके बाद समस्त शैक्षणिक व अशैक्षणिक कर्मचारियों ने गीत-संगीत के साथ नववर्ष का अभिनंदन किया।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ प्रशांत बोपापुरकर के मार्गदर्शन में यह आयोजन संपन्न हुआ। प्रथम पाली की परीक्षा उपरांत कार्यक्रम पूजा-पाठ के साथ प्रारंभ हुआ। सभी ने मिलकर आरती गाई, भजन गाया और ईश्वर से वर्ष 2026 में नई सफलताओं का आशीर्वाद मांगा। प्रसाद ग्रहण कर एक-दूसरे को शुभकामनाएं प्रेषित की गई। पौधरोपण कर प्रकृति और पर्यावरण संरक्षण में योगदान का संकल्प लिया गया। इसके उपरांत महाविद्यालय प्रांगण में संगीत की धुन पर प्राचार्य डॉ बोपापुरकर समेत प्राध्यापक-कर्मियों ने अपनी-अपनी मधुर आवाज में मनपसंद गीतों की प्रस्तुति दी। कराओके पर सोलो व सामुहिक गीतों के बीच नृत्य की मोहक प्रस्तुति ने सभी को आनंदित किया। कार्यक्रम के अंत में प्रीति भोज भी रखा गया था। प्राचार्य डॉ बोपापुरकर ने सभी को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि आज जिस अंदाज में वर्ष के पहले दिन का खूबसूरत मुखड़ा पेश हुआ है, आने वाला पूरा साल मंगलमय और नई उपलब्धियों से परिपूर्ण होगा। महाविद्यालय में शिक्षा दीक्षा के बेहतर आयाम स्थापित करने हम सभी मिलकर प्रयास करेंगे। गीत स्पर्धा में हिंदी के सहायक प्राध्यापक टीव्ही नरसिम्हम एवं बीएड की सहायक प्राध्यापक श्रीमती प्रीति द्विवेदी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम का संचालन अंग्रेजी के विभागाध्यक्ष ब्रिजेश तिवारी एवं अर्थशास्त्र के सहायक प्राध्यापक वायके तिवारी ने किया।

नया साल में बदले गए थाना चौकी प्रभारी

4 निरीक्षक, 2 उप निरीक्षक और 3 सहायक उप निरीक्षकों का तबादला

कोरबा (छ.ग.गौरव)। जिले में कानून-व्यवस्था को और अधिक मजबूत करने के उद्देश्य से कोरबा पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी ने नए साल के पहले दिन बड़ा प्रशासनिक कदम उठाया है। एसपी ने 4 निरीक्षक, 2 उप निरीक्षक और 3 सहायक उप निरीक्षकों सहित कुल 9 पुलिस अधिकारियों का तबादला आदेश जारी किया है। इस फेरबदल को पुलिसिंग में कसावट और कार्यप्रणाली में सुधार के तौर पर देखा जा रहा है।

जारी आदेश के अनुसार कुसमुंडा थाना प्रभारी निरीक्षक युवराज तिवारी को बालको थाना का नया प्रभारी नियुक्त किया गया है। वहीं हरदीबाजार थाना प्रभारी निरीक्षक मृत्युंजय पांडेय को कुसमुंडा थाना की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसी क्रम में सिविल लाइन रामपुर थाना प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार डनसेना को हरदीबाजार थाना का इंचार्ज बनाया गया है। इसके अलावा पुलिस लाइन में पदस्थ उप निरीक्षक परमेश्वर राठौर को पुलिस सहायता केंद्र मानिकपुर का प्रभारी नियुक्त किया गया है। अन्य उप निरीक्षक और सहायक उप निरीक्षकों के भी कार्यक्षेत्र बदले गए हैं, जिससे मैदानी स्तर पर पुलिसिंग को और प्रभावी बनाया जा सके। एसपी सिद्धार्थ तिवारी के इस फैसले को पुलिस महकमे में नए साल की सख्त लेकिन सकारात्मक शुरुआत के रूप में देखा जा रहा है। जिलेवासियों को उम्मीद है कि इस बदलाव का सीधा लाभ कानून-व्यवस्था और सुरक्षा व्यवस्था पर दिखाई देगा।

नोटिस प्रकरणों में दस्तावेज अपलोड एवं सत्यापन सुनिश्चित किए जाने के सम्बंध में निर्देश जारी

कोरबा (छ.ग.गौरव)। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी रायपुर के जारी निर्देशो के परिपालन में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी कुणाल दुदावत के निर्देशन में उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने चारों विधानसभा के सभी निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं अतिरिक्त सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी को एसआईआर मॉड्यूल- डिस्पोजल ऑफ हियरिंग के अंतर्गत नोटिस प्रकरणों में दस्तावेज अपलोड एवं सत्यापन सुनिश्चित किए जाने के सम्बंध में निर्देश दिए है। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि एसआईआर मॉड्यूल- डिस्पोजल ऑफ हियरिंग के अंतर्गत सभी नो मैपिंग प्रकरणों के लिए नोटिस जनरेट करने की सुविधा ईआरओ/एईआरओ लॉग इन में उपलब्ध कराई गई है। उन्होंने बताया कि इन सभी प्रकरण की सुनवाई किया जाना अनिवार्य है, सुनवाई हेतु एसआईआर मॉड्यूल में ऐसे प्रकरणों जिनके लिए नोटिस जनरेट किए जा चुके है वे सभी प्रकरण संबंधित ईआरओ/एईआरओ लॉग इन में एसआईआर मॉड्यूल डिस्पोजल ऑफ हियरिंग टाइटल अंतर्गत प्रदिर्शत होगें। उन्होंने सर्व सबंधितो को इस सम्बंध में आयोग द्वारा जारी दिशा निर्देश के तहत कार्यवाही सुनिश्चित करने निर्देशित किया है।

आज सुरक्षित तो आने वाले कल भी सुरक्षित- डिंपल

कोरबा (छ.ग.गौरव)। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोरबा जिला कोरबा के निर्देशानुसार 01 जनवरी 2026 को बालिका गृह आई.टी.आई.रामपुर में **Potect Today, Secure Tommorrow** शीर्षक पर पर्यावरण संरक्षण के संबंध में आयोजित विधिक जागरूकता शिविर में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोरबा के द्वारा अपने उद्बोधन में कहा कि 'पर्यावरण' पृथ्वी के चारों ओर से ढकी एक मोटी चादर के समान है, जो पृथ्वी पर जीवन की रक्षा करता है। साथ-साथ जीवन जीने के लिए आवश्यक तत्व को बनाए रखने में मदद करता है। पर्यावरण संरक्षण मानवता की जिम्मेदारी है, प्रदूषण को कम करने और प्राकृतिक संसाधनों का सही तरीके से उपयोग करने की आवश्यकता है, ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाने के लिए प्रेरित किया गया व उनकी देखभाल करने के संबध में प्रेरित किया गया, पानी को व्यर्थ ना करें और उसे बचाने के तरीके अपनाये, हम सभी को अपने दैनिक जीवन में छोटे-छोटे बदलाव करके पर्यावरण को बचाने में मदद करनी चाहिए क्यूंकि हमारा भविष्य इसी पर निर्भर करता है। उक्त शिविर में बालिका गृह के अधिक्षिका व समस्त कर्मचारी सहित लगभग 44 बच्चे उपस्थित रहे।

राशिफल

मेष राशि: नया साल आपके लिए धन संबंधी मामलों में अच्छा रहेगा। आर्थिक क्षेत्र में किए गए सकारात्मक प्रयास अनुकूल परिणाम देंगे। इस साल वाहन या मकान भी खरीदने संभावना बन सकती है। सामाजिक या कार्यक्षेत्र में इष्ट मित्रों की सहायता से मुश्किलें कम होंगी।

वृष राशि: आपके लिए नए साल का पहला दिन मिले-जुले अनुभव लेकर आया है। आप अपनी बुद्धि और विवेक से कार्य क्षेत्र में मनचाहा परिणाम प्राप्त करेंगे। व्यापारियों को व्यवसाय में लाभ के योग हैं।

मिथुन राशि: आपको अनावश्यक और तनाव पूर्ण बातों से दूर रहना चाहिए। बच्चों की शिक्षा के संबंध में यात्रा भी करनी पड़ सकती है। इस सिलसिले में कहीं न कहीं भाग-दौड़ बनी रहेगी।

कर्क राशि: नववर्ष आपके लिए अत्यन्त सुखद रहने वाला है। आपकी किस्मत पलट सकती है। अगर आप सरकारी नौकरी पेशा हैं, किसी प्राइवेट सेक्टर में कार्यरत हैं या फिर व्यावसायिक हैं, इस साल कहीं दूरस्थ यात्रा पर जाने के योग हैं।

सिंह राशि: आपके लिए दिन मिला-जुला रह सकता है। कार्य-क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्यों में संघर्ष की स्थिति बन सकती है परन्तु अपनी सूझबूझ से काम को पूरा कर लेंगे, जिससे आनंद की प्राप्ति होगी। आर्थिक दृष्टि से यह साल आपके अनुकूल रहेगा।

कन्या राशि: यह साल आपके जीवन में समृद्धि लेकर आया है। भाग्य का पूरा साथ आपको मिलेगा। नौकरी या व्यवसाय में जिस भी काम को आगे बढ़ाने की योजना बनाएंगे उसमें आपको सफलता हासिल होगी।

तुला राशि: आपके जीवन के अधिकांश क्षेत्रों में नववर्ष सकारात्मक रहेगा। सरकारी या प्राइवेट सेक्टर में काम कर रहे जातकों के लिए तरक्की के लिए मार्ग प्रशस्त होंगे। आपके मान-सम्मान में वृद्धि होगी।

वृश्चिक राशि: इस साल आपको भाग्य का अच्छा साथ मिलने वाला है। आप अपने ज्यादातर कार्य सफलतापूर्वक संपन्न करेंगे। आपके प्रेम संबंधों में प्रगाढ़ता आएगी और आप अपने लवलाइफ के साथ अच्छा समय व्यतीत करेंगे। इस राशि के व्यापारियों के लिए यह साल अच्छा है।

धनु राशि: आपके लिए नया साल अच्छे फल प्रदान करने वाला साबित होगा। आपके साहस और पराक्रम में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का निराकरण होगा। आपको अपने कार्यक्षेत्र से अच्छी खबर मिलेगी। विदेश या छोटी दूरी की यात्रा की योजना बन सकती है।

मकर राशि: आपकी आमदनी बढ़ेगी के लिए यह साल शानदार रहने वाला है। जो लोग नौकरीपेशा हैं उन्हें नौकरी में और जो स्वयं का व्यापार करते हैं उन्हें व्यवसाय में बेशुमार लाभ के योग की संभावना है। यह आपके जीवन में बदलाव देखने लेकर आने वाला है। इस साल आपको आजीविका से संबंधित आय के नए स्रोत भी मिल सकते हैं, जिससे आपकी आमदनी बढ़ेगी और भविष्य के लिए संचय भी कर सकते हैं।

कुम्भ राशि: यह साल आपके लिए मनोवांछित सफलता दिलाने वाला साल रहेगा। व्यवसाय के क्षेत्र में प्रगति के संकेत हैं। वांछित सफलता प्राप्त करने के लिए आप अपने बड़ों से सलाह और सहयोग ले सकते हैं। नौकरी से जुड़े लोग ईमानदारी से तथा मन लगाकर काम करेंगे। पदोन्नति के योग बन रहे हैं। मित्रों के साथ आप कहीं घूमने-फिरने जाएंगे, इससे संबंध प्रगाढ़ होंगे।

मीन राशि: यह साल आपके लिए कुछ खट्टे कुछ मीठे अनुभव लेकर आएगा। आपका संपर्क नए व्यक्तियों से हो सकता है, जिनकी मदद से व्यवसाय में लाभ होगा। नौकरी कर रहे लोगों को अविश्वसनीय रूप से सफलता मिल सकती है। इस राशि के जातकों की आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। लेकिन अचानक कुछ समस्याएं सामने आने से खर्च बढ़ सकता है। प्रेमी युगलों के लिए भी दिन अच्छा है।

11 वीं की छात्रा कुमारी सृष्टिकांत ने बढ़ाया जिले का मान

राज्य स्तरीय युवा महोत्सव में नवाचार विज्ञान मॉडल पर हासिल किया प्रथम स्थान

कोरबा (छ.ग.गौरव)। प्रयास आवासीय विद्यालय डिंगापुर में 11 वीं की छात्रा कुमारी सृष्टिकांत ने राज्य स्तरीय युवा महोत्सव में नवाचार विज्ञान मॉडल बनाकर प्रथम स्थान प्राप्त कर जिले का मान बढ़ाया। इस कार्य के लिए उन्हें राज्यपाल द्वारा सम्मानित किया गया है।

बिलासपुर स्थित स्टेडियम में राज्य स्तरीय युवा महोत्सव 2025 का आयोजन किया गया। जिसमें कोरबा के 18 विधाओं में चयनित विद्यार्थियों /प्रतिभागियों की टीम भी हिस्सा बनी । जिसमें तीन विधाओं क्रमशः नवाचार विज्ञान मॉडल, एकांकी नाटक ,छत्तीसगढ़ी वेशभूषा विषय पर शासकीय प्रयास आवासीय विद्यालय कोरबा की 13 सदस्य टीम ने भी भाग लिया।

नवाचार विज्ञान मॉडल **Electrostatic precipitator based Air purification using Activated carbon** विषय पर कुमारी सृष्टिकांत कक्षा ग्यारहवीं द्वारा तैयार किए गए विज्ञान मॉडल को राज्य स्तरीय युवा महोत्सव में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ । इस शानदार उपलब्धि के लिए छात्रा कुमारी सृष्टिकांत को महामहिम राज्यपाल श्री रमेन डेका के करकमलों से सम्मानित किया गया।

जिले में किसानों से 1146650 क्विंटल धान की हुई खरीदी

कोरबा (छ.ग.गौरव)। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा खरीफ वर्ष 2025-26 में जिले के 65 धान उपार्जन केन्द्रों में किसानों से धान की खरीदी की जा रही है। शासन द्वारा समर्थन मूल्य पर धान खरीदी होने से किसानों में हर्ष व्याप्त है। धान खरीदी केंद्रों में जिला प्रशासन द्वारा किसानों की उपज खरीदी के लिए ऑनलाइन टोकन वितरण, बारदाने की उपलब्धता, इलेक्ट्रॉनिक तौल मशीन से तौलाई, शीघ्रता से भुगतान आदि की समुचित व्यवस्था की गई है। जिले में 52 हजार से अधिक किसान धान विक्रय के लिए पंजीकृत है। जिले में 01 जनवरी 2026 शाम 06 बजे तक की स्थिति में 1146650.00 क्विंटल गुणवत्तायुक्त धान पंजीकृत किसानों से खरीदी की गई है। जिला प्रशासन द्वारा समितियों से धान का उठाव भी शीघ्रता से कराया जा रहा है। कोरबा जिले में अब तक 822484 क्विंटल धान का उठाव हो चुका है। जिला प्रशासन द्वारा हाथी प्रभावित क्षेत्रों एवं संवदेनशील धान खरीदी केन्द्रो से प्राथमिकता से धान का उठाव किया जा रहा है। जिससे किसानों को धान बेचने में परेशानी न हो। साथ ही किसानो की सुविधा को ध्यान में रखते हुए संग्रहण केन्द्रों की व्यवस्था एवं समितियों में धान की स्टैकिंग कराकर स्थान बनाया गया है।

महापौर ने दिव्यांग रतिराम, यूनोर्स व दिलीप को प्रदान की ट्रायसिकल

कोरबा (छ.ग.गौरव)। महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत ने नगर पालिक निगम केरबा क्षेत्रांतर्गत गोपालपुर बस्ती निवासी रतिराम चौहान, रामपुर निवासी यूनोर्स राज व राताखार निवासी दिलीप कुमार को इलेक्ट्रिक ट्रायसिकल प्रदान की, उन्होने उन्हें अपनी शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। इस मौके पर वरिष्ठ पार्षद अशोक चावलानी, वरिष्ठ नेत्री रूकमणी नायर, उपायुक्त बी.पी.त्रिवेदी, समाज कल्याण विभाग के अधिकारी हरिश सक्सेना, निगम सचिव रामेश्वर सिंह कंवर, मनोज राजपूत आदि उपस्थित थे।

नगर पालिक निगम केरबा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली गोपालपुर निवासी रतिराम चौहान व रामपुर निवासी यूनोर्स राज पैरो से दिव्यांग हैं तथा उन्हें कहीं भी आने जाने में परेशानी का सामना करना पड़ता है, आज निगम के मुख्य प्रशासनिक भवन साकेत परिसर में महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत ने श्री चौहान व श्री राज को इलेक्ट्रिक ट्रायसिकल प्रदान की। इस मौके पर महापौर श्रीमती राजपूत ने इन दिव्यांग हितग्राहियों को अपनी शुभकामनाएं दी तथा उनके स्वस्थ जीवन की कामना की। वहीं हितग्राही रतिराम चौहान, यूनोर्स राज व दिलीप कुमार ने महापौर श्रीमती राजपूत के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उन्हें धन्यवाद दिया तथा कहा कि इलेक्ट्रिक ट्रायसिकल प्राप्त हो जाने के कारण अब हमें कहीं भी आने जाने में किसी प्रकार की असुविधा व परेशानी नहीं होगी।

गुरसिया जर्जर पुल मार्ग पर हादसा, युवक की मौत

कोरबा (छ.ग.गौरव)। गुरुवार देर रात बांगो थाना क्षेत्र अंतर्गत पोड़ी-उपरोड़ा क्षेत्र में तान नदी पर बने गुरसिया जर्जर पुल पर दर्दनाक हादसे में पुरानी बस्ती कोरबा के युवक की मौत हो गई। उसके दो साथी हादसे में घायल हुए हैं।

जानकारी के मुताबिक वार्ड 5 देवांगन पारा निवासी पान व्यवसायी सुरेश कुमार श्रीवास का युवा पुत्र प्रकाश श्रीवास उम्र लगभग 21 वर्ष गुरुवार को अपने दो अन्य मित्रों के साथ बाइक पर सवार होकर परला जा रहा था। गुरसिया मार्ग से गुजरते वक्त काफी जर्जर और गड्ढों से युक्त पुल पर वह हादसे का शिकार हो गया।

बताया जा रहा है कि जर्जर पुल से गुजरने के दौरान गड्ढों से बचते हुए निकलते समय इनकी स्कूटी गड्ढे में पड़ गई और संतुलन बिगड़ने के साथ ही स्कूटी सहित युवक पुल की रेलिंग से टकरा गए। हादसे में गंभीर घायल प्रकाश श्रीवास और उसके साथी सड़क पर पड़े रहे। डायल 112 को रात में सूचना मिली कि 3 लोग सड़क पुल पर घायल पड़े हैं। जब पुलिस पहुंची तो मौके पर एक ही युवक प्रकाश मिला, जिसे अस्पताल पहुंचाया गया। परीक्षण उपरांत चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया लेकिन शिनाख्त नहीं हो पाने के कारण पुलिस पहचान का प्रयास करती रही। दुर्घटना में प्रकाश के 2 अन्य साथी भी घायल हो गए। इस हादसे के बाद दोनों युवक गुरसिया में ही रुक गए और न तो पुलिस और न परिजन को सूचना दी गई। दूसरी तरफ बांगो पुलिस ने मृतक के पास से मिले मोबाइल को अपने पास रखा जिसमें आज सुबह फोन आने पर पुलिस के द्वारा घटना के संबंध में बताया गया और इस तरह जानकारी मृतक के परिजन तक पहुंची। प्रकाश की मौत की खबर से परिजनों में कोहराम मच गया व शोक व्याप्त है। इसी तरह घायल युवकों ने सुबह कोरबा निवासी अपने परिजन से संपर्क किया और घटना की जानकारी देने के बाद प्रकाश के परिजन को बताने के लिए कहा। हादसे की जानकारी होते ही बांगो थाना प्रभारी निरीक्षक दुर्गेश वर्मा ने आवश्यक कार्रवाई पूरी की। शव को पोड़ी उपरोड़ा सीएचसी की मर्चुयरी में रखवाया गया। सूचना उपरांत प्रकाश के परिजन बांगो थाना पहुंचे। बताया गया कि अनमोल गोस्वामी परला निवासी कोरबा आया था एवं देवांगन पारा कोरबा का निवासी हरि गोस्वामी का ससुराल ग्राम परला में है। प्रकाश श्रीवास इनका मित्र था। कल रात तीनों एक स्कूटी पर सवार होकर परला जा रहे थे। स्कूटी हरि की थी जिसे प्रकाश चला रहा था। परला में अनमोल को घर छोड़ना था और आज प्रकाश व हरि वापस कोरबा लौटते कि इससे पहले हादसा हो गया।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने नई दिल्ली में पार्टी मुख्यालय इंदिरा भवन में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि दी।

कांग्रेस पार्लियामेंट्री पार्टी की चेयरपर्सन सोनिया गांधी ने नई दिल्ली में पार्टी मुख्यालय इंदिरा भवन में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि दी।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, दिल्ली के मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा और भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज के साथ, नई दिल्ली के त्यागराज स्टेडियम में प्रधान मंत्री उज्ज्वला योजना के तहत गैस कनेक्शन वितरित करती हैं।

सोशल एक्टिविस्ट योगिता भयाना ने कांग्रेस नेता मुमताज पटेल और महिला एक्टिविस्ट्स के साथ मिलकर, उन्नाव रेप केस में दोषी पाए गए पूर्व बीजेपी विधायक कुलदीप सेंगर की जेल की सज़ा सस्पेंड किए जाने के खिलाफ नई दिल्ली में दिल्ली हाई कोर्ट के बाहर विरोध प्रदर्शन किया।

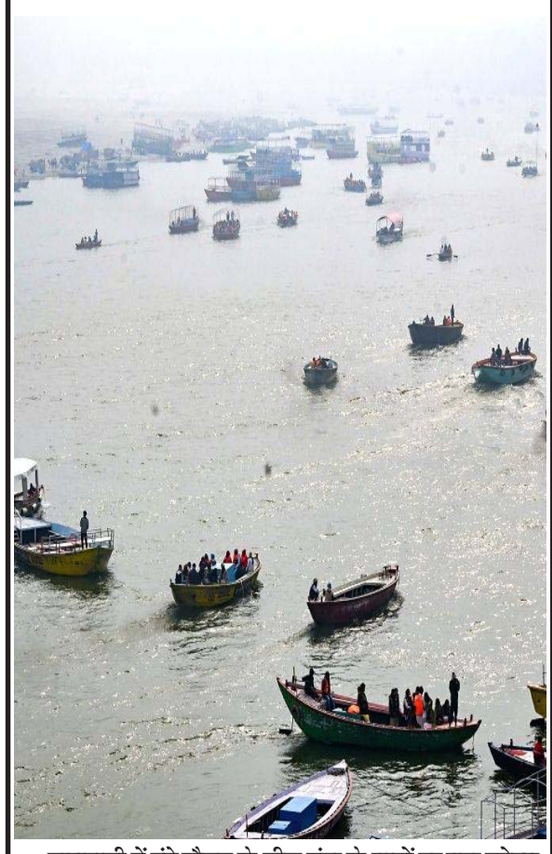

वाराणसी में ठंडे मौसम के बीच गंगा के घाटों पर घना कोहरा छा जाने से पर्यटक नाव की सवारी कर रहे हैं।

लखनऊ में बीजेपी मुख्यालय के बाहर, बीजेपी अल्पसंख्यक मोर्चा के एक सदस्य ने बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों के खिलाफ कथित अत्याचारों को लेकर प्रदर्शन किया।

बालेन शाह बने नेपाल में प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार, आम चुनाव के लिए आरएसपी के साथ हुआ समझौता

काठमांडू 02 जनवरी (एजेंसी) । नेपाल में हुए जेन जी के प्रदर्शनों को बालेन शाह ने समर्थन दिया था। हालांकि, उन्होंने जेन जी प्रदर्शनकारियों से हिंसा से दूर रहने की अपील की थी। बालेंद्र शाह जेन जी में काफी लोकप्रिय है।

काठमांडू महानगरपालिका के मेयर बलेंद्र शाह, जिन्हें लोकप्रिय रूप से बालेन के नाम से जाना जाता है, को रविवार को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार नामित किया गया, क्योंकि उन्होंने और राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) ने 5 मार्च को होने वाले नेपाल चुनावों में संयुक्त रूप से चुनाव लड़ने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए।रात भर चली लंबी बातचीत के बाद हुए सात सूत्रीय समझौते के तहत 35 वर्षीय बालेन को संसदीय दल का नेता और प्रधानमंत्री पद का चेहरा नामित किया गया। वहींस रबी लामिछाने भंग हो चुकी प्रतिनिधि सभा में चौथी सबसे बड़ी पार्टी, ऋस्क्कके अध्यक्ष के रूप में बने रहेंगे। समझौते के अनुसार बालेन और उनका समूह चुनाव आयोग की ओर से दिए गए आरएसपी के चुनाव चिन्ह 'घंटी' पर चुनाव लड़ेगा। बालेन की ओर से अपनी टीम का आरएसपी में विलय करने पर सहमति जताने के बाद पार्टी का नाम, झंडा और चुनाव चिन्ह अपरिवर्तित रहेंगे।

समझौते के बाद लामिछाने ने कहा कि आम सहमति में व्यक्तिगत नेताओं की महत्वाकांक्षाओं के बजाय देश की जरूरतों को ध्यान में रखा जाना चाहिए। उन्होंने रविवार सुबह फेसबुक पोस्ट में ये बातें साझा कीं। समझौते में कहा गया है कि दोनों पक्षों ने भ्रष्टाचार और कुशासन के खिलाफ युवा पीढ़ी की ओर से शुरू किए गए आंदोलन की जिम्मेदारी ली है। आंदोलन के दौरान घायल हुए लोगों सहित जेनरेशन जेड के प्रदर्शनकारियों की उठाई गई मांगों

को पूरा करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की है।

पर्यवेक्षकों का मानना है कि यह समझौता उन उभरती हुई युवा नेतृत्व वाली राजनीतिक ताकतों को एकजुट करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिन्होंने सितंबर आंदोलन का नेतृत्व किया था, जिसके कारण केपी शर्मा ओली के नेतृत्व वाली सरकार गिर गई थी। इस समझौते के बाद, बड़ी संख्या में जनरेशन जेड के समर्थकों के आरएसपी में शामिल होने की उम्मीद है। ऊर्जा और जल संसाधन मंत्री कुलमान घिसिंग के नेतृत्व वाली एक अन्य नवगठित उज्यालो नेपाल पार्टी (यूएनपी), जिसने एकता और सहयोग पर बालेन के साथ कई दौर की बातचीत की है, ने अभी तक गठबंधन में शामिल होने के बारे में कोई निर्णय नहीं सुनाया है।

भारत के खातिर अपने ही मंत्री से भिड़े न्यूजीलैंड के पीएम, बोले- 'हर हाल में चाहिए एफटीए !'

वेलिंगटन (एजेंसी)। भारत और न्यूजीलैंड के बीच हुए मुक्त व्यापार समझौते को लेकर न्यूजीलैंड की राजनीति में भूचाल आ गया है। एक तरफ जहां न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने शनिवार को इस समझौते का जोरदार स्वागत करते हुए इसे अपनी सरकार की एक ऐतिहासिक उपलब्धि करार दिया है, वहीं दूसरी तरफ उनकी ही सरकार के विदेश मंत्री और गठबंधन सहयोगी विंस्टन पीटर्स ने इस डील के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। प्रधानमंत्री लक्सन ने गर्व के साथ कहा कि उन्होंने अपने पहले कार्यकाल में भारत के साथ एफटीए करने का जो वादा जनता से किया था, उसे पूरा कर दिया है। उनका मानना है कि यह समझौता 1.4 अरब भारतीय उपभोक्ताओं के विशाल बाजार के दरवाजे न्यूजीलैंड के लिए खोलेगा, जिससे देश में रोजगार, आय और निर्यात में भारी वृद्धि होगी।हालांकि, इस समझौते की गूंज ने न्यूजीलैंड की गठबंधन सरकार के भीतर गहरे मतभेद उजागर कर दिए हैं। विदेश मंत्री और 'न्यूजीलैंड फर्स्ट' (हैंस्न) पार्टी के नेता विंस्टन पीटर्स ने इस समझौते को सिरे से खारिज करते हुए इसे न तो मुक्त और न ही निष्पक्ष बताया है। पीटर्स ने आरोप लगाया कि इस डील में गुणवत्ता से समझौता कर रफ्तार को प्राथमिकता दी गई है। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि उनकी पार्टी ने पहले ही चेतावनी दी थी कि भारत के साथ जल्दबाजी में कोई कमजोर समझौता न किया जाए। उन्होंने यह भी खुलासा किया कि उन्होंने भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर के समक्ष अपनी पार्टी की चिंताएं व्यक्त कर दी हैं, हालांकि वे उनका पूरा सम्मान करते हैं।इस सियासी टकराव के केंद्र में न्यूजीलैंड का प्रमुख डेयरी उद्योग और वीजा नियम हैं। विदेश मंत्री पीटर्स का आरोप है कि इस समझौते के तहत न्यूजीलैंड ने भारत के लिए अपने बाजार तो खोल दिए, लेकिन बदले में भारतीय बाजार में उनके डेयरी उत्पादों जैसे दूध, पनीर और मक्खन पर टैरिफ में कोई ठोस रियायत नहीं

बांग्लादेश की राजनीति में जैमा रहमान की एंट्री, बताया जा रहा अगली खालिदा जिया

ढाका 02 जनवरी (एजेंसी) । जैमा रहमान को बांग्लादेश की नई राजनीति का प्रतीक माना जा रहा है। लंदन में पली-बढ़ी और वकालत कर चुकीं जैमा रहमान बीएनपी के मुखिया तारिक रहमान की बेटी हैं और उन्हें पार्टी की अगली नेता के तौर पर देखा जा रहा है।

बांग्लादेश की राजनीति में एक नए खिलाड़ी की एंट्री हो गई है और वो हैं जैमा रहमान। जैमा बीएनपी के मुखिया तारिक रहमान की इकलौती बेटी हैं, जो हाल ही में अपने पिता के साथ लंदन से ढाका लौटी हैं। जैमा ने हाल ही में अपने एक फेसबुक पोस्ट में लिखा कि 'मैंने अपनी जड़ों को सहेज कर रखना और उन्हें संजोना कभी नहीं भूला।' अब

जैमा उन्हीं जड़ों से जुड़ने बांग्लादेश लौटी हैं। जैमा ने लंदन में वकालत की पढ़ाई की है।

बीते शुक्रवार को बीएनपी के नेता तारिक रहमान निर्वासन में 17 साल लंदन में बिताने के बाद बांग्लादेश लौटे।इस दौरान जैमा की तस्वीरें भी लंदन से लेकर ढाका हवाई अड्डे तक खूब वायरल हुईं। माना जा रहा है कि जैमा बीएनपी के लिए युवा मतदाताओं को लुभा सकती हैं। बीएनपी पर भ्रष्टाचार, आतंकी साजिश रचने और सत्ता के दुरुपयोग जैसे आरोप लगते रहे हैं। ऐसे में अगले साल फरवरी में होने वाले आम चुनाव से पहले बीएनपी अपनी इस छवि से छुटकारा चाहती है और इसमें जैमा रहमान की अहम भूमिका हो सकती है, जो बीएनपी के नए नेतृत्व की प्रतीक बन सकती हैं। बांग्लादेश की राजनीति के जानकार उन्हें भविष्य की नई खालिदा जिया बता रहे हैं।

जैमा, बांग्लादेश की दो सबसे प्रमुख राजनीतिक हस्तियों, खालिदा जिया और दिवंगत राष्ट्रपति जियाउर रहमान की पोती हैं। बांग्लादेश के कई राजनीतिक घरानों के सदस्यों के विपरीत, जैमा को राजनीति का बहुत कम अनुभव है, क्योंकि उन्होंने न तो किसी पार्टी में औपचारिक पद संभाला है

और न ही चुनाव लड़ा है। उनकी सार्वजनिक छवि भी सीमित रही है, और उनकी पेशेवर पहचान राजनीति के बजाय लंदन स्थित उनके वकालत के पेशे से जुड़ी है।

बांग्लादेश में छात्रों के नेतृत्व में हुई हिंसा के बाद जैमा ने पहली बार राजनीतिक रूप से सक्रिय रुख अपनाया और बीएनपी पार्टी के विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लेना और उनका प्रतिनिधित्व करना शुरू किया।

अपने पिता की ओर से वॉशिंगटन डीसी में आयोजित एक कार्यक्रम में भी जैमा ने हिस्सा लिया और मीडिया का ध्यान आकर्षित किया था। ज़ैमा ने अभी तक चुनाव लड़ने या बीएनपी में कोई औपचारिक भूमिका निभाने की कोई मंशा जाहिर नहीं की है। हालांकि, उनकी बढ़ती लोकप्रियता, सार्वजनिक बयानबाजी और प्रमुख राजनीतिक कार्यक्रमों में उनकी उपस्थिति ने भविष्य में उनकी बड़ी भूमिका की अटकलों को हवा दी है।

20 दिन चले युद्ध के बाद थाईलैंड और कंबोडिया के बीच हुआ सीजफायर, अब तक 101 लोगों की मौत

चांथाबुरी 02 जनवरी (एजेंसी) । (एजेंसी) । थाईलैंड के रक्षा मंत्री नत्थापोन नाकपानिच और कंबोडिया के उप प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री टी सिया ने शनिवार को थाईलैंड के चांथाबुरी प्रांत में एक बॉर्डर चेकपॉइंट पर सीजफायर समझौते पर साइन किए। इस युद्ध में अब तक 101 लोग मारे गए और दोनों पक्षों के पांच लाख से अधिक लोग विस्थापित हुए हैं।शिन्हुआ न्यूज एजेंसी के अनुसार कंबोडिया के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसने शुक्रवार रात को तीसरी स्पेशल कंबोडिया-थाईलैंड जनरल बॉर्डर कमेटी की बैठक के जॉइंट स्टेटमेंट के ड्राफ्ट के कंटेंट पर थाईलैंड के साथ सहमति बना ली है, जिसमें आसियान ऑब्जर्वर भी शामिल थे।

ऑपरेशन सिंदूर के समय बंकरों में छिपी थी PAK सेना', जरदारी का कबूलनामा, फिर हुई पाकिस्तान की किरकिरी

इस्लामाबाद 02 जनवरी (एजेंसी) । पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने सार्वजनिक मंच से चौंकाने वाला खुलासा किया कि है। उन्होंने बताया कि कैसे 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान तनाव के चलते पाकिस्तानी सेना बंकरों में छिपी थी और उन्हें खुद भी वहीं रहने की सलाह दी गई।

आतंकियों के पनाहगार पाकिस्तान को हमेशा से ही अपनी बुजदिल हरकतों के चलते वैश्विक मंच पर शर्मसार होना पड़ता है। ऐसे में एक बार फिर ऐसी स्थिति तब आई जब 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान अपनी ताकत का झूठा बखान करने वाला नापाक पड़ोसी पाकिस्तान की सेना और उसके हालात को लेकर नया और चौंकाने वाला खुलासा हुआ। ये खुलासा किसी और ने नहीं खुद पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने किया है।

पाकिस्तानी राष्ट्रपति जरदारी ने बताया कि कैसे ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तानी सेना बंकर में छिपी हुई थी। एक सार्वजनिक कार्यक्रम को संबोधित करने के दौरान जरदारी ने यह स्वीकार किया कि तनाव के हालात में पाकिस्तान की सेना बंकरों में छिपी हुई थी और उन्हें खुद भी बंकर में रहने की सलाह दी गई थी।

आर्थिक तंगी से जूझ रहा पाकिस्तान और फिर ये...

बता दें कि राष्ट्रपति जरदारी का यह बयान पाकिस्तान की कमजोर स्थिति को उजागर करता है। गंभीर आर्थिक संकट, बढ़ती महंगाई और कर्ज में डूबे पाकिस्तान के पास न तो मजबूत अर्थव्यवस्था है और न ही लंबी सैन्य तैयारी की क्षमता। ऐसे में पाकिस्तानी सेना के बंकरों में छिपने की बात यह दिखाती है कि पाकिस्तान अंदर से असुरक्षित और दबाव में है।

पहलगाम हमले के जवाब में भारत का एक्शन: 'ऑपरेशन सिंदूर'पहलगाम हमले के जवाब में भारत ने 6-7 मई की दरमियानी रात को भारतीय सेना ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में आतंकी ठिकानों पर सटीक हमले किए थे। इस दौरान 9 ठिकानों को निशाना बनाया गया, जिनमें लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद के मुख्यालय और ट्रेनिंग सेंटर शामिल थे। इन जगहों से भारत के खिलाफ आतंकी हमलों की साजिश रची जाती थी।

पहलगाम आतंकी हमला, जब गई थी 26 निर्दोष लोगों की जान गौरतलब है कि 22 अप्रैल का वो काला दिन, जिसे भारतवासी आज भी नहीं भुला पा रहे। जगह था जम्मू-कश्मीर का पहलगाम। जहां एक साथ कई आतंकियों ने वहां उपस्थित सभी पर्यटकों पर अंधाधुंध गोली चलानी शुरू कर दी। इस आतंकी हमले में कुल 26 लोगों की जान गई। इस घटना को बीते अब तीन महीने से ज्यादा का समय हो चुका है। लेकिन लोगों में नाराजगी और अपनों के खोने का गम अभी भी है। हमले की जिम्मेदारी टीआरएफ ने उसी दिन ली और एक फोटो भी शेयर किया।

कंगाल पाक को बड़ा झटका : देश छोड़ गए 5000 डॉक्टर और 11000 इंजीनियर; सेना प्रमुख के 'ब्रेन गेन' वाले बयान पर जनता ने लगाई क्लास

इस्लामाबाद,02 जनवरी (एजेंसी) । आर्थिक बदहाली और राजनीतिक अस्थिरता की मार झेल रहा पाकिस्तान अब अपने इतिहास के सबसे बुरे 'ब्रेन ड्रेन' यानी प्रतिभा पलायन के संकट से जूझ रहा है। गहराते आर्थिक संकट और भविष्य की अनिश्चितता के चलते पिछले दो वर्षों में हजारों होनहार पेशेवर देश छोड़कर चले गए हैं। हाल ही में आई एक सरकारी रिपोर्ट ने इस संकट की जो भयावह तस्वीर पेश की है, उसने शहबाज शरीफ सरकार की चिंताओं को बढ़ा दिया है। आंकड़ों के मुताबिक, पाकिस्तान का शिक्षित वर्ग अब देश में रुकने को तैयार नहीं है।

पाकिस्तान के ब्यूरो ऑफ एमिग्रेशन एंड ओवरसीज एम्प्लॉयमेंट के ताजा आंकड़ों ने सबको चौंका दिया है। रिपोर्ट बताती है कि पिछले 24 महीनों में करीब 5,000 डॉक्टर, 11,000 इंजीनियर और 13,000 अकाउंटेंट पाकिस्तान छोड़कर विदेशों में बस गए हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, साल 2024 में 7,27,381 पाकिस्तानियों ने विदेश में काम के लिए रजिस्ट्रेशन कराया था, जबकि 2025 में नवंबर महीने तक ही यह आंकड़ा 6,87,246 तक पहुंच चुका है। चिंता की बात यह है कि देश छोड़ने वालों में अब केवल मजदूर वर्ग नहीं, बल्कि देश की रीढ़ माने जाने वाले उच्च शिक्षित पेशेवर शामिल हैं। स्वास्थ्य क्षेत्र का हाल सबसे बुरा है, जहां 2011 से 2024 के बीच नर्सों के पलायन में 2,144 प्रतिशत की भारी वृद्धि दर्ज की गई है।इन गंभीर आंकड़ों के बीच पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर का एक पुराना बयान अब उनके गले की फांस बन गया है। उन्होंने कुछ समय पहले इस पलायन को 'ब्रेन ड्रेन' मानने से इनकार करते हुए इसे 'ब्रेन गेन' बताया था।

भारत के खिलाफ अब ऑस्ट्रेलिया की जमीन का इस्तेमाल कर रहे खालिस्तानी, खुफिया रिपोर्ट में खुलासा

न्यूयॉर्क ,02 जनवरी (एजेंसी) । ऑस्ट्रेलिया में इस साल जुलाई, अगस्त और दिसंबर के महीनों में खालिस्तान से जुड़ी गतिविधियों में तेजी देखी गई। अराजक तत्वों ने न केवल खालिस्तान के झंडे लहराए, बल्कि भारत विरोधी नारे लगाए और तोड़फोड़ भी की। इससे भारतीय समुदाय में गुस्सा है। खुफिया एजेंसियों ने ऑस्ट्रेलिया में खालिस्तान आंदोलन के तेजी से बढ़ने पर चिंता जताई है।

एजेंसियों का कहना है कि कनाडा और यूनाइटेड किंगडम में खालिस्तानी संगठन की गतिविधियों में कमी आई है और पिछले कुछ महीनों में ऑस्ट्रेलिया में अपनी मौजूदगी बढ़ाई है। खालिस्तानी तत्व अपने बहुत सारे संसाधन ऑस्ट्रेलिया में लगा रहे हैं और हाल में वहां हुई हिंसा घटनाएं इसका साफ संकेत हैं। पहले भी ऑस्ट्रेलिया में जनमत संग्रह हुए हैं, लेकिन हाल के महीनों में इन गतिविधियों का पैमाना काफी बढ़ गया है। सिख्स फॉर जस्टिस (एसएफजे) जैसे ग्रुप्स द्वारा चलाए जा रहे सोशल मीडिया कैंपेन भी ज्यादातर ऑस्ट्रेलिया की घटनाओं पर ही फोकस हैं। अधिकारियों का कहना है कि सोशल मीडिया पर तोड़फोड़ करने के लिए बार-बार जानकारी दी जा रही है, जिसमें भारतीयों को निशाना बनाया जा रहा है। भारत विरोधी और पीएम मोदी विरोधी नारे लगाने के लिए भी कॉल किए गए हैं और आजकल ऐसा बहुत बार हो रहा है।भारत ने कनाडा और यूके दोनों से संपर्क किया है और खालिस्तान से जुड़ी गतिविधियों के बारे में अपनी चिंता से अवगत कराया। दोनों देशों ने समस्या को स्वीकार किया है और नई दिल्ली के साथ मिलकर काम करने पर सहमति जताई। हाल के महीनों में इन दोनों देशों में खालिस्तानियों के खिलाफ कुछ कार्रवाई देखने को मिली है। इसलिए खालिस्तानियों ने अपना फोकस बदलकर ऑस्ट्रेलिया की ओर कर लिया है। अधिकारी ने कहा कि इससे आंदोलन बिना किसी रुकावट के जारी रह पाता है।इन घटनाओं के दौरान खालिस्तानियों ने भारतीय झंडे को रौंदा और भारत विरोधी नारे लगाए। दिसंबर में, एक विरोध प्रदर्शन के दौरान, भारतीय झंडे को फाड़ा गया, और इसके वीडियो बड़ी संख्या में सर्कुलेट किए गए। एसएफजे लोगों को भड़काने के लिए ऐसे वीडियो अक्सर पोस्ट करता है। कनाडा और यूके के विपरीत, खालिस्तानियों को अब भारतीय समुदाय से विरोध का सामना करना पड़ रहा है।ऑस्ट्रेलिया में 'खालिस्तान जिंदाबाद' के नारों का भारतीयों ने 'भारत माता की जय' के नारों से जवाब दिया है। अधिकारियों का कहना है कि ऐसे काम सिर्फ भारतीय समुदाय को भड़काने के इरादे से किए जाते हैं।ब्रिटेन और कनाडा की तरह, खालिस्तानियों ने ऑस्ट्रेलिया में अभिव्यक्ति की आजादी पर जोर देने का फायदा उठाया है। खालिस्तानी संगठन अभिव्यक्ति की आजादी की आड़ में विरोध प्रदर्शन और नफरत भरे नारे लगाकर बच निकलने में कामयाब रहे हैं।अधिकारियों का कहना है कि जब इन तत्वों की बात आती है तो ऑस्ट्रेलियाई सरकार को सख्त और कड़ा रुख अपनाना होगा। नहीं तो हालात बहुत जल्द बेकाबू हो सकते हैं और समस्या को हल करना फिर बहुत मुश्किल हो जाएगा।ऑस्ट्रेलियाई विदेश मंत्री पेनी वोंग ने कहा, हम अभिव्यक्ति की आजादी का समर्थन करते हैं लेकिन हिंसा या उकसावे पर सख्त रुख अपनाते हैं और इन मामलों पर भारतीय समकक्षों के साथ बातचीत जारी रखेंगे।एजेंसियों का कहना है कि कनाडा और यूनाइटेड किंगडम में खालिस्तानी संगठन की गतिविधियों में कमी आई है और पिछले कुछ महीनों में ऑस्ट्रेलिया में अपनी मौजूदगी बढ़ाई है। खालिस्तानी तत्व अपने बहुत सारे संसाधन ऑस्ट्रेलिया में लगा रहे हैं और हाल में वहां हुई हिंसा घटनाएं इसका साफ संकेत हैं। पहले भी ऑस्ट्रेलिया में जनमत संग्रह हुए हैं, लेकिन हाल के महीनों में इन गतिविधियों का पैमाना काफी बढ़ गया है। सिख्स फॉर जस्टिस (एसएफजे) जैसे ग्रुप्स द्वारा चलाए जा रहे सोशल मीडिया कैंपेन भी ज्यादातर ऑस्ट्रेलिया की घटनाओं पर ही फोकस हैं। अधिकारियों का कहना है कि सोशल मीडिया पर तोड़फोड़ करने के लिए बार-बार जानकारी दी जा रही है, जिसमें भारतीयों को निशाना बनाया जा रहा है। भारत विरोधी और पीएम मोदी विरोधी नारे लगाने के लिए भी कॉल किए गए हैं और आजकल ऐसा बहुत बार हो रहा है।भारत ने कनाडा और यूके दोनों से संपर्क किया है और खालिस्तान से जुड़ी गतिविधियों के बारे में अपनी चिंता से अवगत कराया।

सम्पादकीय...

मेहनतकशों की बेकद्री

बाजार आने-जाने के झंझट से बचा लोगों के घरों में तुरत-फुरत जीवन उपयोगी सामान पहुंचाने वाले गिग-वर्कर्स की जटिल कार्यपरिस्थितियां और पसीने का मोल न मिलना, बेहद चिंता की बात है। अपना व परिवार का पोषण करने वाले ये युवा अकसर सरपट मोटरसाइकिल दौड़ाते और सीढ़ियां चढ़कर ऊंची मंजिलों में दरवाजों तक सामान पहुंचाते देखे जा सकते हैं। बेहद कम मेहनताने, कंपनी मालिकों के दबाव व ग्राहकों की उपेक्षा झेलते गिग वर्कर्स ने नये साल की पूर्व संध्या पर हड़ताल करके अपनी बदहाली को ही उजागर किया है। संवेदनशील कार्य परिस्थितियों और नौकरी की असुरक्षा के चलते गिग-वर्कर्स हड़ताल पर थे। हालांकि, नये साल पर काम के दबाव व पूरी तरह संगठित न होने के कारण इनकी हड़ताल का कुछ ही इलाकों में असर देखा गया। पूरे देश में सामान की आपूर्ति बाधित हुई हो, ऐसा भी कोई समाचार नहीं मिला है। लेकिन गिग-वर्कर्स की विषम कार्य-परिस्थितियों की ओर पूरे देश का ध्यान जरूर गया है। पिछले दिनों आप के राघव चड्ढा और राजद के मनोज कुमार झा जैसे सांसदों ने गिग वर्कर्स के शोषण का मुद्दा संसद में उठाया था। निस्संदेह, देश की गिग अर्थव्यवस्था ने रोजगार सृजन में अपनी क्षमता साबित की है। विडंबना है कि भारत युवाओं को देश का कहा जाता है, लेकिन हम उनकी आकांक्षाओं का रोजगार नहीं दे पा रहे हैं। दरअसल, गिग-वर्कर्स की प्रमुख मांग है कि उनके काम का बेहतर भुगतान हो और उनके लिये बेहतर कामकाजी परिस्थितियां बनायी जाएं। उनकी इस हड़ताल ने इन मुद्दों पर देश का ध्यान खींचा है। लेकिन देश के प्रमुख खाद्य वितरण करने वाली कंपनी ने 31 दिसंबर को इस हड़ताल के बावजूद ऑर्डर में रिकॉर्ड वृद्धि दर्ज की। वहीं थके-हारे बाइकर्स अपनी अनगिनत शिकायतें व्यक्त करते रहे। दरअसल, विडंबना यह है कि खूब काम लेने के बावजूद गिग-वर्कर्स को पारंपरिक नियोक्ता-कर्मचारी के दायरे से बाहर आजीविका कमाने वाले व्यक्तियों के रूप में परिभाषित किया जाता है। दरअसल, गिग-वर्कर्स को नई अर्थव्यवस्था में नियोक्ता एक कर्मचारी के रूप में नियुक्त करने के दायित्व से बचने का प्रयास करते हैं। लेकिन नियोक्ताओं की हायर व फायर की रणनीति के चलते, वे असुरक्षित कार्य परिस्थितियों में काम करने को बाध्य होते हैं। इसके बावजूद वे आज शहरी जीवन व्यवस्था के लिये अभिन्न अंग बन गए हैं। लोगों की छोटी-छोटी जरूरतों के लिए दौड़ते रहते हैं। वे सामान दस मिनट तक दरवाजे पर पहुंचाने के दबाव में हांफते-भागते, मोटरसाइकिल दौड़ाते और सीढ़ियों पर सामान चढ़ाते अकसर नजर आते हैं। आम तौर पर उपभोक्ताओं का व्यवहार भी अच्छा नहीं होता। देरी होने पर इन्हें झिड़का जाता है। सामान में नुक्स निकालकर इन्हें दौड़ाया जाता है। आज भारत में इनकी संख्या सवा करोड़ से अधिक है। अनुमान है कि वर्ष 2030 तक इन कामगारों की संख्या दो करोड़ पैंतीस लाख तक हो सकती है। निश्चित रूप से आने वाले वर्षों में इस क्षेत्र की अनदेखी नहीं की जा सकती। लेकिन फिलहाल स्थिति यह है कि मेहनताने में कटौती, जरा सी चूक पर आर्थिक दंड तथा समय से पहले पहुंचाने के दबाव से गिग-वर्कर्स त्रस्त हैं। मुश्किल परिस्थितियों में काम करते रहने के बावजूद ये कामगार हड़ताल में बड़ी संख्या में भाग नहीं ले पाये। दरअसल, प्लेटफॉर्म अकसर प्रोत्साहन और अतिरिक्त वेतन के जरिये श्रमिकों के विरोध प्रदर्शन को दबा देते हैं। निश्चित रूप से गिग-वर्कर्स का लगातार 14 घंटे काम करने के बावजूद सात-आठ सौ रुपये कमाना और दुर्घटना बीमा से वंचित रखना, इस व्यवस्था की उन खामियों की ओर भी इशारा करता है, जिन्हें केवल फौरी लालच या प्रोत्साहन से ठीक नहीं किया जा सकता। ऐसे में हालिया श्रम सुधारों का महत्व बढ़ जता है। जिसमें पहली बार, गिग और प्लेटफॉर्म श्रमिकों को कानून के तरह औपचारिक रूप से परिभाषित किया गया है। एग्रीगेटर के टर्नओवर का एक से दो फीसदी सामाजिक सुरक्षा कोष में अनिवार्य योगदान और आधार से जुड़े सार्वभौमिक खाता नंबर को कानूनी मान्यता की दिशा में एक लंबे समय से प्रतीक्षित बदलाव का संकेत देते हैं। हालांकि, कार्यान्वयन ही यह निर्धारित करेगा कि ये सुधार परिवर्तनकारी साबित होते हैं या केवल प्रतीकात्मक रहते हैं।

अस्तित्व संकट के बीच पारिवारिक एकता का राग

उमेश चतुर्वेदी

राजनीति के बारे में कहा जाता है कि यहां कोई न तो स्थायी दोस्त होता है और ना ही कोई स्थायी दुश्मन। राजनीति में ऐसे कम ही उदाहरण मिलेंगे, जहां दोस्ती के मूल में दिल का रिश्ता होता है। गौर से देखें तो संभावनाओं, चुनौतियों और अवसरों की बुनियाद पर पर दोस्ती या दुश्मनी के रिश्ते आगे बढ़ते हैं। महाराष्ट्र के दो राजनीतिक परिवारों के मिलन को भी इसी अंदाज और संदर्भ में देखा जाना चाहिए। राज्य का पवार परिवार हो या फिर ठाकरे कुनबा, अगर एक होता नजर आ रहा है या एक हुआ है तो इसका मतलब यह नहीं है कि दोनों परिवारों के प्रमुख अलंबरदारों के दिल मिल चुके हैं। बल्कि राजनीतिक संभावनाओं और अवसरों ने उन्हें एक होने को प्रेरित किया है। चाहे ठाकरे परिवार हो या फिर पवार कुनबा, दोनों में कुछ समानताएं हैं। शरद पवार हों या बाल ठाकरे, एक दौर में दोनों की महाराष्ट्र की राजनीति में तूती बोलती थी। पिछली सदी के आखिरी दशक में तो राजनीतिक हलके का एक बड़ा हिस्सा शरद पवार को देश का भावी प्रधानमंत्री तक मानने लगा था। इसी तरह महाराष्ट्र के टाइगर के रूप में बाल ठाकरे की ख्याति रही। दोनों ही राजनीतिक खानदानों के मुखिया का स्वाभाविक उत्तराधिकारी दोनों के भतीजे ही माने जाते थे। एक दौर तक शरद के उत्तराधिकारी के तौर पर देश और प्रदेश अजित पवार को देखता था। इसी तरह शिवसैनिक भी बाल ठाकरे के भतीजे राज ठाकरे को अगली पीढ़ी का ठाकरे सीनियर मान चुका था। लेकिन जब उत्तराधिकार सौंपने की बारी आई तो पवार ने अपनी बेटी सुप्रिया सुले पर भरोसा जताया और बाल ठाकरे ने अपने छोटे बेटे राज ठाकरे को। ऐसे हालात में अजित और राज ठाकरे को अपना भविष्य चुनौतीपूर्ण लगा, राजनीतिक संभावनाएं कम होती दिखीं तो दोनों ने अपनी राह अलग कर ली। उन्नीस साल पहले राज ठाकरे ने शिवसेना से अलग होकर महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना बना ली तो अजित पवार ने राष्ट्रवादी कांग्रेस के मूल धड़े पर ही कब्जा कर लिया। पार्टी के असल संस्थापक शरद पवार पुछल्ला पार्टी लेकर एक तरह से किनारे का दल संभालने लगे।

पवार परिवार और ठाकरे कुनबे में बिखराव की कहानी भी अलग-अलग रही। जब तक बाल ठाकरे के बेटे उद्धव ठाकरे अपनी शिवसेना को बीजेपी के साथ खड़ा रखे, तब तक तो उनके नेतृत्व को चुनौती नहीं मिली। दल का राज्य में ठीकठाक समर्थन भी रहा। हालांकि महत्वाकांक्षाओं के साथ अलग हुए राज ठाकरे को राजनीतिक सफलताएं न के बराबर मिलीं। लेकिन जब से उद्धव ने बीजेपी को छोड़ कांग्रेस और पवार की एनसीपी का साथ पकड़ा, राजनीतिक मैदान में उसका आधार घटने लगा। वहीं पवार सीनियर से अलग होने के बावजूद बीजेपी के साथ के चलते अजित का राजनीतिक रूतबा कम नहीं हुआ। अलबत्ता कभी भारत के प्रधानमंत्री मैटेरियल देखे जाते रहे वरिष्ठ पवार की सियासी साख घटती चली गई। कुनबे में बिखराव के चलते दोनों परिवारों की राजनीतिक ताकत बीजेपी के सामने बौनी होती जा रही है। एक तरह से कह सकते हैं कि दोनों परिवारों के राजनीतिक अस्तित्व पर ही सवाल उठने लगा है।

एक कहावत है, मरता क्या नहीं करता। राजनीतिक अस्तित्व पर जब बन आती है तो कम ही सियासी हस्तियां होती हैं, जो समझौते नहीं करतीं। इसे समझदारी कहें या फिर राजनीति की रवायत, ठाकरे परिवार और पवार कुनबा-दोनों ही एक होने जा रहे हैं। पारिवारिक बिखराव को समेटने की कोशिश तेज हो गई है। ठाकरे बंधु तो बाकायदा प्रेस कांफ्रेंस करके एक हो चुके हैं, जबकि पवार परिवार अपने गढ़ बारामती में एक होने का संकेत दे रहा है। बारामती में हाल ही में पवार परिवार ने एक आयोजन किया, जिसमें आज के प्रमुख उद्योगपति गौतम अडानी के मुख्य अतिथि के तौर पर आमंत्रित किया गया था। इसे पवार कुनबे ने खूब प्रचारित किया। इस प्रचार का संदेश साफ है कि दोनों परिवार एक होने जा रहे हैं।

चाहे ठाकरे कुनबा हो या फिर पवार परिवार, अगर दोनों एक हो रहे हैं तो उसकी सिर्फ अस्तित्व की रक्षा भी नहीं है, बीजेपी रूपी चुनौती से पार पाना भी है और मुंबई महानगर पालिका, पुणे महानगर पालिका और पिंपरी चिंचवड़ महानगर पालिका पर कब्जे की चाहत भी है। मुंबई महानगर पालिका का सालाना बजट सत्तर हजार करोड़ रूपए का है। यह रकम उत्तर पूर्व के राज्यों के समूचे बजट से भी ज्यादा बैठती है। पिंपरी-चिंचवड़ महानगर पालिका के दायरे में एशिया का सबसे बड़ा औद्योगिक क्षेत्र है। जाहिर है कि यहां से कर के रूप में मोटी रकम आती है। ठाकरे परिवार की एकता के पीछे एक कारण जहां बृहन्नमुंबई महानगर पालिका पर कब्जा जमाना है, वहीं पवार परिवार की एकता के पीछे पुणे महानगरपालिका और पिंपरी-चिंचवड़ महानगर पालिका पर कब्जा जमाना है। दोनों परिवारों को लगता है कि अगर वे बिखरे रहे तो उनके प्रभाव वाली महानगरपालिकाओं में उन्हें कुछ भी हाथ नहीं लगेगा। यहां यह बताना जरूरी है कि एक दौर में बीएमसी पर शिवसेना का कब्जा रहता था तो पुणे और पिंपरी-चिंचवड़ में पवार परिवार का। दोनों परिवारों के मिलन के पीछे की बड़ी वजह यही है।

भारतीय जनता पार्टी का इतिहास देखिए, अपने विस्तार के पहले चरण में वह अपने साथी दलों के सहयोग पर निर्भर रही। बाद के दौर में उसने खुद का प्रभाव बढ़ाया और अपने दम पर वह स्थापित होती चली गई। हरियाणा, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात के बाद अब इसी तरह वह महाराष्ट्र में वह अपने दम पर उभर चुकी है। जबकि कुछ साल पहले तक महाराष्ट्र में एक तरह से शिवसेना के छोटे भाई की भूमिका में रहती थी। अब चाहे शिवसेना का टूटा हुआ धड़ा हो या अजित पवार वाली एनसीपी, दोनों उसके छोटे भाई की भूमिका में हैं। जिस तरह निकाय चुनावों में बीजेपी ने अपना दबदबा कायम किया है, उससे पवार परिवार की भी चिंताएं बढ़ी हैं और ठाकरे खानदान की भी। इसीलिए दोनों परिवार एक हुए हैं या होते नजर आ रहे हैं। पवार परिवार अब एक साथ पुणे और पिंपरी-चिंचवड़ के चुनाव में उतरने जा रहा है तो ठाकरे परिवार मुंबई में। लेकिन यह तय है कि दोनों परिवारों के रिश्तों की मजबूती इन महापालिका चुनाव नतीजों पर निर्भर करेगी। अगर उन्हें जीत मिली तो तय है कि पारिवारिक गठबंधन आगे बढ़ेंगे, और ऐसा नहीं हुआ तो दोस्ती की नई राह तलाशने की कोशिशें फिर से तेज होंगी।

(यह लेखक के अपने विचार है)

केन्द्रीय प्रसंस्करण इकाई जामगांव एम: ग्रामीण अर्थव्यवस्था और रोजगार को नया बल

धनंजय राठौर

केन्द्रीय प्रसंस्करण इकाई ग्रामीण रोजगार में वनोपज और औषधीय पौधों के संग्रह, प्रसंस्करण और मूल्य-वर्धन के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था और ग्रामीणों, खासकर महिलाओं, के लिए आय और रोजगार के नए अवसर पैदा करती है। दुर्ग जिला के पाटन विकासखंड के जामगांव एम में स्थापित केन्द्रीय प्रसंस्करण इकाई ग्रामीण रोजगार, वनोपज प्रसंस्करण और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

यह इकाई लगभग 111 एकड़ क्षेत्र में विकसित की गई है, जहां छत्तीसगढ़ शासन और राज्य लघु वनोपज (व्यापार एवं विकास) सहकारी संघ मर्यादित के माध्यम से वन क्षेत्रों में रहने वाले ग्रामीणों से वनोपज और औषधीय पौधों का क्रय, संग्रहण और प्रसंस्करण किया जा रहा है। यहां तैयार किए जा रहे हर्बल उत्पाद 'छत्तीसगढ़ हर्बल ब्रांड' के नाम से बाजार में उपलब्ध हैं, जिनका उपयोग स्वास्थ्य लाभ के लिए किया जाता है।

प्रसंस्करण इकाई क्रमांक- 01 में स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर सृजित किए गए हैं। यहां आंवला, बेल और जामुन से जूस, कैंडी, लच्छा, मुरब्बा, शरबत, पल्प और आरटीएस पेय जैसे शुद्ध हर्बल उत्पाद तैयार किए जा रहे हैं। इन उत्पादों का विक्रय एनडब्ल्यूएफपी मार्ट और संजीवनी स्टोर के माध्यम से किया जाता है। इस इकाई ने मात्र एक वर्ष में लगभग 44 लाख रुपये मूल्य के उत्पादों का निर्माण और विक्रय कर स्थानीय लोगों की आय बढ़ाने में अहम योगदान दिया है।

इकाई क्रमांक- 02 में चार बड़े गोदाम बनाए गए हैं, जिनकी कुल भंडारण क्षमता 20,000 मीट्रिक टन है। यहां राज्य के विभिन्न जिलों से प्राप्त वनोपज का सुरक्षित भंडारण किया जाता है। वर्तमान में कोदो, कुटकी, रागी, हर्रा कचरिया, चिरायता, कालमेघ, पलास फूल और साल बीज सहित विभिन्न वनोपज का संग्रह किया गया है। इन उत्पादों का विक्रय संघ मुख्यालय रायपुर द्वारा निविदा प्रक्रिया के माध्यम से किया जाता है। इन दोनों इकाइयों के संचालन से अब तक 5,200 से अधिक मानव दिवस का रोजगार सृजित हो चुका है।

जामगांव एम में सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के तहत हर्बल एक्सट्रैक्शन यूनिट की स्थापना की गई है। यह यूनिट छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ और स्फेयर बायोटेक कंपनी के संयुक्त प्रयास से बनी है, जिसका लोकार्पण वर्ष 2025 में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय और वन मंत्री श्री केदार कश्यप द्वारा किया गया था। लगभग 6 एकड़ क्षेत्र में बनी इस यूनिट में गिलोय, कालमेघ, बहेड़ा, सफेद मुसली, जंगली हल्दी, गुड़मार, अश्वगंधा और शतावरी जैसे औषधीय पौधों से अर्क निकाला जा रहा है। इन अर्कों का उपयोग आयुर्वेदिक दवाओं और वेलनेस उत्पादों के निर्माण में किया जाता है।

हर्बल एक्सट्रैक्शन यूनिट के माध्यम से ग्रामीण संग्राहकों से वनोपज और औषधीय पौधों का पूर्ण क्रय सुनिश्चित किया जा रहा है, जिससे उन्हें उचित मूल्य और नियमित आय मिल रही है। इससे वन क्षेत्रों में रहने वाले लोगों की आर्थिक स्थिति में सुधार हो रहा है और नए रोजगार अवसर भी सृजित हो रहे हैं। जामगांव एम की केन्द्रीय प्रसंस्करण इकाई, वेयरहाउस और हर्बल एक्सट्रैक्शन यूनिट वनोपज की मूल्यवृद्धि के साथ-साथ ग्रामीणों और संग्राहकों के लिए आजीविका के मजबूत साधन बन रहे हैं।

(यह लेखक के अपने विचार है)

महल में कमी

स्वामी श्रीरामसुखदास जी महाराज

एक राजा था। वह एक संत के पास जाया करता और उनका सत्संग किया करता था। उस राजा ने अपने लिए एक महल बनाया। पहले उसके कई महल थे, पर अब ऐसा महल बनाया, जिसमें आराम की सब चीजें हों और उसमें ज्यादा ठाट-बाट से रहें। राजा ने सन्त से कहा कि महाराज! एक दिन आप चलो, हमारी कुटिया पवित्र हो जाए! सन्त उसको टालते गए। राजा ने बहुत बार कहा तो एक दिन सन्त बोले कि अच्छा भाई, चलो। राजा ने सन्त को महल दिखाना आरम्भ किया कि यह हमारे रहने की जगह है, यह हमारे पंचायती की जगह है, यह भोजन की जगह है, यह शौच-स्नान की जगह है, आदि-आदि। सन्त चुपचाप देखते रहे, कुछ बोले नहीं। अगर वाह-वाह करते हैं तो हिंसा लगती है। कारण कि मकान बनाने में बड़ी हिंसा होती है! बहुत-से जीव मरते हैं। चूहे, सांप, गिलहरी आदि के रहने और चलने-फिरने में आड़ लग जाती है, क्योंकि जितने हिस्से में मकान बना है, उतने हिस्से में वे जा नहीं सकते, स्वतन्त्रता से घूम नहीं सकते। पहले उतने हिस्से में सब जीवों का हक लगता था, पर अब केवल एक का ही हक लगता है। सन्त कुछ बोले नहीं तो राजा ने समझा कि महाराज को मकान पसन्द नहीं आया। राजा लोग चतुर होते हैं। राजा ने पूछ लिया कि महाराज! महल में कमी क्या है? सन्त बोले कि कमी तो इसमें बड़ी भारी है! राजा ने विचार किया कि बड़े-बड़े कुशल कारीगरों ने महल बनाया है।

उन्होंने कोई कमी बाकी नहीं छोड़ी। जहां कमी दिखी, उसको पूरा कर दिया। परन्तु बाबा जी कहते हैं कि कमी है, और वह भी मामूली नहीं है, बड़ी भारी कमी है! राजा को बड़ा आश्चर्य आया और पूछा कि क्या बहुत बड़ी कमी है? सन्त बोले कि हां, बहुत बड़ी कमी है! राजा ने पूछा कि महाराज! क्या कमी है? सन्त बोले कि यह जो दरवाजा रख दिया है न, यह कमी है! राजा बोला कि महाराज! दरवाजे के बिना महल क्या काम आए? सन्त बोले कि तुमने यह महल क्यों बनवाया है? राजा ने कहा कि महाराज! मैंने अपने रहने के लिए बनाया है। सन्त बोले कि राजन, तुमने तो रहने के लिए बनाया है, पर एक दिन लोग उठाकर ले जाएंगे! इससे ज्यादा कमी और क्या होगी, बताओ? बनाया तो है रहने के लिए, पर लोग उठाकर बाहर ले जाएंगे, रहने देंगे नहीं! इसलिए अगर रहना ही हो तो यह दरवाजा नहीं होना चाहिए, बाहर निकलने की जगह नहीं होनी चाहिए। तात्पर्य है कि यह अपना असली घर नहीं है। एक दिन सब कुछ छोड़कर यहां से जाना पड़ेगा। हमारा असली घर तो वह है, जहां पहुंचने पर फिर लौटकर आना ही न पड़े। भाव यह है कि यह संसार मिथ्या है, जबकि ईश्वर का घर सत्य है। इस संसार में हम मेहमान की तरह हैं, एक न एक दिन इस संसार को छोड़कर जाना पड़ेगा और ईश्वर के घर में शरण लेनी पड़ेगी। यह संसार भौतिक नगरी का प्रतीक है, जबकि ईश्वर का घर आत्मिक नगरी का प्रतीक है। इसीलिए कहा जाता है कि मनुष्य देह में रहकर जितना हो सके, ईश्वर को सुमिरन कर लेना चाहिए।

2025: भारतीय खेलों का निर्णायक क्षण

राहुल बोस

2025 भारत के खेलों के लिए एक निर्णायक वर्ष साबित हुआ। यह साल सिर्फ अंतरराष्ट्रीय मेडल जीतने के लिए महत्वपूर्ण नहीं था, बल्कि इसलिए भी खास रहा क्योंकि भारत के खेल तंत्र में बड़े बदलाव शुरू हुए। सरकार और निजी क्षेत्र ने खेलों में निवेश बढ़ाया, नई नीतियां बनाई गई और खेल सुविधाओं का विस्तार किया गया। अब इन कदमों को आगे बढ़ाने की जरूरत है ताकि भारत खेलों में मज़बूत और सफल राष्ट्र बन सके।

इस साल सरकार ने नेशनल स्पोर्ट्स पॉलिसी (एनएसपी) 2025 को मंजूरी दी। यह नीति भारतीय खेलों के लिए एक लंबी अवधि की सोच और बेहतर अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शन का लक्ष्य तय करती है। भारत पहले ही 2030 के कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी कर रहा है और 2036 ओलंपिक की मेजबानी करने की इच्छा भी जताई है।

इसके बाद नेशनल स्पोर्ट्स गवर्नेंस एक्ट 2025 लागू किया गया। इस कानून ने खेल प्रशासन की व्यवस्था को पूरी तरह बदल दिया है। अब फैसले मनमर्जी से नहीं, बल्कि पारदर्शी तरीके और तय नियमों के अनुसार होंगे। इस कानून में खिलाड़ियों को केंद्र में रखा गया है। चयन प्रक्रिया, फंडिंग से जुड़े फैसले और शिकायत निवारण जैसी चीजों के लिए साफ नियम, मानक और समय-सीमा तय की गई है।

इससे अनियमितता कम होगी और खिलाड़ियों, खासकर छोटे शहरों और कम सुविधाओं वाले पृष्ठभूमि से आने वाले खिलाड़ियों के बीच भरोसा बढ़ेगा।

मेरे लिए सबसे खास बात यह है कि पहली बार इस कानून के तहत खेल संगठनों को अनिवार्य रूप से एक सेफ स्पोर्ट्स पॉलिसी अपनानी होगी, ताकि महिलाओं, नाबालिग खिलाड़ियों और कमजोर वर्ग के लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। इसके साथ ही उन्हें अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार एक आचार संहिता भी लागू करनी होगी।

एक स्वतंत्र नेशनल स्पोर्ट्स बोर्ड और विशेष स्पोर्ट्स ट्रिब्यूनल निगरानी रखेंगे, जिससे स्थिरता और निरंतरता बनी रहेगी। वहीं, खिलाड़ियों की भागीदारी और महिलाओं को निर्णय लेने वाली समितियों में शामिल करना, खेल संघों में शक्ति संतुलन को बेहतर बनाता है। इन सभी बदलावों से खेल व्यवस्था में निष्पक्षता, भरोसा और लंबी अवधि की स्थिरता आएगी, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगातार अच्छा प्रदर्शन करने के लिए जरूरी है।

प्रधानमंत्री मोदी ने भारतीय खिलाड़ियों में व्यक्तिगत रुचि दिखाई है। वे खिलाड़ियों और टीमों को अपने घर बुलाकर सिर्फ सम्मान ही नहीं देते, बल्कि उनसे खुलकर बातचीत भी करते हैं। इन मुलाकातों में खिलाड़ियों की जीवन यात्रा, उनकी चुनौतियाँ, त्याग और सफलताओं पर बात होती है।

मैं भी अलग-अलग खेलों में भारत की प्रगति को बड़ी दिलचस्पी से देख रहा हूँ। इसी महीने जोशना चिनप्पा, अभय सिंह और अनाहत सिंह ने इतिहास रचा, जब भारत ने हांगकांग को 3-0 से हराकर पहली बार स्क्वैश वर्ल्ड कप का खिताब जीता।

भारतीय महिलाओं ने 2025 में दुनिया के खेल मंच पर शानदार प्रदर्शन किया। नवंबर 2025 में भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने आईसीसी महिला वर्ल्ड कप जीता। इसी तरह, भारतीय महिला ब्लाइंड क्रिकेट टीम ने भी अपनी पहली टी20 वर्ल्ड कप जीतकर इतिहास रचा।

मुक्केबाज़ी में भी भारत ने शानदार शुरुआत की और वर्ल्ड बॉक्सिंग कप फाइनल 2025 में नौ स्वर्ण पदक जीते। एशियन यूथ गेम्स 2025 में भी भारत ने अब तक का अपना सबसे अच्छा प्रदर्शन किया। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने बिहार के राजगीर में हुए एशिया कप 2025 में दक्षिण कोरिया को 4-1 से हराकर खिताब जीता और आठ साल बाद फिर से एशियाई चैम्पियन बनी।

18 साल की शीतल देवी पैराआर्चरी में विश्व चैंपियन बनीं, और दिव्या देशमुख पहली भारतीय महिला बनीं जिन्होंने फाइड महिला वर्ल्ड कप का खिताब जीता।2025 में भारत की खेल सफलताएँ सिर्फ कुछ बड़े शहरों तक सीमित नहीं रहीं, बल्कि देश के अलग-अलग हिस्सों तक फैलीं। हाल ही में एफआईएच पुरुष जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप तमिलनाडु में हुआ, और वर्ल्ड बॉक्सिंग कप फाइनल ग्रेटर नोएडा में आयोजित किए गए। अहमदाबाद में बने नए और विश्वस्तरीय वीर सावरकर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में 11वीं एशियन एक्रेटिक्स चैम्पियनशिप आयोजित हुई।

रग्बी में भी बड़ी उपलब्धि देखी गई। बिहार के राजगीर में एशिया रग्बी एमिरेट्स अंडर-20 सेवन टूर्नामेंट हुआ, जिसमें भारतीय महिला टीम ने कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच ब्रॉन्ज मेडल जीता। एशिया रग्बी के अध्यक्ष क़ैस अल धलाई ने कहा कि बिहार में इस तरह का बड़ा युवा रग्बी टूर्नामेंट होना न सिर्फ खेल का जश्न है, बल्कि पूरे एशिया में खेल के फैलते विकास का मजबूत प्रमाण भी है।

कई मायनों में रग्बी की प्रगति भी भारत के बड़े खेल बदलाव का ही हिस्सा है। जून 2025 में मुंबई में पहली बार रग्बी प्रीमियर लीग का आयोजन हुआ। यह दुनिया की शुरुआती फ्रेंचाइज़ी आधारित रग्बी सेवन्स लीगों में से एक है। इसमें छह शहरों की टीमें (जैसे चेन्नई बुल्स, हैदराबाद हीरोज़, मुंबई ड्रीमर्स आदि) शामिल थीं, जिनमें भारतीय खिलाड़ियों के साथ न्यूज़ीलैंड, साउथ अफ्रीका, फिजी और ऑस्ट्रेलिया जैसे बड़े रग्बी देशों के 30 से ज्यादा विदेशी खिलाड़ी भी खेले।

15 जून को मुंबई के अंधेरी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में खेले गए पहले मैच में बड़ी संख्या में लोग उत्साह के साथ देखने आए। मैच टीवी और ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी लाइव दिखाए गए। चार-चौथाई वाले रोमांचक मैच फॉर्मेट ने नई पीढ़ी के दर्शकों को आकर्षित किया और यह भरोसा दिलाया कि रग्बी भी भारत के व्यावसायिक खेलों का हिस्सा बन सकता है।

इससे यह साफ दिखता है कि रग्बी कितनी आगे बढ़ चुकी है, क्योंकि सिर्फ एक महीने बाद भारत ने बिहार के राजगीर जैसे शहर में एशियाई स्तर की रग्बी चैंपियनशिप की मेजबानी भी की।

केंद्र सरकार के खेल मंत्रालय ने खेलो इंडिया के तहत कई शहरों में अलग-अलग खेलों के लिए फ्रेंचाइज़ी आधारित लीग शुरू करने की बड़ी योजना बनाई है। मैं अपने अनुभव से कह सकता हूँ कि अस्मिता महिला रग्बी लीग ने देश के कई शहरों में युवा लड़कियों के बीच रग्बी को काफी बढ़ावा दिया है। साथ ही, निजी क्षेत्र की भागीदारी भी लगातार बढ़ रही है। टीवी चैनल और ओटीटी प्लेटफॉर्म खेलों के प्रसारण अधिकार ले रहे हैं और स्पॉन्सर भी अब भारतीय खेलों को एक मजबूत और फायदेमंद अवसर के रूप में देखने लगे हैं। इस साल युवा मामले और खेल मंत्रालय ने नेशनल स्पोर्ट्स फेडरेशंस को मिलने वाली मदद की योजना में बड़े बदलाव किए। अब फेडरेशंस के लिए फंड पाने के लिए साफ नियम तय किए गए हैं। उदाहरण के तौर पर, जिन फेडरेशंस का वार्षिक बजट 10 करोड़ रुपये से ज्यादा है, उन्हें अब एक फुल-टाइम हाई परफॉर्मेंस डायरेक्टर रखना ज़रूरी है, जो खेल की तकनीकी और प्रदर्शन से जुड़ी योजनाओं को संभाले।

हर खेल संगठन को अपने बजट का कम से कम 20त्न हिस्सा जमीनी स्तर के विकास, यानी जूनियर और युवा खिलाड़ियों की ट्रेनिंग पर खर्च करना होगा, और कम से कम 10त्न हिस्सा कोच और सपोर्ट स्टाफ की ट्रेनिंग पर लगाना होगा।

अंतरराष्ट्रीय स्तर के संभावित खिलाड़ियों को अब नॉन-कैम्प दिनों में भी 10,000 रुपये मासिक डाइट भत्ता दिया जाएगा, ताकि कोई खिलाड़ी आर्थिक कमी की वजह से खाना छोड़कर अपने सपने पूरे करने से पीछे न रह जाए।

इसी बीच फिट इंडिया आंदोलन, खासकर सन्डेज ऑन साइकिल पहल (दो बार मैं खुद हिस्सा रहा हूँ), पूरे देश में लोगों को हर हफ्ते साइकिल चलाने और फिट रहने के लिए प्रेरित कर रहा है। यह पहल केंद्रीय खेल मंत्री ने शुरू की है और भारतीयों में शारीरिक फिटनेस बढ़ाने की दिशा में एक अच्छा कदम है।

मैं पहले भी कह चुका हूँ और फिर कहूँगा-खेल और फिटनेस समाज की जीवनशैली का हिस्सा बनने चाहिए। तभी असली और टिकाऊ बदलाव आएगा। हमें खेल से जुड़ा एक मानवीय और मजबूत सिस्टम बनाना होगा। सोने के मेडल किसी देश के लिए गर्व का बड़ा कारण होते हैं, लेकिन असली पहचान तब बनती है जब देश में हर किसी के लिए खेल सुलभ हों और खेल संस्कृति आम लोगों की जिंदगी का हिस्सा बन जाए।

नेशनल स्पोर्ट्स पॉलिसी के पाँच स्तंभ हर खेल को देश निर्माण में योगदान देने का मौका देते हैं ङ्क सिर्फ प्रदर्शन के जरिए नहीं, बल्कि बड़े पैमाने पर लोगों की भागीदारी, सामाजिक और आर्थिक प्रभाव और शिक्षा से जुड़ाव के माध्यम से भी।

नेशनल स्पोर्ट्स गवर्नेंस एक्ट खेल व्यवस्था में पहले से कहीं ज्यादा मजबूत नियम और व्यवस्था लाता है और फेडरेशंस को हर स्तर पर बेहतर प्रशासन और पारदर्शिता अपनाने के लिए प्रोत्साहित करता है।

(यह लेखक के अपने विचार है)

मुरादाबाद में एक शिक्षण संस्थान के शिक्षकों ने नए साल की पूर्व संध्या पर लोगों को नए साल 2026 की शुभकामनाएं दीं।

भारतीय सेना ने अंतरराष्ट्रीय सीमा क्षेत्र में मार गिराए 237 ड्रोन, ऑपरेशन सिंदूर पर सरकार ने कही ये बात

नई दिल्ली, 02 जनवरी [एजेंसी]। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि 2025 के दौरान ड्रोन घुसपैठ की कुल 791 घटनाएं दर्ज की गईं। इनमें जम्मू और कश्मीर में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर नौ घटनाएं और पंजाब और राजस्थान में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर 782 घटनाएं शामिल हैं। मंत्रालय ने वर्ष के अंत में समीक्षा वक्तव्य में यह जानकारी दी कि पश्चिमी मोर्चे पर अपने स्पूफर और जैमर का प्रभावी उपयोग ड्रोन के खतरे को काफी हद तक कम करने में कारगर साबित हुआ।इस दौरान, भारतीय सेना ने अंतरराष्ट्रीय सीमा क्षेत्र में 237 ड्रोन मार गिराए। इनमें पांच ड्रोन युद्ध सामग्री से भरे हुए थे, 72 ड्रोन नशीले पदार्थों से भरे हुए थे और 161 ड्रोन बिना किसी पेलोड के थे। मंत्रालय ने कहा कि भारतीय सेना के अथक प्रयासों के कारण जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है। इसने यह भी कहा कि लोगों ने विकास का मार्ग चुना है और वे सरकार तथा सेना द्वारा संचालित सभी पहलों में बड़ी संख्या में सक्रिय रूप से भाग ले रहे हैं। उत्तरी सीमाओं पर स्थिति स्थिर, मगर संवेदनशील रक्षा मंत्रालय के अनुसार, देश की उत्तरी सीमाओं पर स्थिति स्थिर, लेकिन संवेदनशील बनी हुई है। मंत्रालय ने इस बात पर जोर दिया कि वास्तविक नियंत्रण रेखा के सभी क्षेत्रों में भारतीय सेना की तैनाती मजबूत, सुव्यवस्थित है और किसी भी उभरती हुई आकस्मिक स्थिति से निपटने के लिए तैयार है।बहरहाल, भारत और चीन के बीच राजनीतिक, राजनयिक और सैन्य स्तर पर द्विपक्षीय बातचीत ने उत्तरी सीमाओं पर सकारात्मक विकास और स्थिरता को बढ़ावा दिया है।

नैनीताल में नया साल आते ही जश्न में डूबे पर्यटक, डीजे के तेज गानों पर लगाए ठुमके

नैनीताल। शहर में पर्यटकों ने पुराने साल की विदाई और नये साल के स्वागत में खूब जश्न मनाया। उच्चस्तरीय होटलों में कम पर्यटकों के बाद भी जश्न का सिलसिला देर रात तक चलता रहा। डीजे के तेज संगीत पर पर्यटक खूब थिरके। रात 12 बजते ही पर्यटकों ने एक-दूसरे को नये साल की शुभकामनाएं दी। पुलिस के व्यापक इंतजाम की वजह से सड़कों पर हुड़दंग नजर नहीं आया।सरोवर नगरी में इस बार थर्टी फर्स्ट का जश्न सामान्य रहा। पुलिस की सख्ती होटलों में कमरों की बुकिंग में रोड़ा अटका गई। बुधवार रात को उच्च स्तरीय सुविधायुक्त होटलों में गीत संगीत के साथ नये साल का जश्न मनाया गया। होटलों में कपल डांस सहित विविध प्रतियोगिता हुई। डीजे के तेज संगीत में पर्यटक जोड़ों ने खूब मस्ती की।माल रोड पर भी देर रात तक पर्यटकों की चहलकदमी चलती रही। होटल एसोसिएशन की ओर से माल रोड पर संगीत की व्यवस्था की गई।पहाड़ी व बालीवुड गीतों पर पर्यटक खूब झूमे। शेरवानी हिलटाप, नैनी रिट्रीट में पर्यटकों के मनोरंजन व मस्ती के लिए खास इंतजाम किए गए थे। लाइव म्यूजिक, डीजे, बालीवुड नाइट थीम पर कार्यक्रम हुए, जबकि बच्चों से लेकर वृद्धों तक मनोरंजन कार्यक्रम पैकेज में शामिल रहे।कुमाऊंनी लोक गीत व संगीत की धूम रही।

कोहरे में सुरक्षित यात्रा: गाजियाबाद में रोडवेज बसों के लिए नया नियम, रात में केवल अनुभवी ड्राइवर चलाएंगे बसें

साहिबाबाद, 02 जनवरी [एजेंसी]। रात में रोडवेज बसों का संचालन दुर्घटना रहित चालक ही कर सकेंगे। इसके लिए उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम ने सभी डिपो के सहायक क्षेत्रीय प्रबंधकों को आदेश जारी कर दिए हैं। जिन चालकों से बस का संचालन करते हुए घटनाएं हुई हैं उन्हें रात में रोडवेज बसों पर तैनात नहीं किया जाएगा। गाजियाबाद रीजन के साहिबाबाद, कौशांबी, लोनी, हापुड़, खुर्जा, बुलंदशहर व सिकंदराबाद डिपो में परिवहन निगम की कुल 895 बसें हैं। इन बसों पर तैनात चालकों के लिए अभी तक रात व दिन के हिसाब से कोई नियम नहीं थे। लगातार बढ़ रहे कोहरे के चलते परिवहन निगम ने सावधानी बरतने के निर्देश दिए हैं। रात में संचालित होने वालीं बसों पर ऐसे चालकों को तैनात करने के लिए कहा

गया है जिनसे कोई सड़क दुर्घटना न हुई हो और न ही ओवर स्पीड बस चलाने की शिकायत आई हो।सभी डिपो के सहायक क्षेत्रीय प्रबंधकों ने चालकों की सूची तैयार करनी शुरू कर दी है।

अगले दो दिन में सभी को नियम के अनुसार तैनात कर दिया जाएगा।कोहरे में बसों को बेहतर तरीके संचालित करने के लिए चालकों को प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। इसमें चालकों को बताया जा रहा है कि ओवर स्पीड में बस का संचालन नहीं करना है। अगर अधिक कोहरा है बस को सड़क से नीचे उतार कर खड़ा कर लें। हाईवे और एक्सप्रेस-वे पर बस खड़ी न करें। अधिकारियों का कहना है कि अगर किसी तरह की लापरवाही सामने आती है तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी।दुर्घटना रहित चालकों की सूची तैयार कर उन्हें तैनात किया जा रहा है। कोहरा में बस को संचालित करने में लापरवाही बरतने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। मुख्यालय के आदेशों का पालन करना अनिवार्य है।

कुरान पर हाथ रखकर न्यूयॉर्क के मेयर पद की शपथ लेंगे ममदानी, सोशल मीडिया पर छिड़ी बहस

न्यूयॉर्क। अमेरिका के न्यूयार्क सिटी के नवनिर्वाचित मेयर जोहरान ममदानी एक जनवरी को पद की शपथ लेंगे। वह कुरान पर हाथ रखकर मेयर पद की शपथ लेंगे। गत चार नवंबर को हुए मेयर पद के चुनाव में ममदानी निर्वाचित हुए थे। भारतीय मूल के 34 वर्षीय ममदानी फिल्मकार मीरा नायर के बेटे हैं। ममदानी सार्वजनिक और निजी शपथ ग्रहण समारोहों में कुरान का उपयोग करेंगे। वरिष्ठ सलाहकार जारा रहीम ने बताया कि यह एक बेहद प्रतीकात्मक चयन है, क्योंकि हम एक मुस्लिम मेयर को कुरान का उपयोग करते हुए शपथ लेते हुए देख रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि मेयर चुनाव में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार की जगह निर्दलीय उम्मीदवार एंड्रयू कुओमो का समर्थन किया था। उन्होंने यह यह धमकी भी दी थी कि अगर डेमोक्रेटिक उम्मीदवार जोहरान ममदानी मेयर चुनाव जीतते हैं तो वह शहर के लिए संघीय फंड रोक देंगे।

ऑपरेशन सिंदूर के निर्णायक प्रहार से दुनिया को दिया स्पष्ट संदेश

सरकार बोली- भारत आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं करेगा

नईदिल्ली, 02 जनवरी [एजेंसी]। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर आतंकवाद के खिलाफ भारत के अटूट संकल्प का एक मजबूत प्रमाण है। भारतीय सशस्त्र बलों ने सटीकता के साथ पाकिस्तान के आतंकी ढांचों पर सुनियोजित और निर्णायक प्रहार किया। इस अभियान ने दुनिया को एक स्पष्ट संदेश दिया - भारत आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं करेगा, और जो भी इसे प्रायोजित करेगा उसे इसके गंभीर परिणाम भुगतने होंगे।

यह अभियान भारत के सैन्य इतिहास में एक निर्णायक क्षण और सैन्य सटीकता एवं राष्ट्रीय संकल्प के प्रतीक के रूप में याद किया जाएगा। पहलगाम में हुए भयावह आतंकी हमले के जवाब में 7 मई की सुबह तड़के ऑपरेशन सिंदूर चलाया गया, जिसमें कम से कम 100 आतंकवादियों को मार गिराया गया। इस हमले में 26 लोग मारे गए थे।इस सैन्य कार्रवाई के तहत भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में नौ आतंकी शिविरों पर सटीक मिसाइल हमलों की एक श्रृंखला शुरू की थी, जिसके परिणामस्वरूप भारत और पाकिस्तान के बीच चार दिनों का संघर्ष हुआ था। मंत्रालय ने कहा कि यह अभियान आतंकवाद के खिलाफ भारत के अटूट संकल्प का एक सशक्त प्रमाण है - निर्णायक नेतृत्व, संयुक्त परिचालन तालमेल और पाकिस्तान स्थित आतंकवादियों द्वारा की जा रही क्रूर हत्याओं से अपनी संप्रभुता की रक्षा करने के राष्ट्र के इरादे का एक साहसिक प्रदर्शन है। इस अभियान ने अतुलनीय बहु-क्षेत्रीय क्षमता का प्रदर्शन किया और इसे भूमि, समुद्री और हवाई जैसे पारंपरिक क्षेत्रों के साथ-साथ साइबर, अंतरिक्ष और सूचना युद्ध के उभरते क्षेत्रों में एक साथ अंजाम दिया गया।

मंत्रालय ने कहा, रणनीतिक दूरदर्शिता और सेना के संयम के साथ, ऑपरेशन सिंदूर ने क्षमता विकास पर भारत के निरंतर ध्यान को उजागर किया, अर्थात् खुफिया प्रभुत्व से लेकर अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी और संयुक्त परिचालन तत्परता तक। इस अभियान को सरकार के सभी अंगों के निर्बाध समन्वय के माध्यम से राष्ट्र की इच्छा के क्रियान्वयन का एक उत्कृष्ट उदाहरण बताया गया। इसमें कहा गया कि स्वदेशी प्रौद्योगिकियों और हथियार प्रणालियों की युद्ध में सफलता भारत द्वारा प्रतिपादित आत्मनिर्भरता की परिकल्पना की सफलता का प्रमाण है।

दिल्ली की स्वास्थ्य सेवाओं को वर्ष 2026 में मिलेगा नया विस्तार, सुपर-स्पेशियलिटी ब्लॉक

नईदिल्ली, 02 जनवरी [एजेंसी]। राष्ट्रीय राजधानी की स्वास्थ्य सेवाओं के लिए वर्ष 2026 निर्णायक साबित होने जा रहा है। यह दिल्लीवासियों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं के लिहाज से एक नई उम्मीदें लेकर आ रहा है। सरकारी और निजी दोनों स्तरों पर चिकित्सा ढांचे का बड़ा विस्तार हो रहा है। दिल्ली में लंबे समय से चल रही अस्पताल परियोजनाएं, नए भवन और उन्नत चिकित्सा सुविधाएं इस वर्ष धरातल पर उतरती दिखेंगी। बड़े सरकारी अस्पतालों में सुपर-स्पेशियलिटी ब्लॉक, नई ओपीडी और क्रिटिकल केयर सुविधाओं के शुरू होने से मरीजों को लंबी कतारों और रेफरल की परेशानी से राहत मिलेगी।दिल्ली सरकार द्वारा 200 से अधिक आयुष्मान आरोग्य मंदिर और नए अस्पताल तेजी से तैयार किए जा रहे हैं। इससे हर क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच मजबूत होगी। मोहल्ला स्तर पर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को नए स्वरूप में विकसित कर दवाइयों, जांच और परामर्श की सुविधाएं और सशक्त होंगी।डिजिटल हेल्थ सिस्टम, आधुनिक जांच उपकरण, उन्नत सर्जरी तकनीक और प्रशिक्षण सुविधाओं के विस्तार से इलाज ज्यादा तेज, सटीक और सुलभ होने की संभावना है। इससे ओपीडी, मुफ्त दवाइयां, डायग्नोस्टिक जांच तथा मातृ-शिशु स्वास्थ्य सेवाएं लोगों को घर के पास ही मिल सकेंगी।एम्स और आरएमएल जैसे बड़े अस्पतालों में नई ओपीडी इमारतें, आधुनिक तकनीक से लैस आइसीयू और क्रिटिकल केयर ब्लाक विकसित हो रहे हैं। साथ ही नए अस्पतालों के निर्माण और निजी क्षेत्र में भी आधुनिक सुविधाओं के साथ टेक्नोलाजी-आधारित इलाज का विस्तार होने जा रहा है।कुल मिलाकर उम्मीद है कि 2026 में दिल्ली का स्वास्थ्य ढांचा सिर्फ विस्तार नहीं, बल्कि गुणवत्ता, पहुंच और भरोसे के नए मानक स्थापित करने की ओर बढ़ता दिखाई देगा।बड़े सरकारी अस्पतालों में सुपर-स्पेशियलिटी ब्लॉक, नई ओपीडी और क्रिटिकल केयर सुविधाओं के शुरू होने से मरीजों को लंबी कतारों और रेफरल की परेशानी से राहत मिलेगी।दिल्ली सरकार द्वारा 200 से अधिक आयुष्मान आरोग्य मंदिर और नए अस्पताल तेजी से तैयार किए जा रहे हैं। इससे हर क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच मजबूत होगी। तेज, सटीक और सुलभ होने की संभावना है।

मां की आय अधिक होने पर भी पिता को करना होगा बच्चों का भरण-पोषण : दिल्ली हाई कोर्ट

नई दिल्ली ,02 जनवरी (एजेंसी)। दिल्ली हाई कोर्ट ने एक अहम फैसले में स्पष्ट किया है कि यदि मां की आय पिता से अधिक है, तब भी पिता अपने नाबालिग बच्चों के भरण-पोषण की जिम्मेदारी से मुक्त नहीं हो सकता। अदालत ने कहा कि बच्चों का पालन-पोषण माता और पिता दोनों की कानूनी, नैतिक और सामाजिक जिम्मेदारी है और किसी एक की अधिक कमाई से दूसरे की जिम्मेदारी समाप्त नहीं होती।जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा की पीठ ने कहा कि यदि मां बच्चों की कस्टडी में है और उसकी आय अधिक है, तो वह कमाने के साथ-साथ बच्चों की प्राथमिक देखभाल की दोहरी जिम्मेदारी निभा रही होती है। ऐसे में पिता अपनी आय छुपाकर या तकनीकी दलीलों के जरिए जिम्मेदारी से नहीं बच सकता। अदालत ने यह भी कहा कि कानून किसी कामकाजी मां को शारीरिक, आर्थिक और मानसिक रूप से इस हद तक थकाने की अनुमति नहीं देता कि पिता अपनी जिम्मेदारी से पीछे हट जाए।यह फैसला उस मामले में आया, जिसमें एक व्यक्ति ने निचली अदालत के आदेश को हाई कोर्ट में चुनौती दी थी।

कंस के दरबार में सीएम माझी: विकास कार्यों का दिया विवरण 1362 करोड़ रुपये की लागत से 123 परियोजनाओं का शुभारंभ

संबलपुर,02 जनवरी । प्रसिद्ध बरगढ़ धनुयात्रा महोत्सव के सातवीं शाम, महाराज कंस का दरबार का दृश्य लोगों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। इस मंच पर मुख्यमंत्री मोहन चरन माझी उपस्थित होकर नागरिकों के समक्ष बरगढ़ जिले में किए गए विकास कार्यों का विस्तार से विवरण प्रस्तुत किया। दरबार पहुंचने से पहले मुख्यमंत्री हाथी पर सवार होकर बरगढ़ शहर का परिक्रमा किया। मुख्यमंत्री माझी ने बताया कि बरगढ़ जिले में कुल 1362 करोड़ रुपये की लागत से 123 परियोजनाओं का एक साथ शुभारंभ और लोकार्पण किया गया है। इनमें 980.58 करोड़ रुपये की 85 परियोजनाओं की आधारशिला रखी गई तथा 382.26 करोड़ रुपये की 38 परियोजनाओं का उद्घाटन किया गया। मुख्यमंत्री ने मंच से 380 करोड़ रुपये की लागत वाली 4 नई परियोजनाओं की घोषणा की, जिनमें 132

करोड़ रूपए की लागत से बरगढ़ के जिरा नदी पर सीवेज शोधन संयंत्र, बरगढ़ के हाटपड़ा में 30 करोड़ रूपए की लागत से वेंडिंग जोन, बरगढ़ सदर क्षेत्र में 65 करोड़ रूपए की लागत से अटल बस स्टैंड, ग्रींडोला में 150 करोड़ रूपए की लागत से अंतरङ्गनदी जलाशय निर्माण और धनुयात्रा के लिए विशेष एवं भव्य रंगमहल मंच निर्माण हेतु 12 करोड़ 80 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई।इसके साथ ही बरगढ़ नहर के सौंदर्यीकरण के लिए 30 करोड़ 17 लाख की लागत से बॉक्स कंडइट परियोजना और जिरा नदी में 114 करोड़ 87 लाख रूपए की लागत से अंतर नदी जलाशय भी शामिल हैं। मुख्यमंत्री माझी ने सामाजिक योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि सुभद्रा योजना के अंतर्गत 3 लाख 41 हजार माताओं को 10 हजार रुपये तक की सहायता राशि प्रदान की गई है।इसके अतिरिक्त खरीफ-रबी 2024-25 के अंतर्गत 2 लाख 41 हजार किसानों से धान क्रय कर 13 लाख 99 हजार मीट्रिक टन धान हेतु 4338 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया है। मुख्यमंत्री ने बताया कि धनुयात्रा न केवल संस्कृति और अध्यात्म का संगम है, बल्कि यह क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को भी सशक्त बनाती है। इसी कारण राज्य सरकार द्वारा धनुयात्रा अनुदान को एक करोड़ से बढ़ाकर डेढ़ करोड़ रुपये कर दिया गया है और 200 उत्कृष्ट कलाकारों को 10 -10 हजार रुपये की सम्मान राशि दी गई है।अपने संबोधन के दौरान मुख्यमंत्री माझी ने प्रशासन और जनप्रतिनिधियों को ईमानदारी का संदेश देते हुए कहा भ्रष्टाचार से दूर रहें, अन्यथा कार्यवाही के लिए विजिलेंस सदैव तैयार है। उन्होंने यह भी कहा कि धनुयात्रा को यूनेस्को मान्यता दिलाने के लिए निरंतर प्रयास जारी हैं।इसके साथ ही बरगढ़ नहर के सौंदर्यीकरण के लिए 30 करोड़ 17 लाख की लागत से बॉक्स कंडइट परियोजना और जिरा नदी में 114 करोड़ 87 लाख रूपए की लागत से अंतर नदी जलाशय भी शामिल हैं। मुख्यमंत्री माझी ने सामाजिक योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि सुभद्रा योजना के अंतर्गत 3 लाख 41 हजार की सहायता राशि प्रदान की गई

माघ मेला को लेकर 108 औद्योगिक इकाइयों में छापेमारी

कानपुर,02 जनवरी। माघ मेला के दौरान गंगा की अविरलता और निर्मलता बनी रहे, इसके लिए प्रशासन और प्रदूषण नियंत्रण विभाग ने सख्त रुख अपनाया है। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की ओर से निर्धारित बंदी रोस्टर के तहत गंगा को प्रदूषित करने वाली इकाइयों में मंगलवार और बुधवार को निरीक्षण का अभियान चलाया गया। अभियान के तहत गठित सात जिलास्तरीय टीमों ने औद्योगिक क्षेत्रों में छापेमारी की। इस दौरान पनकी में एक केमिकल फैक्ट्री को सील कर दिया गया। क्षेत्रीय प्रदूषण नियंत्रण अधिकारी अजीत कुमार सुमन ने बताया कि टीमों ने 108 इकाइयों की जांच की। इस दौरान अधिकांश इकाइयां बंदी रोस्टर व पर्यावरणीय मानकों का पालन करती पाई गईं। हालांकि पनकी औद्योगिक क्षेत्र स्थित बीकेम केमिकल्स फैक्ट्री में नियमों का उल्लंघन पाया गया।निर्धारित मानकों के विपरीत संचालन और बंदी रोस्टर का पालन न किए जाने पर फैक्ट्री के उत्पादन गतिविधियों पर रोक लगा दी गई। जो भी औद्योगिक इकाई नियमों का उल्लंघन करती पाई जाएगी, उसके विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी।

असम में पाक स्थित आतंकी संगठन का मॉड्यूल खड़ा करने के दोषी को उम्रकैद, तीनों मामलों में 5000 रुपये का जुर्माना ठोका

गुवाहाटी, 02 जनवरी [एजेंसी]। असम में आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन का माड्यूल बनाने के आरोप में एक व्यक्ति को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है। गुवाहाटी स्थित एनआइए की विशेष अदालत ने मोहम्मद कामरुज जमान उर्फ कमरुद्दीन को आतंक रोधी कानून के प्रविधानों के तहत तीन अलग-अलग सजाएं सुनाई हैं, जिनमें अधिकतम सजा आजीवन कारावास है। ये सजाएं एक साथ चलेंगी। एनआईए ने बुधवार को बताया कि कोर्ट ने जमान पर तीनों मामलों में 5,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया, और जुर्माना न भरने की स्थिति में तीन महीने की अतिरिक्त साधारण कारावास की सजा का भी प्रविधान किया। जमान को

असम में प्रतिबंधित हिजबुल मुजाहिदीन आतंकी संगठन का एक माड्यूल खड़ा करने और 2017-18 के दौरान आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने के आरोप में दोषी ठहराया गया था। वह असम के होजाई जिले के जमुनामुख थानान्तर्गत एराकापिली गांव का रहने वाला है।एनआइए ने एक बयान में कहा कि इस साजिश का मकसद लोगों के मन में दहशत फैलाना था। आतंकवाद रोधी एजेंसी की जांच के अनुसार, जमान ने इस उद्देश्य के लिए शाहनवाज आलम, सैदुल आलम, उमर फारूक और कुछ अन्य लोगों को भर्ती किया था।

एजेंसी ने मार्च, 2019 में इन चार लोगों सहित पांच लोगों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया था। एनआइए के अनुसार, शाहनवाज, सैदुल और उमर ने अपना जुर्म कबूल कर लिया था

आधार कार्ड बनाने में लापरवाही:नवजातों के जन्म होते ही आधार बनाने खरीदे थे 144 टेबलेट संचालनालय में डंप रहे, 36 चोरी हुए तब खुलासा

रायपुर ,02 जनवरी (एजेंसी)। नवा रायपुर स्थित स्वास्थ्य संचालनालय के स्टोर से टैबलेट चोरी होने के बाद शिशुओं के आधार कार्ड बनाने में लापरवाही उजागर हुई है। करीब डेढ़ साल पहले नवजातों से लेकर 5 साल तक के बच्चों के आधार बनाने के लिए करीब 15 लाख रुपए के 144 टैबलेट खरीदे गए थे। इन्हें संचालनालय के स्टोर में रखवाया गया था, ताकि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में बांटे जा सकें।इस दौरान स्टोर से एक-एक कर 36 टैबलेट चोरी हो गए। चोरी की खबर सामने आने के बाद जांच शुरू की गई तो पता लगा कि टैबलेट बांटे ही नहीं गए। अस्पतालों में शिशु के जन्म लेते ही उसका आधार बनाने की योजना करीब एक साल पहले ही शुरू होनी थी।

पड़ताल के दौरान पता चला है कि केंद्र की योजना के तहत सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में नवजातों से लेकर 5 साल तक के बच्चों का आधार बनाना है। उसी के तहत केंद्र के माध्यम से 144 टैबलेट खरीदे गए थे। तय अनुसार अस्पतालों में काम करने वाले ऑपरेटरों को ट्रेनिंग देकर उन्हें एक-एक टैबलेट बांटना था।

लेकिन अब तक प्रदेश में केवल 7 टैबलेट ही बांटे गए हैं। बाकी नवा रायपुर स्थित संचालनालय के स्टोर में ही डंप रहे। फिर एक-एक कर 36 से ज्यादा टैबलेट गायब हो गए तब अफसर अलर्ट हुए। सीसीटीवी कैमरे से जांच की गई। उसमें संचालनालय का बाबू आशिक बेक एक टैबलेट ले जाता नजर आया।

अफसरों ने उसके खिलाफ राखी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई और मामले को दबा दिया। स्टोर इंचार्ज सहित वहां के अन्य स्टाफ को वहां से हटाना तो दूर, उनके खिलाफ कार्रवाई ही नहीं की गई। पुलिस ने भी सीसीटीवी फुटेज के आधार पर बाबू को पकड़ा। उससे 8-10 टैबलेट रिकवर हुए हैं। बाकी कहां गए? इस पर सस्पेंस है।आधार निजता से जुड़ा है। एनसेट के माध्यम से परीक्षा पास करने वाले ऑपरेटर को ही आधार देना है, ताकि वह सही तरीके से ट्रैक कर सके और गड़बड़ी न हो। ऑपरेटर परीक्षा पास नहीं कर रहे हैं। इसलिए नियमानुसार हम टैबलेट नहीं सौंप सकते। -डॉ. शैलेंद्र अग्रवाल, नोडल अफसर शिशु एवं मातृत्व कार्यक्रम, राज्य मातृत्व एवं शिशु प्रोग्राम प्रभारी हमने कई बार कार्यक्रम प्रभारी को पत्र लिखा पर उन्होंने टैबलेट नहीं बांटे। चोरी की शिकायत पुलिस में कर दी गई है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर एक आरोपी को पकड़ लिया गया है।

आंदोलन के तीसरे दिन सरकार पर बिफरे कर्मचारी, बेमुदत हड़ताल की चेतावनी दी

महासमुंद,02 जनवरी (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के आंदोलन के अंतिम दिन बुधवार को महासमुंद में आक्रोश का सैलाब उमड़ पड़ा। जिला मुख्यालय के लोहिया चौक पर सैकड़ों की संख्या में जुटे कर्मचारियों ने सरकार की कर्मचारी विरोधी नीतियों के खिलाफ जमकर हल्ला बोला और स्पष्ट किया कि मांगें पूरी नहीं हुईं, तो आगामी समय में प्रदेश का कामकाज पूरी तरह ठप्प कर अनिश्चितकालीन आंदोलन किया जाएगा।फेडरेशन के जिला संयोजक टेकराम सेन ने कहा, प्रदेश के 4.50 लाख कर्मचारी सड़कों पर हैं। इससे सरकारी कामकाज पूरी तरह ठप हो चुका है। इसके बावजूद सरकार की ओर से संवाद की पहल न करना निंदनीय है। कर्मचारी सरकार के साथ विकास में कंधा से कंधा मिलाकर चलने को तैयार हैं, लेकिन सरकार को भी अपने चुनावी वादे यानी मोदी की गारंटी को निभाना होगा। उन्होंने 11 सूत्री मांगों को अविलंब पूरा करने की मांग दोहराई। धरना स्थल पर वक्ताओं ने प्रमुख रूप से महंगाई भत्ता और एरियर्स की राशि को लेकर अपनी बात रखी।फेडरेशन के पदाधिकारियों ने कहा कि हमें अपने ही हक के पैसे और चोरी हुई एरियर्स राशि के लिए सड़क पर उतरना पड़ रहा है, जो चिंताजनक है। कर्मचारियों ने चेतावनी दी कि सरकार का यह अड़ियल रवैया आने वाले समय में उसके लिए घातक साबित हो सकता है।

इस मौके पर दिलीप तिवारी, संदीप तिवारी, डॉ. रामकुमार चंद्राकर, चिंताराम साहू, ईश्वर चंद्राकर, राजेश सोनी, सिराज बक्स, अशोक गिरि गोस्वामी सहित बड़ी संख्या में फेडरेशन के पदाधिकारी व विभिन्न विभागों के कर्मचारी-अधिकारी उपस्थित थे।

अंबिकापुर में 4.8 डिग्री से जमा छत्तीसगढ़, रायपुर 12 डिग्री पर ठिठुरा

रायपुर ,02 जनवरी (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ में एक बार फिर सर्दी ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। उत्तर और मध्य छत्तीसगढ़ के जिलों में अगले 24 घंटों तक एक-दो स्थानों पर शीत लहर चलने की संभावना जताई गई है। ठंडी हवाओं और गिरते तापमान के कारण सुबह-शाम ठिठुरन बढ़ गई है। हालांकि मौसम विभाग के अनुसार अगले 5 दिनों में न्यूनतम तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी हो सकती है, जिससे ठंड से थोड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। उत्तर और मध्य छत्तीसगढ़ के कुछ जिलों में अगले 24 घंटों तक शीत लहर चलने की संभावना है। प्रदेश में अगले 5 दिनों के दौरान न्यूनतम तापमान में 2=3 डिग्री की बढ़ोतरी हो सकती है। जगदलपुर में सबसे अधिक और अंबिकापुर में सबसे कम तापमान दर्ज किया गया है। रायपुर में 30 दिसंबर को कुहरा छाए रहने और मौसम शुष्क रहने का अनुमान है। मौसम विभाग के अनुसार अगले 24 घंटों तक उत्तर और मध्य छत्तीसगढ़ के कुछ इलाकों में शीत लहर का असर देखने को मिल सकता है। खासकर सुबह और रात के समय ठंडी हवाएं लोगों को सतर्क रहने का संकेत दे रही हैं।प्रदेश में बीते 24 घंटों के दौरान सर्वाधिक अधिकतम तापमान 29.4 डिग्री जगदलपुर में दर्ज किया गया, जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान 4.8डिग्री अंबिकापुर में रिकॉर्ड किया गया। इससे साफ है कि उत्तर छत्तीसगढ़ में ठंड का असर ज्यादा बना हुआ है। ठंडी हवाओं और गिरते तापमान के कारण सुबह-शाम ठिठुरन बढ़ गई है। हालांकि ठंड को देखते हुए बुजुर्गों, बच्चों और बीमार लोगों को सावधानी बरतने की सलाह दी गई है.अगले दो दिनों के बाद भी प्रदेश में मौसम शुष्क बने रहने की संभावना है. ठंड धीरे-धीरे कम हो सकती है, लेकिन सुबह-शाम ठिठुरन बनी रह सकती है।

ट्रांसपोर्ट नगर नहर के पास मिला अज्ञात युवक का शव, जांच में जुटी पुलिस

रायपुर ,02 जनवरी (एजेंसी)। भिलाई के ट्रांसपोर्ट नगर क्षेत्र में नहर के किनारे एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। सुबह के समय स्थानीय लोगों ने शव देखा, जिसके बाद तत्काल पुलिस को सूचना दी गई।

जानकारी मिलते ही पुरानी भिलाई थाना पुलिस मौके पर पहुंची और क्षेत्र को सुरक्षित कर जांच शुरू की। पुलिस ने प्रारंभिक कार्रवाई के बाद फॉरेंसिक टीम को बुलाया, जो घटनास्थल की बारीकी से जांच कर रही है।फॉरेंसिक जांच पूरी होने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए मर्चुरी भेजा जाएगा। फिलहाल मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस इस मामले में हत्या और दुर्घटना, दोनों पहलुओं से जांच कर रही है।पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही मौत के कारणों का खुलासा हो पाएगा।

तहसील कार्यालय के शिफ्टिंग में आ रही अड़चन

रायपुर ,02 जनवरी (एजेंसी)। तहसील कार्यालय के भवन निर्माण के लिए फिलहाल तहसील कार्यालय के अस्थाई शिफ्टिंग में अड़चन आ रही है। कमिश्नर कार्यालय भवन के नये भवन में शिफ्टिंग के बाद पुराना भवन खाली हो चुका है लेकिन तहसील के नए भवन की मंजूरी नहीं होने से मामला आगे नहीं बढ़ पाया है। नए तहसील भवन की मंजूरी के बाद ही तहसील कार्यालय को ओल्ड संभागायुक्त कार्यालय में शिफ्ट होने की बात कही जा रही है।बिलासपुर तहसील कार्यालय के नए भवन के लिए छह करोड़ रुपए की राशि बजट में शामिल है। अब तक संभागायुक्त कार्यालय के नए भवन में शिफ्टिंग का रास्ता देखा जा रहा था ताकि पुराना कार्यालय भवन खाली होने के बाद तहसील कार्यालय भवन वहां शिफ्ट हो सके और तहसील कार्यालय के नए भवन का काम शुरू हो सके। इधर पुराना कार्यालय भवन तो खाली हो चुका है लेकिन राशि मंजूर नहीं होने से मामला अटक गया है। तहसील कार्यालय के नए भवन के लिए राशि मंजूर होने के बाद ही तहसील कार्यालय को वहां शिफ्ट किया जा सकेगा।

सबसे बड़े सरकारी अस्तपाल के डॉक्टरों ने छाती के दुर्लभ कैंसर का ऑपरेशन कर मरीज को बचाया

रायपुर ,02 जनवरी (एजेंसी)। डॉ. भीमराव अंबेडकर अस्पताल के कैंसर सर्जरी विभाग ने छाती के दुर्लभ एवं जटिल कैंसर मीडियास्टाइनल जर्म सेल ट्यूमर का सफल ऑपरेशन कर मरीज की जान बचाई। 29 वर्षीय मरीज छाती में गांठ, सांस लेने में परेशानी और लगातार दर्द की शिकायत के साथ अस्पताल आया था।

लगभग 4 घंटे चली इस जटिल सर्जरी में गांठ को बाएं फेफड़े के एक हिस्से सहित सफलतापूर्वक हटाया गया। ऑपरेशन पूरी तरह सफल रहा और मरीज को कुछ दिनों के उपचार के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। यहां सर्जरी की पूरी कहानी, इसे अंजाम देने वाले डॉक्टर की जुबानी...एम्स रायपुर के कैंसर विभाग में युवक का प्रारंभिक उपचार चल रहा था। यहां जांच के बाद बायोप्सी में मीडियास्टाइनल जर्म सेल ट्यूमर की पुष्टि हुई। जांच में छाती के बीच स्थित गांठ की जानकारी मिली। इसका आकार लगभग 13म18म16 सेंटीमीटर पाया गया। गांठ हृदय के समीप बड़ी रक्त नलिकाओं से चिपकी हुई थी। इलाज के जोखिम को देखते हुए एम्स के चिकित्सकों ने पहले कीमोथेरेपी देने का निर्णय लिया।जनवरी 2025 से जून 2025 के बीच मरीज को छह चक्र में कीमोथेरेपी दी गई। इससे गांठ का आकार घटकर 4म3म4 सेंटीमीटर रह गया। इसके बाद

मरीज को अक्टूबर में एम्स रायपुर से रेफर कर अंबेडकर अस्पताल के कैंसर सर्जरी विभाग में भेजा गया।4 घंटे चली सर्जरी, हार्ट की झिल्ली से चिपका हुआ था ट्यूमर: एम्स रायपुर से आने के बाद एक महीने तक युवक की सभी तरह की जांच की गई। जांच रिपोर्ट के अध्ययन के बाद हमने सर्जरी करने का निर्णय लिया। फिटनेस रिपोर्ट मिलने के बाद सर्जरी प्लान हुई। मीडियास्टाइनल ट्यूमर की सर्जरी काफी जोखिम वाली सर्जरी है।यह करीब 4 घंटे चली। इस जटिल सर्जरी में गांठ को बाएं फेफड़े के एक हिस्से सहित सफलतापूर्वक हटाया गया। हमारे सामने कई चुनौतियां थी, जिसमें प्रमुख था कि ट्यूमर हृदय, पेरिकार्डियम और बड़ी रक्त नलिकाएं से चिपका हुआ था। हमारी टीम ने आधुनिक और विक?सित तकनीक का प्रयोग करते हुए सुरक्षित सर्जरी पूरी की। मरीज को कुछ दिनों के उपचार के बाद स्वस्थ अवस्था में अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। मरीज समय-समय पर फॉलोअप के लिए अस्पताल आ रहा है। मीडियास्टाइनम जर्म सेल ट्यूमर एक दुर्लभ ट्यूमर होता है, जो छाती के बीच वाले हिस्से (मीडियास्टाइनम) में विकसित होता है। यह ट्यूमर उन कोशिकाओं से बनता है, जिन्हें जर्म सेल कहा जाता है, जो सामान्यत: अंडकोष (पुरुष) या अंडाशय (महिला) में पाई जाती है। भ्रूण के विकास के दौरान कुछ जर्म सेल गलत जगह पर रह जाते हैं।बाद में यही ट्यूमर बन सकता है। इसके प्रमुख लक्षण लगातार खांसी आना, सांस लेने में तकलीफ, छाती में दर्द होता है। इस कैंसर का उपचार कीमोथेरेपी और सर्जरी के संयुक्त प्रयास से किया जाता है। समय पर निदान और उचित उपचार मिलने पर इसका 5 वर्षीय सर्वाइवल रेट 90% से अधिक होता है।टीम में ये रहे शामिलइस सर्जरी में डॉ. आशुतोष गुप्ता के साथ डॉ. केके साहू, डॉ. किशन सोनी, डॉ. गुंजन अग्रवाल, डॉ. सुश्रुत अग्रवाल, डॉ. समृद्ध, डॉ. लावण्या, डॉ. सोनम एवं डॉ. अनिल शामिल रहे।

22 करोड़ से होगा 100 साल पुराने उत्तर प्रदेश के इस बांध के पुल का पुनर्निर्माण, शासन से मिली मंजूरी

बिलासपुर, ,02 जनवरी [एजेंसी]। नैनीताल हाईवे पर भाखड़ा डैम के ऊपर अंग्रेजों के जमाने में बने सौ साल पुराने पुल का अब पुनर्निर्माण किया जाएगा। इसके लिए शासन ने 22 करोड़ से अधिक की धनराशि स्वीकृत की है।इस पुल का निर्माण सेतु निगम द्वारा किया जाएगा। राज्यमंत्री बलदेव सिंह औलख ने राज्य योजना (शहरी) के अंतर्गत इसका प्रस्ताव व धनराशि सरकार से मंजूर कराई है। राज्यमंत्री का कहना है कि मोदी व योगी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश प्रगति के पथ पर अग्रसर है। औपनिवेशिक काल में निर्मित जर्जर एवं क्षतिग्रस्त सेतु के पुनर्निर्माण की वर्षों पुरानी मांग को दृष्टिगत रखते हुए राज्य योजना के अंतर्गत 22 करोड़ 14 लाख 32 हजार रुपये की मंजूरी कराई गई है। उनके अनुसार सेतु के पुनर्निर्माण से न केवल क्षेत्रवासियों को सुरक्षित एवं सुगम आवागमन की सुविधा प्राप्त होगी, बल्कि व्यापार, शिक्षा एवं दैनिक जीवन से जुड़ी गतिविधियों को भी नई गति मिलेगी। यह निर्माण स्थानीय शहरी विकास को नए आयाम प्रदान करेगा। उल्लेखनीय है कि भाखड़ा डैम के ऊपर बने इस पुल का निर्माण देश की आजादी से पहले वर्ष-1926 में, तत्कालीन अंग्रेज सरकार द्वारा कराया गया था। तब से यह पुल यूपी से उत्तराखंड, खासकर नैनीताल जैसे प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों तक जाने का मुख्य मार्ग बना हुआ था। करीब दो दशक पहले इस पुल के बराबर नया पुल बना दिया गया था।पिछले कुछ सालों में नेशनल हाईवे के

बनते ही बाइपास भी बन गया, लेकिन इस पुल का महत्व कम नहीं हुआ। बीते कुछ सालों में कई बार सरकारी तौर पर इसे एक्सपायर बताकर बंद करने का प्रयास किया गया, लेकिन लोगों ने इस पर से गुजरना नहीं छोड़ा। यहां तक कि अब भी कुछ समय से इसके दोनों तरफ अवरोधक लगा दिए गए हैं, मगर पैदल यात्री व दोपहिया वाहन बिना किसी भय के गुजर जाते हैं।कुल मिलाकर ऐसा लगता है कि स्थानीय लोगों को इस पुराने पुल से लगाव हो गया है।

इन्हीं सब बातों को देखते हुए राज्यमंत्री ने पुराने पुल के स्थान पर नए पुल का निर्माण कराने की घोषणा की थी और अब शासन से मंजूरी भी ले आए हैं। नैनीताल रोड पर मोबाइल शॉप चलाने वाले अमित जैन सहित इस रोड के कई जागरूक नागरिकों ने कहा कि पुराने पुल के स्थान पर नया पुल बनने से आवाजाही में और आसानी हो जाएगी, तथा रोड पर जाम भी नहीं लगा करेगा।

रायपुर-बिलासपुर में सालभर में पुलिस ने पीड़ितों को लौटाए चोरी और गुम 1085 मोबाइल

बिलासपुर/रायपुर बिलासपुर, 02 जनवरी [एजेंसी]। लोगों के चोरी हुए मोबाइल पुलिस बरामद कर रही है। इन्हें उनके मालिकों को लौटाया भी जा रहा है, लेकिन पुलिस यह नहीं बता पा रही है कि वे किसके पास से बरामद हुए हैं। पिछले एक साल में रायपुर और बिलासपुर पुलिस ने ऐसे 1085 मोबाइल फोन बरामद कर लोगों को लौटाए। इनमें से राजधानी रायपुर में ही 765 फोन बरामद कर पीड़ितों को लौटाए गए हैं।

हैरत की बात ये है कि इन मामलों में एक पर भी केस नहीं बना और न ही चोरों पर कार्रवाई हुई। आमतौर पर बाजार, ट्रेन, हाट से लोगों के मोबाइल फोन चोरी हो रहे हैं। पीड़ित रिपोर्ट दर्ज कराने थाने आते हैं तो पुलिस उनकी रिपोर्ट दर्ज नहीं करती। उनसे गुम होने का आवेदन ले लेती है। इसके बाद क्या होता है, इस बारे में केवल पुलिस ही जानती है।

अचानक गुम हुए मोबाइल फोन मालिकों के पास फोन आता है, 'आपका मोबाइल फोन मिल गया है' और तीन दिन बाद अधिकारी सामूहिक रूप से लौटाएंगे। पीड़ित जब वहां जाता है तो फोन भी दे दिया जाता है पर यह नहीं बताया जाता कि वह मोबाइल इतने दिनों तक किसके पास रहा।

सीधे प्रार्थी को नहीं लौटा सकती पुलिस, कोर्ट में जमा करने का नियमचोरी होने पर एफआईआर होती है, फिर पुलिस जांच कर सामान बरामद करती है। इसके बाद बिल और पहचान

पत्र के साथ कोर्ट में सुपुर्दनामे के लिए आवेदन करना होता है, फिर अदालत सामान सौंपती है। यह प्रक्रिया दस्तावेजों की जांच के बाद पूरी होती है। यदि पुलिस सीधे मोबाइल लौटा रही है तो प्रक्रिया गलत है। पीड़ित को मोबाइल मिल जाता है तो वह अधिक ध्यान नहीं देता, लेकिन ऐसे में चोर बच जाते हैं। वे फिर से वारदात करने लगते हैं। - विनय दुबे, हाईकोर्ट अधिवक्तारायपुर में मोबाइल से जुड़ी 3000 शिकायतें: रायपुर में एक साल के भीतर 3000 से ज्यादा मोबाइल चोरी और गुम होने की शिकायतें दर्ज हुई हैं। 765 गुम फोन बरामद कर पुलिस ने पीड़ितों को लौटा दिए। पुलिस की ओर से बताया गया कि जिन लोगों से मोबाइल जब्त किए गए हैं, उनकी गिरफ्तारी नहीं की गई है। अधिकांश लोगों ने ये मोबाइल किसी न किसी से खरीदे थे। उनका चोरी में सीधा कनेक्शन या संलिप्तता नहीं पाई गई है। उन्हें यह जानकारी भी नहीं थी कि मोबाइल चोरी का है।

किसी का मोबाइल ढूंढने के लिए आसान प्रक्रिया नहीं है। साइबर सेल यह काम किसी का मोबाइल ढूंढने के लिए निजी तौर पर नहीं कर सकती। पुलिस को यह बताना चाहिए कि उसने मोबाइल कहां-कहां से बरामद किया। नहीं बता रही है तो इसका मतलब साफ है कि मोबाइल चोरों से ही बरामद हो रहे हैं और उन्हें छोड़ा जा रहा है। मोबाइल लौटाने के बहाने पुलिस अपनी पीठ थपथपा रही है।

शब्द सामर्थ्य -054

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. ठुड्डी पर के बाल, ठुड्डी, ठोढ़ी 3. विशेष और सामान्य (आदमी), आम और खास लोग (उ.) 5. इच्छा, हसरत, अभिलाषा 6. शारीरिक कोमलता, सुकुमारता (उ.) 7. सविनय, विनती पूर्वक 10. बिलख-बिलख कर रोना 11. कहानी, उपन्यास 12. कुशल, दक्ष, विशेषज्ञ 13. भार, दबाव 14. शुभ-अशुभ की पूर्व सूचना, शुभ अवसर पर होने वाला मंगल कार्य संबंधी गीत 15. एहसान, भलाई, हित 17. सूत काटने, लपेटने में काम आने वाली चर्खे से लगी सलाई 19. एक हिन्दी महीना, श्रावण 20. सप्ताह का एक दिन, बृहस्पतिवार।

ऊपर से नीचे

1. जंगल में लगी आग, दावाग्नि 2. मूल्य, दाम 4. स्वतंत्र, स्वाधीन 5. संकट, कष्ट, दर्द 7. लकड़ी, कन्या, कानों में पहनने का छल्ला, श्रेष्ठ 8. बेइज्जती, अनादार 9. शोभा, सुंदरता, बसंत ऋतु 10. तबाह करने वाला,विनाशक 11. इस समय 13. असुर, राक्षस, दैत्य 14 ए. गुरुमंत्र, बहुत अच्छी युक्ति 15. पर्व, त्यौहार 16. शिकायत, उलाहना, ग्लानि 17. वृक्ष, पेड़ 18. मुंह से निकलने वाला थूक जैसा पदार्थ।

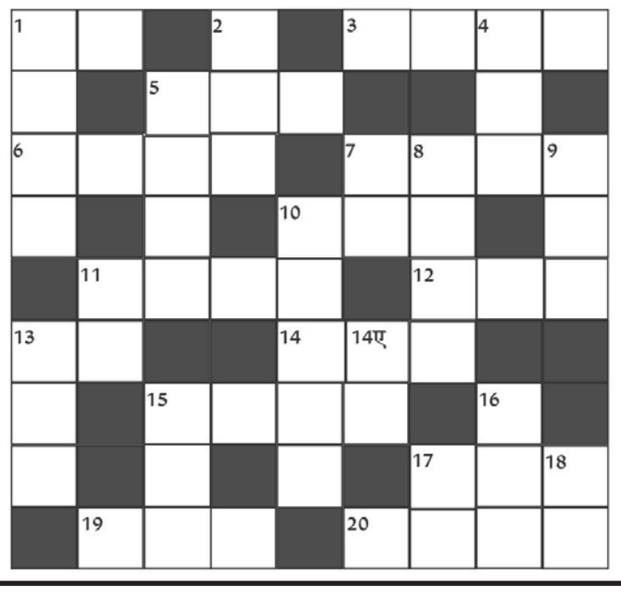

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 053 का हल

खा	म	खां			इं			
स	ह		ब	र	सा	त		प
	क	हा	नी		न	क	च	ढ़ा
त			स्ब			ली		ई
क	या	म	त		क	फ	न	
दी		र्दा		बा	बू		ह	वा
र	ह	ना		ल	त	खो	र	
	वा		नौ	क	र			सा
भा	ई		का			बा	द	ल

हेरोईन के साथ पकड़ाये पति-पत्नी,लाखों का माल बरामद

बिलासपुर, ,02 जनवरी [एजेंसी]। रायपुर पुलिस ने कबीर नगर थानाक्षेत्र से पति-पत्नी को मादक पदार्थ हेरोईन (चिट्टा) के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से लाखों रूपये का हेराईन बरामद किया है। आरोपियों ने अपने घर में पलंग के अंदर हेरोईन छिपाकर रखा था जिसे पुलिस ने तलाशी के बाद बरामद कर लिया। पुलिस ने आरोपी पति-पत्नी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्यवाही की है।मिली जानकारी के अनुसार थाना कबीर नगर पुलिस टीम को थाना क्षेत्र अंतर्गत एलआईजी 02/20 कबीर नगर में हरप्रीत कौर नामक महिला के द्वारा प्रतिबंधित मादक पदार्थ हेरोईन (चिट्टा) बिक्री हेतु रखने की सूचना मिली थी। जिस पर वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन पर थाना प्रभारी कबीर नगर के नेतृत्व में थाना कबीर नगर की पुलिस टीम द्वारा उक्त स्थान पर जाकर मुखबिर के द्वारा बताये स्थान पर जाकर एलआईजी 02/20 कबीर नगर में घेराबंदी किया गया जहाँ हरप्रीत कौर नामक महिला मिली जिसे मादक पदार्थ हेरोइन (चिट्टा) रखने के संबंध में अवगत कराकर उसके घर की तलाशी ली गई तो उसके घर के पलंग के दराज में एक प्लास्टिक जिपर थैली में मादक पदार्थ हेरोइन (चिट्टा) मिला जिसके संबंध में पूछताछ करने पर उसके पति जोधा सिंग द्वारा पंजाब से बिक्री हेतु लाना बताया गया जिसे उक्त प्रतिबंधित मादक पदार्थ रखने व बिक्री करने के संबंध में वैध दस्तावेज की मांग करने पर उसके द्वारा किसी प्रकार का कोई दस्तावेज प्रस्तुत ना कर टीम के सदस्यों को लगातार गुमराह करने का प्रयास किया जा रहा था।

2026 में खेल प्रेमियों के लिए क्या-क्या खास है अगले साल होंगे खेलों के कई महाकुंभ

नई दिल्ली,02 जनवरी (एजेंसी) साल 2026 खेल जगत के लिए बेहद खास रहने वाला है। विंटर ओलंपिक, आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप, फीफा वर्ल्ड कप, कॉमनवेल्थ गेम्स और एशियन गेम्स जैसे बड़े आयोजन एक ही साल में होंगे। क्रिकेट, फुटबॉल और ओलंपिक खेलों के प्रशंसकों के लिए यह साल रोमांच और ऐतिहासिक पलों से भरा रहेगा। साल 2026 खेल प्रेमियों के लिए किसी उत्सव से कम नहीं होने वाला है। ओलंपिक, वर्ल्ड कप और बहु-राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं से भरा अगला साल रोमांच, प्रतिस्पर्धा और यादगार पलों की गारंटी देता है। जैसे-जैसे 2026 के महीने आगे बढ़ेंगे, खेल की दुनिया में हर कुछ हफ्तों में कोई न कोई बड़ा आयोजन सुर्खियों में रहेगा। शीतकालीन ओलंपिक से लेकर क्रिकेट और फुटबॉल वर्ल्ड कप, राष्ट्रमंडल खेल और एशियन गेम्स, हर स्तर पर वैश्विक मुकाबले देखने को मिलेंगे। आइए जानते हैं 2026 में होने वाले प्रमुख खेल आयोजनों के बारे में

अंडर-19 वनडे विश्व कप की शुरुआत 15 जनवरी से छह फरवरी तक जिम्बाब्वे और नामीबिया की मेजबानी में होगी। इस टूर्नामेंट में 14 साल के वैभव सूर्यवंशी और आयुष म्हात्रे जैसे उभरते हुए युवा सितारों पर करीब से नजर रखी जाएगी। इस आयु वर्ग के फाइनल के एक दिन बाद सीनियर पुरुष टीम भारत और श्रीलंका की मेजबानी में सात फरवरी से आठ मार्च तक होने वाले टी20 विश्व कप में खिताब के बचाव के लिए उतरेगी।

समर ओलंपिक की तरह ही विंटर ओलंपिक भी दुनिया के शीर्ष खिलाड़ियों को एक मंच पर लाता है। 2026 का विंटर ओलंपिक इसका 25वां संस्करण होगा, जिसकी संयुक्त मेजबानी इटली के मिलान और कोर्टिना डी'एम्पेजो करेंगे। यह आयोजन छह फरवरी से 22 फरवरी तक चलेगा।

स्कीइंग, शॉर्ट ट्रैक स्पीड स्केटिंग, स्नोबोर्डिंग और आइस हॉकी जैसे खेलों में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ एथलीट अपनी ताकत और तकनीक का प्रदर्शन करेंगे। भारत के लिए भी यह ओलंपिक खास रहेगा क्योंकि स्टार अल्पाइन स्कीयर आरिफ खान बीजिंग 2022 के बाद अपने दूसरे लगातार ओलंपिक में उतरने की तैयारी में हैं। यह भारतीय विंटर स्पोर्ट्स के लिए एक अहम पड़ाव माना जा रहा है।क्रिकेट की दुनिया में 2026 का सबसे बड़ा आकर्षण आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप होगा। इस टूर्नामेंट की संयुक्त मेजबानी भारत और श्रीलंका करेंगे। प्रतियोगिता

सात फरवरी से शुरू होगी, जबकि फाइनल आठ मार्च को खेला जाएगा।भारत इस टूर्नामेंट में डिफेंडिंग चैंपियन के रूप में उतरेगा। टीम इंडिया ने रोहित शर्मा की कप्तानी में 2024 में खिताब जीता था। तब टीम में विराट कोहली भी थे। अब ये दोनों नहीं होंगे। ऐसे में देखना होगा कि भारतीय टीम कैसा प्रदर्शन करती है। सभी प्रमुख क्रिकेट राष्ट्र इसमें हिस्सा लेंगे, लेकिन इटली पर खास नजर रहेगी, जो पहली बार पुरुष टी20 वर्ल्ड कप में डेब्यू करेगा। क्वालिफायर में उनके शानदार प्रदर्शन ने उन्हें 'डार्क हॉर्स' बना दिया है।बैडमिंटन आल इंग्लैंड चैंपियनशिप तीन मार्च से

बैडमिंटन आल इंग्लैंड चैंपियनशिप तीन मार्च से शुरू होगी, जिसमें पीवी सिंधू और बाकी भारतीय खिलाड़ी 2025 की नाकामी से उबरना चाहेंगे। भारतीय फुटबॉल प्रेमियों के लिए अच्छी खबर है कि एक मार्च से ऑस्ट्रेलिया में शुरू हो रहे एएफसी महिला एशियाई कप में लंबे समय बाद भारतीय टीम खेलती नजर आएगी।कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट: गुकेश के चैलेंजर का पता चलेगामार्च के आखिर से अप्रैल तक साइप्रस में कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट खेला जाएगा, जिससे विश्व चैंपियनशिप खिताब के चैलेंजर का पता चलेगा। अभी भारत के डी गुकेश विश्व चैंपियन हैं। इस टूर्नामेंट के ओपन वर्ग में भारत के आर प्रज्ञानंद और महिला वर्ग में आर वैशाली, कोनेरू हम्पी और दिव्या देशमुख भाग लेंगे। शतरंज टूर्नामेंट 16 अप्रैल तक चलेगा। वहीं, मंगोलिया में एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप खेली जाएगी। यह मुक्केबाजी टूर्नामेंट 11 अप्रैल को खत्म होगा।

थॉमस और उबेर कप बैडमिंटन, महिला टी20 विश्व कप भी

इसके बाद 24 अप्रैल से तीन मई तक थॉमस और उबेर कप बैडमिंटन खेला जाएगा । इसके कुछ दिन बाद आईटीटीएफ विश्व टीम टेबल टेनिस चैंपियनशिप फाइनल्स लंदन में 28 अप्रैल से 10 मई तक चलेगा। इसके लिए भारतीय महिला और पुरूष टीमों ने क्वालिफाई कर लिया है।

जून में महिला टी20 विश्व कप होगा जिसमें हरमनप्रीत कौर की टीम 2025 में वनडे विश्व कप की सफलता को दोहराना चाहेगी। एथलेटिक्स सत्र की शुरूआत मई में डायमंड लीग से होगी जिसमें भालाफेंक स्टार नीरज चोपड़ा पर नजरें होंगी।

फीफा पुरुष फुटबॉल वर्ल्ड कप: अब तक का सबसे बड़ा संस्करण

फुटबॉल प्रेमियों के लिए 2026 फीफा पुरुष वर्ल्ड कप ऐतिहासिक होने जा रहा है। यह टूर्नामेंट अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको की संयुक्त मेजबानी में आयोजित होगा। 11 जून से 19 जुलाई तक चलने वाले इस वर्ल्ड कप में पहली बार 48 टीमें हिस्सा लेंगी।1998 के बाद पहली बार टीमों की संख्या बढ़ाई गई है, जिससे मुकाबलों की संख्या भी रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई है। कुल 104 मैच खेले जाएंगे, जो इसे फीफा इतिहास का सबसे बड़ा वर्ल्ड कप बनाएगा। नए देशों की भागीदारी और ज्यादा मैचों के कारण दर्शकों को लगातार हाई-वोल्टेज एक्शन देखने को मिलेगा। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026: सीमित लेकिन प्रभावी2026 के राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी को लेकर काफी उतार-चढ़ाव रहा। पहले यह आयोजन ऑस्ट्रेलिया के विक्टोरिया में होना था, लेकिन बजट और बढ़ती लागत के कारण राज्य सरकार के हटने के बाद स्कॉटलैंड के ग्लासगो ने जिम्मेदारी संभाली।23 जुलाई से दो अगस्त तक होने वाले इन खेलों में केवल 10 खेल शामिल होंगे, जो इसे अब तक का सबसे छोटा कॉमनवेल्थ गेम्स बनाएगा। बावजूद इसके, करीब 74 राष्ट्रमंडल देशों के लगभग 3,000 एथलीट इसमें हिस्सा लेंगे।

अपनी जिंदगी के साथ, नए साल के मौके पर कोहली ने अनुष्का के साथ तस्वीर साझा कर कही दिल की बात

नई दिल्ली ,02 जनवरी (एजेंसी)। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली साल 2026 के लिए उत्सुक हैं। उन्होंने बुधवार को पत्नी अनुष्का शर्मा के साथ अपनी एक तस्वीर शेयर की है।

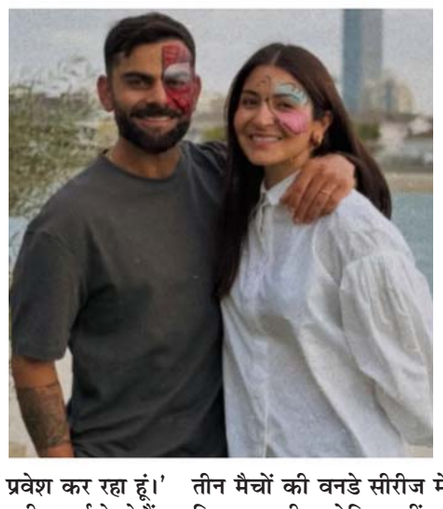

भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने नए साल की पूर्व संध्या पर पत्नी अनुष्का शर्मा के साथ इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर साझा की है। इस फोटो में दोनों के चेहरे पर एक टैटू भी बना है। कोहली के चेहरे पर स्पाइडरमैन का मास्क बना है, जबकि अनुष्का के चेहरे पर तितली बनी हुई है। कोहली ने इस तस्वीर के साथ जो कैप्शन लिखा है उसने सभी का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया है। नए साल के लिए उत्सुक कोहलीकोहली ने अनुष्का के साथ अपनी तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, 'मैं अपनी जिंदगी की रोशनी के साथ 2026 में प्रवेश कर रहा हूं।' कोहली के इस पोस्ट पर प्रशंसक उन्हें नए साल की बधाई दे रहे हैं। विजय हजारे ट्रॉफी में बिखेरी चमककोहली ने हाल ही में विजय हजारे ट्रॉफी वनडे टूर्नामेंट में हिस्सा लिया था और दिल्ली के लिए खेलते हुए चमक बिखेरी थी। कोहली विजय हजारे ट्रॉफी के दो मैचों में हिस्सा ले चुके हैं, लेकिन वह न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज से पहले दिल्ली के लिए तीसरा मैच भी खेलना चाहते हैं। दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) के अध्यक्ष रोहन जेटली ने हाल ही में बताया था कि कोहली रेलवे के खिलाफ छह जनवरी को होने वाले मैच में दिल्ली के लिए खेलेंगे। कोहली दिल्ली के लिए शुरुआती दो मैचों में शानदार लय में थे। उन्होंने क्रमश: 131 और 77 रन बनाए थे।न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में खेलते आएंगे नजरकोहली 11 जनवरी से न्यूजीलैंड के खिलाफ शुरू हो रही तीन मैचों की वनडे सीरीज में खेलते नजर आएंगे। इसके लिए फिलहाल टीम घोषित नहीं हुई है, लेकिन माना जा रहा है कि जनवरी के पहले सप्ताह में भारतीय टीम का एलान हो सकता है। कोहली इससे पहले दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज में खेले थे।

इन भारतीय बल्लेबाजों ने एक कैलेंडर वर्ष में टीम के 25 प्रतिशत से ज्यादा रन बनाए

नईदिल्ली,02 जनवरी (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम ने इस साल चैंपियंस ट्रॉफी और एशिया कप 2025 के खिताब जीते। ऐसे में बड़े टूर्नामेंट के लिहाज से भारत के लिए यह साल शानदार रहा। कुछ युवा खिलाड़ियों ने 2025 में अपनी छाप छोड़ी।

अभिषेक शर्मा ने टी-20 अंतरराष्ट्रीय में इस साल कमाल किया। इस बीच एक कैलेंडर वर्ष में टीम के 25 प्रतिशत रन (किसी भी एक प्रारूप में) बनाने वाले भारतीय बल्लेबाजों (कम से कम 20 पारी) के बारे में जानते हैं।अभिषेक ने इस साल 21 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले, जिसमें 42.95 की औसत और 193.46 की स्ट्राइक रेट के साथ 859 रन बनाए।

विजय हजारे ट्रॉफी 2025-26: क्रुणाल पांड्या ने हैदराबाद के खिलाफ जड़ा शतक

नईदिल्ली,02 जनवरी (एजेंसी)। बड़ौदा क्रिकेट टीम के कप्तान क्रुणाल पांड्या ने विजय हजारे ट्रॉफी 2025-26 में हैदराबाद क्रिकेट टीम के खिलाफ शानदार शतकीय पारी (109) खेली। ये उनके लिस्ट-ए करियर का तीसरा शतक रहा जिसे उन्होंने सिर्फ 60 गेंदों में पूरा किया। उनकी शानदार बल्लेबाजी से बड़ौदा ने पहली पारी में 417/4 का पहाड़ जैसा स्कोर खड़ा कर दिया। क्रुणाल लगातार तीसरा 50+ का स्कोर बनाया। ऐसे में आइए क्रुणाल के आंकड़ों पर एक नजर डालते हैं।

क्रुणाल नंबर-3 पर बल्लेबाजी करने आए और 63 गेंदों का सामना करते हुए 109 रन बनाने में सफल रहे। उनके बल्ले से 18 चौके और 1 छक्का निकला। उनकी स्ट्राइक रेट 173.02 की रही। उन्होंने नित्या पांड्या के साथ मिलकर 48 गेंदों में 68 रन की साझेदारी निभाई। इसके अलावा भानू पानिया के साथ सिर्फ 63 गेंदों में 115 रन जोड़ दिए। क्रुणाल के अलावा अमित पाशी ने भी 127 रन की पारी खेली।

क्रुणाल ने अब तक 95 लिस्ट-ए मुकाबले खेले हैं और इसकी 90 पारियों में लगभग 38 की औसत से 2,900 से ज्यादा रन बनाने में सफल रहे हैं। उनके बल्ले से 3 शतक के अलावा 17 अर्धशतक भी निकले है। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर नाबाद 133 रन रहा है। इस मुकाबले से पहले उन्होंने उत्तर प्रदेश क्रिकेट टीम के खिलाफ 82 रन बनाए थे। बंगाल क्रिकेट टीम के खिलाफ उनके बल्ले से 57 रन निकले थे।क्रुणाल ने भारतीय क्रिकेट टीम के लिए 5 वनडे मुकाबले खेले हैं। इसकी 4 पारियों में 65 की शानदार औसत के साथ 130 रन बनाने में सफल रहे हैं। उनके बल्ले से 1 अर्धशतक निकला है और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 58* रन रहा है। प्रथम श्रेणी क्रिकेट में इस खिलाड़ी ने 16 मुकाबले खेले हैं और इसकी 28 पारियों में 32.14 की औसत से 900 रन बनाए हैं। उनके बल्ले से 3 शतक और 5 अर्धशतक निकले हैं।

गेंदबाजी में क्रुणाल ने 95 मैच की 91 पारियों में 31 से ज्यादा की औसत से 115 विकेट चटकाए हैं। उन्होंने 3 बार 4 विकेट हॉल और 2 बार 5 विकेट हॉल लिया है। वनडे क्रिकेट में इस खिलाड़ी के नाम 2 विकेट है।क्रुणाल ने भारतीय क्रिकेट टीम के लिए 5 वनडे मुकाबले खेले हैं। इसकी 4 पारियों में 65 की शानदार औसत के साथ 130

व्यापार

भारत के पास दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा रेअर अर्थ भंडार

नईदिल्ली,02 जनवरी (एजेंसी)।भारत के पास दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा रेअर अर्थ भंडार है, लेकिन उत्पादन में देश काफी पीछे है। जानिए क्यों भारत भंडार होने के बावजूद वैश्विक रेअर अर्थ बाजार में कमजोर भूमिका निभा रहा है।रेअर अर्थ अयस्क भंडार के मामले में भारत इस समय तीसरे स्थान पर है। हालांकि, इसका उत्पादन प्रमुख वैश्विक देशों की तुलना में सबसे कम है, जो संसाधन उपलब्धता और वास्तविक उत्पादन के बीच भारी अंतर को दर्शाता है। आंकड़ों से पता चला है कि भारत के पास लगभग 69 लाख टन रेअर अर्थ ऑक्साइड (आरईओ) भंडार है। इससे पहले चीन और ब्राजील हैं।एमिकस के आंकड़ों के अनुसार, चीन के पास 4.4 करोड़ टन भंडार है। ब्राजील के पास 2.1 करोड़ टन का भंडार है। ऑस्ट्रेलिया (57 लाख टन), रूस (38 लाख टन), वियतनाम (35 लाख टन) और अमेरिका (19 लाख टन) शामिल हैं।

अपने मजबूत भंडार के बावजूद भारत का उत्पादन सीमित है। 2024 में भारत ने केवल 2,900 टन दुर्लभ धातुओं का उत्पादन किया, जो वैश्विक स्तर पर सातवें स्थान पर रहा। चीन ने 2.7 लाख टन का उत्पादन किया, जिससे वह वैश्विक स्तर पर अग्रणी बन गया। अमेरिका 45,000 टन के साथ दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक था।भारत के पास वैश्विक रेअर अर्थ खनिजों का करीब 6-7 फीसदी भंडार है। फिर भी वैश्विक उत्पादन में इसका योगदान एक फीसदी से भी कम है। देश के अधिकांश भंडार मोनाजाइट से भरपूर तटीय रेत में पाए जाते हैं, जिनमें रेडियोधर्मी तत्व थोरियम भी मौजूद होता है। इससे खनन और प्रसंस्करण अधिक जटिल हो जाता है और सख्त नियमों के अधीन हो जाता है। नियामक चुनौतियों ने ऐतिहासिक रूप से देश में रेअर अर्थ खनिजों के खनन को धीमा कर दिया है। दशकों तक उत्पादन काफी हद तक सीमित रहा और मुख्य रूप से इंडियन रेयर अर्थ्स लि. (आईआरईएल) नियंत्रित करता था।?चीन वैश्विक दुर्लभ पृथ्वी शोधन क्षमता का लगभग 90 फीसदी और भारी रेअर अर्थ तत्वों के करीब संपूर्ण प्रसंस्करण को नियंत्रित करता है। इससे चीन को संपूर्ण मूल्य श्रृंखला में एक बड़ा लाभ मिलता है। भारत की प्रसंस्करण और शोधन क्षमता बहुत सीमित है। वार्षिक उत्पादन केवल कुछ हजार टन रहा है और वैश्विक रेअर अर्थ धातुओं के व्यापार में भारत की भूमिका लगभग नगण्य रही है।

चांदी एनवीडिया को पीछे छोड़ बनी दुनिया की दूसरी सबसे कीमती संपत्ति

नईदिल्ली,02 जनवरी (एजेंसी)। चांदी की कीमतों में बढ़त का सिलसिला जारी है। कीमतों में हो रही लगातार बढ़ोतरी के कारण यह सफेद धातु चिप निर्माता दिग्गज कंपनी एनवीडिया को पीछे छोड़कर दुनिया की दूसरी सबसे कीमती संपत्ति बन गई है। लगातार पांचवें सत्र में तेजी के बाद चांदी 84 डॉलर प्रति औंस (लगभग 2.43 लाख रुपये प्रति किलो) के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंची। इस स्तर पर चांदी का कुल मूल्यांकन करीब 4.65 लाख करोड़ डॉलर (लगभग 420 लाख करोड़ रुपये) आंकी गई है।

रिपोर्ट के मुताबिक, 84 डॉलर प्रति औंस के भाव पर चांदी की वैल्यू एनवीडिया से ज्यादा हो गई। शुक्रवार को एनवीडिया का शेयर 190.53 डॉलर पर बंद हुआ था ।

वैश्विक उथल-पुथल के बीच भारत की अर्थव्यवस्था सबसे मजबूत, सुधारों ने दी विकास को नई रफ्तार

नईदिल्ली,02 जनवरी (एजेंसी)।वैश्विक अशांति, व्यापारिक अनिश्चितता और भू-राजनीतिक तनावों के बीच भारत की अर्थव्यवस्था ने मजबूती दिखाई है। सुधारों, कर राहत और घरेलू मांग ने विकास दर को नई ऊंचाई दी है। पिछले पांच वर्षों में आए कई वैश्विक झटकों ने दुनियाभर में अस्थिरता और अनिश्चितता का माहौल पैदा किया है। साल 2025 अब तक भू-राजनीतिक बिखराव, व्यापारिक अनिश्चितता, आपूर्ति श्रृंखला में बदलाव और तकनीकी वर्चस्व की जंग के नाम रहा है। दुनिया के इस अशांत माहौल के बीच, भारत की सूक्ष्म अर्थव्यवस्था सबसे अलग दिखती है। हालिया तिमाही में भारत की विकास दर 8.2 फीसदी रही है, जिसने बड़े-बड़े जानकारों के अनुमानों को भी पीछे छोड़ दिया है। राहत की बात है कि महंगाई और राजकोषीय घाटा नियंत्रण में है। तमाम बाहरी चुनौतियों के बावजूद, भारत की नीतियों का मुख्य उद्देश्य घरेलू अर्थव्यवस्था को और अधिक मजबूत एवं लचीला बनाना रहा है।किसी भी मजबूत अर्थव्यवस्था की असली बुनियाद घरेलू मांग होती है। करोड़ों भारतीय परिवारों के लिए कर नीतियों में बदलाव, खपत बढ़ाने का बड़ा जरिया साबित हुआ है। इस साल भारत ने प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष दोनों तरह के टैक्स सुधारों को अपनाया है। फरवरी, 2025 में पेश किए गए बजट में 12 लाख रुपये तक की सालाना आय को करमुक्त किया गया था, जिससे लोगों के हाथों में ज्यादा पैसा आया। साथ ही, पुराने जटिल कानूनों की जगह

नया आयकर अधिनियम-2025 लागू किया गया। इसके बाद सितंबर में जीएसटी को और आसान बनाते हुए इसे दो स्लैब में रखा गया। इन सुधारों का असर यह रहा कि त्योहारी सीजन में 6 लाख करोड़ रुपये की रिकॉर्ड बिक्री हुई।खास बात है कि टैक्स में राहत देने से सरकारी खजाने को नुकसान नहीं हुआ है, बल्कि बाजार में बढ़ी मांग एवं खपत के कारण आने वाले समय में टैक्स संग्रह के और बढ़ने की उम्मीद है। हमारी अर्थव्यवस्था का करीब 55-60 फीसदी हिस्सा घरेलू खपत पर आधारित है। जैसे-जैसे खपत बढ़ती है, उद्योगों की उत्पादन क्षमता का भी बेहतर इस्तेमाल होने लगता है। उत्पादन जब अपनी पूरी क्षमता तक पहुंच जाता है, तो अर्थव्यवस्था में निवेश भी बढ़ता है, जिसके कई सकारात्मक प्रभाव होते हैं। उपभोक्ता मांग लंबे समय तक तभी बनी रह सकती है, जब लोगों की आय में भी लगातार बढ़ोतरी हो। श्रम कानूनों में सुधार यह सुनिश्चित करेंगे। 29 पुराने और बिखरे कानूनों की जगह चार आधुनिक श्रम संहिताएं लागू होने से अब भारत का श्रम ढांचा व्यवसायों के लिए अधिक पारदर्शी और श्रमिकों के लिए ज्यादा सुरक्षित हो गया है। श्रम कानूनों में ये आवश्यक सुधार यह सुनिश्चित करेंगे कि हमारा 64 करोड़ का विशाल कार्यबल समृद्ध बने एवं भारत की विकास की रफ्तार को और तेज बनाए।

परिवारों की आय जैसे-जैसे बढ़ेगी, उनके पास ज्यादा खर्च या बचत करने या फिर दोनों विकल्प होंगे। संगठित क्षेत्र में रोजगार बढ़ने से भविष्य निधि, पेंशन और बीमा कोष में निवेश बढ़ेगा। बीमा क्षेत्र में 100 फीसदी प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की अनुमति देने से भारत का पूंजी बाजार और मजबूत होगा। प्रतिस्पर्धा और सेवाओं की गुणवत्ता भी सुधरेगी। बीमा क्षेत्र में निवेश सीमा बढ़ाना न सिर्फ वित्तीय सुधार है, बल्कि सामाजिक सुरक्षा को मजबूत करने वाला बड़ा कदम है।रोजगार के अवसर और निर्यात की मजबूती बड़े स्तर की कंपनियों से ही आती है। लंबे समय तक हमारी नीतियां ऐसी रहीं, जिनसे कंपनियों को छोटा बने रहने में ही फायदा दिखता था। अब पांच साल में दूसरी बार एमएसएमई की सीमा को बढ़ाया गया है। अगर 2020 से पहले की परिभाषा से तुलना करें, तो यह सीमा अब 10 गुना बढ़ चुकी है। इस बदलाव से कंपनियों को सरकारी मदद का लाभ लेते हुए भी बढ़ने में मदद मिलती है।

इंडिगो ने नए साल में पायलटों को दिया तोहफा, भत्तों में की बढ़ोतरी

नईदिल्ली,02 जनवरी (एजेंसी)।पायटलों के संकट से जूझ रही इंडिगो ने अपने कार्मचारियों को नए साल में तोहफा दिया है। इंडिगो की ओर से अपने पायलटों का भत्ता बढ़ाने का एलान किया गया है। कंपनी अलग-अलग श्रेणियों में बढ़ोतरी की है। देश की सबसे बड़ी निजी एयरलाइन कंपनी इंडिगो ने अपने पायलटों को नए साल का तोहफा देते हुए उनके भत्तों में बड़ी वृद्धि की है। हाल में रोस्टर प्रबंधन की गड़बड़ी के कारण हुई 4,500 उड़ानों के रद्दीकरण और यात्रियों की भारी फजीहत के बाद कंपनी अब पायलटों का मनोबल बढ़ाने की कोशिश कर रही है।सूत्रों ने बताया कि 25 रुपये से लेकर 2,000 रुपये तक की ये बढ़ोतरी अलग-अलग भत्तों की श्रेणियों में कई गई है, जिसमें डोमेस्टिक लेओवर, डेडहेड और नाइट

शामिल हैं। साथ ही पायलट टेल-स्वैप (एक तय एयरक्राफ्ट को दूसरे एयरक्राफ्ट से बदलना) भत्ते के भी हकदार होंगे। सूत्रों ने यह भी बताया कि टेल-स्वैप भत्ता पहले नहीं दिया जाता था। ये बढ़ोतरी 1 जनवरी से लागू होंगी।

कंपनी के अनुसार, कैप्टन के लिए लेओवर भत्ता 2,000 रुपये से बढ़ाकर 3,000 रुपये और फर्स्ट ऑफिसर के लिए 1,500 रुपये किया गया है। डेडहेडिंग (ड्यूटी के लिए यात्री के तौर पर यात्रा) भत्ते में भी 1,000 रुपये तक का इजाफा किया गया है। नए भत्ते 1 जनवरी से लागू होंगे। गौरतलब है कि उड़ानों के अचानक रद्द होने से कंपनी को न केवल नियामक जांच और भारी जुर्माने का सामना करना पड़ रहा, बल्कि मूडीज ने भी बड़े वित्तीय नुकसान की चेतावनी दी है।

रात के भत्ते में भी बढ़ोतरी

24 घंटे के समय के बाद हर घंटे के लिए कैप्टन को पहले के 100 रुपये के बजाय 150 रुपये मिलेंगे, जबकि फर्स्ट अफसर को पहले के 50 रुपये के बजाय 75 रुपये दिए जाएंगे। एक कैप्टन और एक फर्स्ट ऑफिसर के लिए प्रति रात घंटे का नाइट भत्ता बढ़ाकर क्रमश: 2,000 रुपये और 1,000 रुपये कर दिया गया है।इसके अलावा एक कैप्टन के लिए तय ब्लॉक घंटे का डेडहेड भत्ता 3,000 रुपये से बढ़ाकर 4,000 रुपये और एक फर्स्ट अफसर के लिए 1,500 रुपये से बढ़ाकर 2,000 रुपये कर दिया गया है।

उत्पादन लक्ष्य चूक पर सरकार सख्त, रिलायंस-बीपी को भरना होगा 30 अरब डॉलर से अधिक का मुआवजा

नईदिल्ली,02 जनवरी (एजेंसी)। केजी-डी6 गैस क्षेत्र से उत्पादन लक्ष्य पूरा न करने पर केंद्र सरकार ने रिलायंस इंडस्ट्रीज और बीपी से 30 अरब डॉलर से अधिक मुआवजे की मांग की है।

मामला मध्यस्थता न्यायाधिकरण में विचाराधीन है।केंद्र ने कृष्णा-गोदावरी बेसिन के केजी-डी6 गैस क्षेत्र से प्राकृतिक गैस उत्पादन का लक्ष्य पूरा नहीं करने के मामले में रिलायंस इंडस्ट्रीज और उसकी साझेदार बीपी से 30 अरब डॉलर से अधिक का मुआवजा मांगा है। सूत्रों के मुताबिक, सरकार ने यह दावा तीन-सदस्यीय मध्यस्थता न्यायाधिकरण के समक्ष पेश किया है। 14 साल पुराने इस मामले पर सुनवाई 7 नवंबर को पूरी हो चुकी है। न्यायाधिकरण अगले वर्ष किसी भी समय फैसला सुना सकता है। उधर, रिलायंस इंडस्ट्रीज ने इस रिपोर्ट को खारिज करते हुए?कहा, 30 अरब डॉलर का कोई दावा नहीं है। केजी-डी6 ब्लॉक के संबंध में भारत सरकार का दावा 24.7 करोड़ डॉलर का है, जिसका खुलासा उचित और लगातार किया गया है।सरकार का आरोप है कि दोनों साझेदारों ने केजी-डी6 ब्लॉक में जरूरत से ज्यादा बड़ी सुविधाएं विकसित कीं, लेकिन प्राकृतिक गैस उत्पादन के निर्धारित लक्ष्यों को पाने में नाकाम रहे। मध्यस्थता प्रक्रिया में सरकार ने उत्पादित नहीं की जा सकी गैस का मौद्रिक मूल्य मांगने के साथ अतिरिक्त खर्च, ईंधन विपणन और ब्याज पर भी मुआवजा मांगा है। इन दावों का कुल मूल्य 30 अरब डॉलर से अधिक है।

रिलायंस ने 2.47 अरब डॉलर के निवेश से प्रतिदिन चार करोड़ मानक घन मीटर गैस उत्पादन का लक्ष्य रखा था। 2006 में इसे 8.18 अरब डॉलर का निवेश और मार्च, 2011 तक 31 कुओं की ड्रिलिंग के साथ उत्पादन दोगुना करने का अनुमान जताया गया। कंपनी 22 कुएं ही खोद सकी, जिनमें 18 से ही उत्पादन शुरू हो पाया। बाद में गैस भंडार का अनुमान 10.03 लाख करोड़ से घटाकर 3.10 लाख करोड़ घनफुट किया गया। सरकार ने इसके लिए रिलायंस-बीपी को जिम्मेदार ठहराते हुए शुरुआती वर्षों में किए 3.02 अरब डॉलर के खर्च को लागत वसूली गणना से बाहर कर दिया। रिलायंस ने इसके विरोध में 2011 में मध्यस्थता नोटिस दिया था। जनवरी, 2023 के बाद सुनवाई

दिसंबर में किया 18 मिलियन टन से ज्यादा कोयला उत्पादन

अब शेष 3 माह में करना होगा 93 एमटी कोल प्रोडक्शन

कोरबा (छ.ग.गौरव)। दिसंबर में एसईसीएल ने 18 एमटी से ज्यादा कोयला प्रोडक्शन किया है। इसमें सर्वाधिक भागीदारी गेवरा, कुसमुंडा व दीपका खदान की है। दीपका को छोड़कर अन्य खदानें अभी लक्ष्य से पीछे है। तीनों मेगा परियोजनाओं में हर दिन डेढ़ लाख टन से ज्यादा कोयला उत्खनन की कोशिश जारी है। गेवरा खदान ने बुधवार को 1 लाख 87 हजार टन, दीपका खदान ने 44 हजार टन और कुसमुंडा खदान ने 1 लाख 32 हजार टन कोयला उत्पादन किया है।खनन के साथ कोल डिस्पैच में तेजी आई है। एक दिन सर्वाधिक 71 रैक कोयले के डिस्पैच का रिकॉर्ड एसईसीएल बनाया है।

एसईसीएल को वित्तीय वर्ष के बचे हुए 3 माह में 93 मिलियन टन कोयला उत्पादन करना होगा। हालांकि सर्वाधिक कोयला उत्पादन में दूसरे पायदान पर बने रहने की चुनौती नहीं है, क्योंकि एनसीएल प्रोडक्शन में एसईसीएल से 13 मिलियन टन पीछे है। नए साल की शुरूआत से अब एसईसीएल का पूरा फोकस वित्तीय वर्ष में 212 मिलियन टन कोयला खनन कर सालाना लक्ष्य हासिल करने का है। 31 दिसंबर तक एसईसीएल ने 118 मिलियन टन कोयला खनन से अभी के उत्पादन लक्ष्य का 84.71 फीसदी उत्पादन कर लिया है। एमसीएल कोल इंडिया की सर्वाधिक कोयला खनन करने वाली कंपनी बनी हुई है और पहले पायदान पर काबिज होने में एसईसीएल को टक्कर दे रही है। एसईसीएल का रोजाना कोयला उत्पादन का लक्ष्य बढ़ाकर 6 लाख 12 हजार टन कर दिया गया है। इसके मुकाबले बुधवार को एसईसीएल ने 5 लाख 19 हजार टन कोयला उत्पादन किया। 118 मिलियन टन कोयला खनन में सर्वाधिक भागीदारी गेवरा खदान की है। मानसून के दौरान जलभराव और अन्य विपरीत परिस्थितियां निर्मित होने से खदानें जरूर उत्पादन के लक्ष्य से पीछे चल रही है। पद्धतियों में बदलाव किया है। रेवेन्यू शेयरिंग और माइन डेवलपर ऑपरेटर (एमडीओ) मोड को अपनाया है। इससे निजी कंपनियों को भूमिगत खदानों में खनन का आवंटन दिया है। भविष्य में इन नीतियों से कोयला खदानों का उत्पादन बढ़ाने की योजना है।

माइंस विस्तार में चुनौतियों का सामना

एसईसीएल के सामने माइंस विस्तार में कई चुनौतियां है। इनमें खदान प्रभावितों की मांगों को लेकर बार-बार किए जा रहे आंदोलन को टालने भी एक है। अंतिम महीनों में आंदोलन होने से कोयला उत्पादन प्रभावित होने पर एसईसीएल को टारगेट हासिल करने की चुनौती बढ़ेगी। हालांकि एसईसीएल कोयला उत्पादन बढ़ाने ठोस माइन प्लान तैयार किया है। एसईसीएल के सीएमडी हरीश दुहन समेत अन्य अधिकारी खदानों के निरीक्षण के दौरान माइन प्लान का जायजा ले चुके हैं।

पुलिस सायरन बजाते फर्राटे भरते रहे कार सवार

मनचलों की करतूत सोशल मीडिया में वायरल

कोरबा (छ.ग.गौरव)। शहर में कुछ मनचलों की करतूतों ने लोगों को परेशान कर दिया है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में कार सवार युवक पुलिस के सायरन का इस्तेमाल करते हुए तेज रफ्तार में फर्राटा भरते नजर आ रहे हैं, वहीं बाइक सवार युवकों ने हूटर बजाकर राहगीरों को डराया-धमकाया। इन घटनाओं ने शहर में कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। शहर में एक कार सवार युवकों का समूह पुलिस के सायरन का दुरुपयोग करते हुए शहर की सड़कों पर तेज गति से वाहन चला रहा था। यह कार उद्योग मंत्री के निवास स्थान के पास से होते हुए दर्री की ओर जा रही थी। कार का नंबर न तो शासकीय था और न ही यह टैक्सी परमिट वाली कार लग रही थी। ऐसे में कानून को धता बताते हुए इन युवकों की हरकतें सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही हैं। सूत्रों का कहना है कि यह कार इससे पहले भी शहर की सड़कों पर सायरन बजाते हुए कई बार देखी जा चुकी है। लोगों को यह भ्रम होता है कि शायद कोई अधिकारी या बड़ा नेता इस कार में सवार है, लेकिन असलियत में कुछ युवक इस तरह की हरकतें करते हुए पाए जाते हैं।

हाथियों ने रौंदी आलू और गन्ने की फसल

कोरबा (छ.ग.गौरव)। वन मंडल कोरबा के करतला रेंज में 11 हाथी विचरण कर रहे हैं। ग्राम टिमनभवना में घूम रहे दो हाथियों ने आलू और गन्ने की फसल को चौपट कर दिया है। 9 हाथी चिकनीपाली के जंगल में हैं। चार हाथी सक्ती रेंज से नहीं लौटे हैं। इससे ग्रामीणों को राहत मिली है। बड़मार बीट में मादा हाथी बच्चे के साथ घूम रही है, जो भोजन की तलाश में गांव किनारे पहुंच रही है। दोनों हाथियों ने दो किसानों की आलू-गन्ने की फसल को नुकसान पहुंचाया है। कटघोरा वन मंडल में घूम रहे हाथी भी गांव के आसपास पहुंचने लगे हैं। हाथियों की निगरानी के लिए अलग-अलग टीम लगी है। धान की फसल काटने की वजह से ही हाथी धान खाने गांव किनारे पहुंच रहे हैं।

कुत्ते के सिर में फंसा डिब्बा, किया गया रेस्क्यू

तीन-चार दिनों से भूखे प्यासे भटक रहा था कुत्ता

कोरबा (छ.ग.गौरव)। शहर में एक कुत्ते के सिर पर पिछले तीन-चार दिनों से प्लास्टिक का डिब्बा फंसा हुआ था। मंगलवार देर रात रेस्क्यू टीम ने उसे मुड़ापार आवास कॉलोनी के पास से पकड़ा और उसके सिर से डिब्बा निकालकर राहत दिलाई। डिब्बे के कारण कुत्ता भूखा-प्यासा भटक रहा था।स्थानीय लोगों के अनुसार यह किसी असामाजिक तत्व की करतूत हो सकती है, जिसने खिलाने के बहाने कुत्ते के सिर पर डिब्बा फंसा दिया होगा। डिब्बे के कारण कुत्ता न तो कुछ खा पा रहा था और न ही पानी पी पा रहा था। वह हेलीपैड और अटल आवास क्षेत्र के आसपास भटकता देखा जा रहा था। आरसीआरएस के अध्यक्ष अविनाश यादव ने बताया कि इससे पहले भी कई बार कुत्ते को पकड़ने का प्रयास किया गया था, लेकिन वह हर बार भाग जाता था। मंगलवार शाम टीम के सदस्य अतुल बेला, सोनू शाह और सुमीत ने उसकी तलाश शुरू की। लगभग एक घंटे की मशक्कत के बाद कुत्ता पीएम आवास के पीछे जंगल में मिला। टीम ने उसे सुरक्षित पकड़ा और सावधानीपूर्वक उसके सिर से प्लास्टिक का डिब्बा हटा दिया। डिब्बा निकलते ही कुत्ता तेजी से जंगल की ओर भाग गया। रेस्क्यू टीम के सदस्यों ने इस घटना की जानकारी संगठन के अध्यक्ष अविनाश यादव को दी। टीम का कहना है कि यदि समय रहते कुत्ते को बचाया न जाता, तो उसकी हालत गंभीर हो सकती थी।

पॉवर हाउस रोड में लग रही जाम से मिलेगी राहत

जल्द ही मल्टीलेवल पार्किंग होगा शुरू

कोरबा (छ.ग.गौरव)। इस नए साल में लोगों को शहर के पॉवर हाउस रोड पर दिन में लग रही कई बार जाम की समस्या से राहत मिलने की उम्मीद है। पार्किंग भवन का निर्माण कार्य लगभग पूरा हो गया है। रंग-रोगन के साथ ही जल्द ही मल्टीलेवल पार्किंग को आम लोगों ने के लिए शुरू करने की योजना है। इससे लोगों को राहत मिलेगी।

जिला खनिज न्यास मद की लगभग 19 करोड़ रुपए की लागत से पॉवर हाउस रोड नहर पुल चौक से दर्री रोड की ओर जाने वाले बायपास मार्ग पर 256 चार पहिया वाहनों की क्षमता वाले जी प्लस थ्री मल्टीलेवल पार्किंग का निर्माण कार्य लगभग पूरा हो गया है। रंग-रोगन के कार्य जारी है। निगम ने पहले डीएमएफ से 15 करोड़ 36 लाख रुपए की लागत से मल्टीलेवल पार्किंग का निर्माण कराया गया। इसके बाद निर्माण कार्य बंद हो गया था। शेष बचे हुए निर्माण कार्य को फिर से प्रारंभ कराया गया था। इस दौरान लगभग चार करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए थे। इस भवन में कमर्शियल दुकानें में निकाले जाने की तैयारी है। इससे पॉवर हाउस रोड पर पडऩे वाले यातायात का दबाव, बेतरतीब पार्किंग की वजह से लग रही नहर पुल की जाम से राहत मिलेगी।

इसे लोगों को भी बेसब्री से इंतजार है। बुधवार को कलेक्टर कुणाल दुदावत ने मल्टीलेवल पार्किंग का निरीक्षण किया। उन्होंने भवन के संचालन के लिए निविदा प्रक्रिया जल्द पूरा करने को कहा। साथ ही रैप निर्माण, ग्रिल लगाने के कार्य शीघ्र पूरा करने तथा सुरक्षा से जुड़े अन्य आवश्यक कार्य को समयसीमा में पूर्ण कराने की बात कही। संभावना जताई जा रही है कि प्रक्रिया पूर्ण करने पश्चात वर्ष 2026 से मल्टीलेवल पार्किंग शुरू कर दी जाएगी।

अब रोजाना 88 हजार 63 क्विंटल धान की होगी खरीदी

जिले में दूसरी बार बढ़ाई गई खरीदी की लिमिट

कोरबा (छ.ग.गौरव)। जिले में समर्थन मूल्य पर 65 केंद्रों में अब तक 11 लाख 46 हजार 650 क्विंटल धान की खरीदी की गई है। दूसरी बार खरीदी की लिमिट बढ़ाई गई है। अब 70 हजार के बदले रोज 88 हजार 63 क्विंटल धान खरीदी की जाएगी। इससे बड़े किसानों को राहत मिलेगी।

धान खरीदी की अंतिम तिथि 31 जनवरी है। अवकाश को छोड़ दें, तो करीब 20 दिन और खरीदी होगी। हालांकि राज्य शासन हर साल खरीदी की तिथि बढ़ाता रहा है। इस बार शुरू से ही धान खरीदी की लिमिट कम करने के कारण बड़े किसानों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। धान बेचने के लिए 52 हजार 130 किसानों ने पंजीयन कराया है, जिसमें छोटे किसानों की संख्या 24 हजार 714, लघु किसानों की संख्या 25 हजार 90 है। 10 एकड़ से अधिक रकबा वाले किसानों की संख्या 2326 है, जिन्हें परेशानी हो रही है। हालांकि 2 एकड़ से 10 एकड़ वाले 10 हजार 529 किसान धान बेच चुके हैं। छोटे किसान अभी धान नहीं बेच रहे हैं। इनकी संख्या 7335 है। इस बार धान उठाव के लिए 129 मिलर्स से अनुबंध किया गया है। धान खरीदी कम होने के कारण ही 8 लाख 22 हजार 484 क्विंटल धान का उठाव हो चुका है। धान खरीदी की लिमिट नहीं बढ़ाई गई तो बाकी दिनों में 17 लाख 60 हजार क्विंटल धान खरीदी और होगी। ऐसे में पिछले साल की तरह 29 लाख क्विंटल धान की खरीदी होगी। अभी तक करीब 30 हजार किसानों ने धान की बिक्री नहीं की है। लिमिट बढ़ाने के साथ ही ऑनलाइन टोकन भी फुल हो रहा है।

सड़क सुरक्षा माह और महिला सुरक्षा सप्ताह का शुभारंभ

श्रम मंत्री व महापौर ने दिखाई हरी झंडी

कोरबा (छ.ग.गौरव)। जिले में सड़क सुरक्षा माह और महिला सुरक्षा सप्ताह का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर पुलिस कार्यालय परिसर में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया, जहां गुम हुए 50 मोबाइल फोन उनके मालिकों को लौटाए गए और हेलमेट वितरित किए गए। कार्यक्रम का शुभारंभ कैबिनेट मंत्री लखनलाल देवांगन और महापौर संजू देवी राजपूत ने हरी झंडी दिखाकर किया। मंत्री देवांगन ने कहा कि सड़कों पर होने वाले हादसों को रोकने के लिए लोगों को यातायात नियमों की जानकारी देना आवश्यक है। उन्होंने सड़क सुरक्षा सप्ताह के कार्यक्रमों से जागरूकता बढ़ने की उम्मीद जताई और लोगों से शराब पीकर वाहन न चलाने की अपील की। कलेक्टर कुणाल दुदावत ने इस पहल को अच्छी सोच बताया। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा माह और महिला सुरक्षा सप्ताह के तहत एक महीने तक जन जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी ने बताया कि साइबर सेल की मदद से लगभग 50 गुम हुए मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। इन मोबाइलों को उनके वास्तविक मालिकों को सौंपा गया। उन्होंने यह भी बताया कि एक माह तक जागरूकता अभियान जारी रहेगा। मोबाइल फोन वापस मिलने पर लोगों के चेहरों पर खुशी साफ दिखाई दी और उन्होंने पुलिस विभाग का धन्यवाद किया। इस अवसर पर जिला चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष योगेश जैन सहित प्रशासन, पुलिस अधिकारी और सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कोल इंडिया की 86,969 आवासों पर बाहरी तो 9,488 पर रिटायर्ड कर्मियों का कब्जा

कोरबा (छ.ग.गौरव)। कोल इंडिया के आवासों पर कब्जे की स्थिति लगातार गंभीर होती जा रही है। आलम यह है कि कंपनी के कुल 3,18,263 आवासों में से 86,969 आवासों पर बाहरी लोगों का कब्जा है, जबकि 9,488 आवासों पर कंपनी के ही सेवानिवृत्त कर्मचारी काबिज हैं। वहीं 13,904 आवासों को कंपनी ने आधिकारिक रूप से अन्य लोगों को आवंटित किया है। कोल इंडिया के आंकड़ों पर गौर करें तो आवास कब्जे के मामले में कोल इंडिया की सहायक कंपनियों में सबसे खराब स्थिति बीसीसीएल की है। बीसीसीएल के 62,968 आवासों में से 24,854 पर बाहरी लोगों का कब्जा है, जबकि 1,479 आवासों पर सेवानिवृत्त कर्मचारी अवैध रूप से रह रहे हैं। आवास कब्जा मामले में कोल इंडिया की अनुषंगी कंपनी सीसीएल दूसरे स्थान पर है। जानकारी के मुताबिक सीसीएल के कुल 56,780 आवासों में से 22,520 पर बाहरी लोगों का कब्जा है। वहीं अवैध कब्जे के मामले में इसीएल तीसरे स्थान पर है. इसीएल के कुल 58,417 आवासों में से 18,213 आवासों पर बाहरी व 3,646 आवासों पर सेवानिवृत्त कर्मियों का कब्जा है। एसईसीएल के 63,078 आवासों में 9,389 बाहरी और 3,566 आवासों में सेवानिवृत कर्मी जमे हुए हैं। कोल इंडिया ने सरप्लस आवासों के उपयोग के लिए कमेटी का गठन किया था। इस बाबत कमेटी की तीन बैठकें भी हो चुकी हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक किशोर शर्मा द्वारा कावेरी प्रिंटर्स, सी-35,प्रेस काम्पलेक्स टी.पी. नगर कोरबा (छ.ग.) से मुद्रित एवं प्रकाशित संपादक किशोर शर्मा, पंजीयन क्रमांक 7585/61 फोन नं. 07759-357623